{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
रविवार 21 जून 2026
ज्येष्ठ शुक्ल 06 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 267
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

खान सर की गिरफ्तारी पर रोक

पटना। फैजल खान उर्फ खान सर को एक बार फिर बड़ी राहत मिल गई है। कोर्ट ने आज शनिवार 20 जून को सुनवाई के दौरान उन्हें गिरफ्तारी से मिली राहत बरकरार रखी है। कोर्ट ने सुनवाई के बाद इंटिरिम प्रोटेक्शन अगली तारीख तक के लिए बढ़ा दी है। इससे पहले पुलिस ने अदालत में केस डायरी को सबमिट कर दिया है। अब अगली तारीख तक खान सर को पुलिस गिरफ्तार नहीं कर सकती है। पटना सिविल कोर्ट से फैजल खान उर्फ खान सर को एक बार फिर से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने शनिवार को सुनवाई के दौरान उन्हें गिरफ्तारी से मिली राहत बरकरार रखी है। इसके साथ ही अदालत ने 'कोई कठोर कार्रवाई न करने' के लिए कहा है। पुलिस को निर्देश दिया गया है कि अगली सुनवाई तक कोई दंडात्मक कार्रवाई न करे।

अब नॉर्दन कमांड में चीफ ऑफ स्टाफ की जिम्मेदारी संभालेंगे हितेश भल्ला

नई दिल्ली। भारतीय सेना की 14वीं कोर के मौजूदा कोर कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल हितेश भल्ला अब नॉर्दन कमांड में चीफ ऑफ स्टाफ की जिम्मेदारी संभालेंगे। उनकी जगह 14वीं कोर के कमांडर की जिम्मेदारी मेजर जनरल मदनराज पांडे लेंगे, जो जल्द ही पद संभालेंगे। उनका प्रमोशन हो गया है और लेफ्टिनेंट जनरल के तौर पर वे कोर कमांडर बनेंगे। पिछले महीने ही भारत-चीन सीमा मामलों पर बातचीत और समन्वय के लिए बने वर्किंग मैकेनिज्म की बैठक हुई थी, जिसके बाद उम्मीद है कि जल्द ही ईस्टर्न लद्दाख में एलएसी का मसला सुलझाने के लिए दोनों देशों की सेनाओं के बीच कोर कमांडर स्तर की बैठक हो सकती है। पिछले साल अक्टूबर में कोर कमांडर स्तर की बैठक हुई थी। लेफ्टिनेंट जनरल हितेश भल्ला के कोर कमांडर रहते भारत-चीन के बीच गतिरोध में एक अहम मोड़ भी आया था।

राजकोट में बुजुर्ग को बंधक बनाकर 2.47 करोड़ रुपये की लूट

राजकोट। गुजरात के राजकोट के शापर-वेरावल इलाके में करोड़ों रुपये की सनसनीखेज लूट की घटना सामने आई है। 19 जून की रात करीब 1.30 बजे, 77 वर्षीय जितेंद्रसिंह अजीतसिंह जाडेजा को उनके घर में बंधक बनाया गया। चार से पाँच नकाबपोश बदमाशों ने 2 करोड़ 47 लाख रुपये कैश, लगभग 2 लाख रुपये का सोना, एक राइफल और मोबाइल फोन लूट लिया, जिससे कुल चोरी का अनुमान 2.49 करोड़ रुपये से अधिक है। पीड़ित जाडेजा ने पुलिस को बताया कि लुटेरे उनके घर का दरवाजा तोड़कर अंदर घुसे।

कुछ ना कहना

हनुमान मंदिर के हॉल की निर्माणाधीन छत भरभराकर गिरी

मलबे में दबने से 7 लोगों की मौत

परभणी। महाराष्ट्र के परभणी जिले में यशवाड़ी देवस्थान में हनुमान मंदिर के हॉल की निर्माणाधीन छत शनिवार दोपहर गिर गई। मलबे में दबने से 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 25 लोग घायल हुए, जिन्हें अस्पताल पहुंचा दिया गया है। यहां मंदिर के ठीक सामने सभामंडप बनाने का काम चल रहा था। दोपहर के समय लोग प्रसाद ले रहे थे। अचानक मंदिर का स्ट्रक्चर और पत्थर भरभराकर गिर पड़े।

हादसे का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। वीडियो के मुताबिक दोपहर 3 बजे कई लोग लाइन में खड़े होकर प्रसाद दर्शन-पूजा कर रहे थे। तभी बांस और लोहे की रॉड से बना सेंट्रिंग स्ट्रक्चर टूट गया। शनिवार होने के कारण मंदिर में भीड़ ज्यादा थी। हादसे के बाद पुलिस और स्थानीय प्रशासन ने घटनास्थल पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। यशवाड़ी गांव मनवत रोड पर स्थित है, जो छत्रपति संभाजीनगर से लगभग 190 किलोमीटर दूर है। यहां त्रिमूर्ति मंदिर में हनुमान जी की काली प्रतिमा स्थापित है।

मरने वालों के परिवार को 5 लाख मुआवजे का ऐलान

परभणी हादसे पर प्रधानमंत्री कार्यालय के ऑफिशियल x हैंडल पर पोस्ट किया गया, जिसमें पीएम मोदी के हवाले से लखा गया- महाराष्ट्र के परभणी में हुई लोगों की मौत बहुत दुखद है। मेरी संवेदनाएं उन लोगों के साथ हैं जिन्होंने इस हादसे में अपनों को खोया है। घायल लोग जल्द ठीक हों।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी श्रद्धालुओं की मौत पर दुख जताया और कहा कि घायलों का इलाज किया जा रहा है। उन्होंने घोषणा की कि मरने वालों के परिजनों को 5-5 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी।

मरने वालों में अब तक संतोष गडाडे (मंथा के रहने वाले), आकाश सुरदुसे (परभणी), मुनेश अग्रवाल (जिंतूर), सूरज पोपटकर (मनवत) और श्रीकृष्ण गवारे (वडवानी-बीड) की पहचान हो चुकी है।

मंडप में मौजूद लोगों ने मलबा हटाया

परभणी के हनुमान मंदिर के ठीक सामने सभा मंडप का निर्माण कार्य चल रहा था। इसी सभा मंडप की छत अचानक ढह गई। जिला कलेक्टर संजय चव्हाण, उपमंडल अधिकारी संगीता चव्हाण और तहसीलदार पांडुरंग माछेवाड़ ने बताया कि 32 लोगों में से 7 की मौत हो गई और 25 गंभीर रूप से घायल हो गए। आपदा प्रबंधन अधिकारी, पथरी अग्निशमन विभाग, मानवत लोक निर्माण विभाग, जिला स्वास्थ्य अधिकारी, चिकित्सा दल, परभणी नगर निगम और स्थानीय ग्रामीणों की मदद से बचाव अभियान पूरा किया गया।

रजिस्टर्ड लॉगिन से बदला गया था परीक्षा केंद्र का नाम

-नीट री-एग्जाम सेंटर आवंटन पर विवाद पर एनटीए ने दी सफाई

- शिकायत के बाद दोनों छात्रों के केंद्र पुनः बदले

नई दिल्ली। नीट-यूजी 2026 री-एग्जाम से ठीक एक दिन पहले परीक्षा केंद्रों के आवंटन को लेकर विवाद सामने आया है। महाराष्ट्र के नागपुर के एक छात्र को भारत के बजाय संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अबू धाबी स्थित परीक्षा केंद्र आवंटित किए जाने का मामला सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया। इसके अलावा ओडिशा की एक छात्रा को उसके गृह नगर भुवनेश्वर के बजाय लगभग 2300 किलोमीटर दूर देहरादून में परीक्षा केंद्र दिए जाने की शिकायत भी सामने आई।

नागपुर के छात्र अब्दुल्लाह मोहम्मद तालिब ने बताया कि जब उन्होंने 19 जून को अपना एडमिट कार्ड डाउनलोड किया, तब उन्हें पता चला कि उनका परीक्षा केंद्र अबू धाबी के एक भारतीय विद्यालय में निर्धारित किया गया है। छात्र के अनुसार उसके पास पासपोर्ट तक नहीं है, ऐसे में विदेश जाकर परीक्षा देना संभव नहीं था। एडमिट कार्ड का स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला चर्चा में आया।

विवाद बढ़ने पर एनटीए ने स्पष्टीकरण जारी किया। एजेंसी का कहना है कि परीक्षा शहर में बदलाव उम्मीदवार के पंजीकृत लॉगिन से किया गया था। हालांकि छात्र की शिकायत और अनुरोध के बाद उसका परीक्षा केंद्र पुन: नागपुर में निर्धारित कर दिया गया।

इसी तरह भुवनेश्वर की एक छात्रा को भी उसके शहर के बजाय उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में परीक्षा केंद्र आवंटित कर दिया गया था। छात्रा और उसके परिवार की शिकायत के बाद एनटीए ने इस मामले में भी सुधार करते हुए केंद्र को उचित स्थान पर स्थानांतरित कर दिया।

इन घटनाओं ने एक बार फिर परीक्षा प्रबंधन को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं, खासकर ऐसे समय में जब नीट-यूजी परीक्षा पहले ही पेपर लीक और अनियमितताओं के आरोपों के कारण रद्द कर दी गई और अब दोबारा परीक्षा लिए जाने से चर्चा में है। हालांकि एनटीए का कहना है कि दोनों मामलों का समाधान कर दिया गया है और सभी अभ्यर्थियों को समय पर संशोधित जानकारी उपलब्ध करा दी गई है।

यूसुफ पठान की विवादित जमीन की होगी नीलामी -

वडोदरा। वडोदरा महानगरपालिका (वीएमसी) ने शहर में वर्षों से लंबित भूमि विवादों के समाधान की दिशा में बड़ा और आक्रामक कदम उठाया है। पालिका की स्टैंडिंग कमेटी ने हाल ही में हुई बैठक में शहर के सात विभिन्न प्लॉटों की नीलामी कर उन्हें बेचने के प्रस्ताव को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी। इन प्लॉटों में सबसे अधिक चर्चा पूर्व भारतीय क्रिकेटर और वर्तमान सांसद यूसुफ पठान के कब्जे वाले तांदलजा स्थित विवादित प्लॉट को लेकर हो रही है। वडोदरा के तांदलजा क्षेत्र में स्थित 978 वर्गमीटर का यह प्लॉट लंबे समय से विवादों के केंद्र में है। वडोदरा महानगरपालिका का दावा है कि यह सरकारी भूमि है, जिस पर यूसुफ पठान ने कथित रूप से अवैध कब्जा कर रखा है। यह मामला वर्ष 2012 से न्यायिक प्रक्रिया में लंबित है और फिलहाल गुजरात हाईकोर्ट में विचाराधीन है। हाल ही में हाईकोर्ट ने पूर्व क्रिकेटर को अपने पक्ष में दलीलें प्रस्तुत करने के लिए निर्धारित समय दिया है। साथ ही अदालत ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि जमीन पर अवैध कब्जा सिद्ध होता है तो उन्हें भारी जुर्माना भरना पड़ सकता है। आमतौर पर किसी भूमि विवाद के न्यायालय में लंबित रहने के दौरान उसकी नीलामी या बिक्री जैसी प्रक्रिया से बचा जाता है। हालांकि, वडोदरा महानगरपालिका के अधिकारियों का कहना है कि हाईकोर्ट की एकल पीठ (सिंगल जज) के पूर्व आदेश में इस जमीन को सरकारी संपत्ति माना गया है और यूसुफ पठान को अतिक्रमणकारी के रूप में चिन्हित किया गया है।

जनता का पैसा बांटने के बाद वसूली नहीं करते? इस तरह का व्यवहार स्वीकार्य नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने स्ट्रेस्ड लोन को असाइन और सेटमेंट पर जताई चिंता

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने जिस तरह से स्ट्रेस्ड लोन को असाइन और सेटल किया जा रहा था, उस पर चिंता जताई है। उन्होंने एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनियों, कर्ज लेने वालों और बैंकों के बीच मिलीभगत से जनता के हजारों करोड़ रुपए की हेराफेरी के मामले में कहा कि एआरसी, बैंक और कर्ज लेने वाले के बीच गहरी मिलीभगत है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र के गृह और वित्त मंत्रालयों, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया और सीरियस फ्रॉड इन्वेस्टिगेशन ऑफिस से जवाब मांगा है। यह मामला नोएडा की एक इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी से जुड़े घोटाले से संबंधित है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस वी मोहन की वेकेशन बेंच ने इस मामले की सुनवाई की और केंद्र सरकार, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, ईडी, सीरियस फ्रॉड इन्वेस्टिगेशन ऑफिस, सीबीआई और सेबी से चार हफ्ते के अंदर जवाब मांगा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि याचिकाकर्ता का कहना था कि पब्लिक सेक्टर के बैंकों का 1,537 करोड़ रुपए का कर्ज दो एआरसी के जरिए सिर्फ 73.5 करोड़ रुपए में निपटा दिया गया, जिससे जनता के पैसे का भारी नुकसान हुआ।

चीफ जस्टिस ने कहा कि यह कैसी व्यावसायिक समझदारी है कि आप टैक्स देने वालों का पैसा यानी जनता का पैसा इकट्ठा करते हैं और फिर उसे बिना सोचे-समझे कर्ज के तौर पर बांट देते हैं। और बाद में उसे वसूलने की कोई कोशिश नहीं करते? इस तरह का व्यवहार स्वीकार्य नहीं है।

एआरसी, बैंक और कर्ज लेने वाले के बीच एक गहरी मिलीभगत है। इस तरह का व्यवहार मंजूर नहीं है। मुकदमे की पृष्ठभूमि को लेकर कुछ चिंताएं जताते हुए सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा कि वह पब्लिक फंड से जुड़े धोखाधड़ी के आरोपों को नजरअंदाज नहीं कर सकती।

कोर्ट ने कहा कि अगर धोखाधड़ी का मामला कोर्ट के संज्ञान में लाया गया है, और हम आंखें मूंद लेते हैं, तो इससे खतरा और बढ़ेगा। दोनों पक्षों की दलीलों और व्यापक चिंताओं पर ध्यान देते हुए कोर्ट ने संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा। याचिकाकर्ताओं के वकील ने दलील दी कि जेकेएम ट्रांजैक्शन कोई अलग-थलग मामला नहीं था, बल्कि यह बैंकों, एआरसी और कॉर्पोरेट उधारकर्ताओं से जुड़े एक बड़े पैटर्न का हिस्सा था।

उन्होंने आरोप लगाया कि हजारों करोड़ रुपए के लोन भारी छूट पर ट्रांसफर किए जा रहे थे, जिससे सरकारी खजाने को भारी नुकसान हो रहा था। जेकेएम मामले का जिक्र करते हुए उपाध्याय ने बताया कि करीब 1,537 करोड़ का कर्ज आखिरकार 73.50 करोड़ में सेटल किया गया था।

मृतक निवेशकों के शेयर-बॉन्ड्स आसानी से वारिसों के नाम होंगे

सेबी ने ट्रांसफर प्रोसेस को सरल बनाया, अब पैन कार्ड की जरूरत भी नहीं होगी

मुंबई। सेबी बोर्ड ने मृतक निवेशकों के नाम पर मौजूद सिक्योरिटीज जैसे- शेयर्स और बॉन्ड्स को उनके कानूनी वारिसों और दावेदारों के नाम पर ट्रांसफर करने की प्रोसेस को आसान बनाने का फैसला किया है। इसके साथ ही रेगुलेटर ने फिजिकल और डीमैट फॉर्म में सिक्योरिटीज रखने वाले दावेदारों के लिए नई कैटेगरीज भी बनाई हैं। सेबी ने उन दावेदारों के लिए एक नई कैटेगरी बनाई है जहां फिजिकल फॉर्म में सिक्योरिटीज की वैल्यू प्रति शेयर 10,000 रुपए से ज्यादा नहीं है। वहीं डीमैट फॉर्म में रखी सिक्योरिटीज के लिए यह लिमिट प्रति शेयर 30,000 रुपए तय की गई है। सेबी ने साफ किया है कि चूंकि सिक्योरिटीज का ट्रांसमिशन डीमैट अकाउंट में किया जाएगा, जिसके लिए अकाउंट खोलते समय पैन देना पहले से ही जरूरी होता है। इसलिए अब ट्रांसमिशन के समय अलग से पैन सबमिट करने की जरूरत नहीं होगी।

स्मॉल-वैल्यू क्लेम की रकम को दोगुना किया

रेगुलेटरी अथॉरिटी ने स्मॉल-वैल्यू क्लेम के अमाउंट को दोगुना कर दिया है। अब फिजिकल शेयर्स के लिए यह सीमा बढ़कर 10 लाख रुपए प्रति शेयर और डीमैट शेयर्स के लिए 30 लाख रुपए प्रति शेयर हो गई है। इसके अलावा बोर्ड ने कई ऐसे उपायों को मंजूरी दी है, जिससे कागजी औपचारिकताएं यानी प्रोसीजरल रिक्वायरमेंट्स कम होंगी और ट्रांसमिशन प्रोसेस आसान होगी। इसके साथ ही, हाल ही में उत्तराधिकार कानूनों यानी सक्सेशन लॉ में हुए बदलावों को देखते हुए वसीयत का प्रोबेट यानी प्रोबेट ऑफ विल प्राप्त करने की अनिवार्य शर्त को भी खत्म कर दिया गया है।

जनरल बोगी में सीट के लिए मर्डर

नई दिल्ली। दिल्ली के शाहदरा रेलवे स्टेशन पर ट्रेन पकड़ने के दौरान हुए विवाद में एक यात्री की जान चली गई। प्लेटफॉर्म नंबर-3 पर योगा एक्सप्रेस में चढ़ने की कोशिश कर रहे एक शख्स को कुछ सह-यात्रियों ने बुरी तरह पीट दिया। गंभीर हालत में पीड़ित को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वारदात के बाद रेलवे पुलिस मामले की जांच कर रही है। यह खौफनाक वारदात शाहदरा रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-3 पर हुई। उत्तर प्रदेश के बागपत के रहने वाले पंकज धामा योगा एक्सप्रेस ट्रेन में चढ़ने की कोशिश कर रहे थे। तभी बोगी के गेट पर मौजूद कुछ अन्य यात्रियों के साथ उनकी कहासुनी हो गई। देखते ही देखते यह मामूली विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। गुस्साए सह-यात्रियों ने पंकज पर धावा बोल दिया।

लोकप्रिय पहले प्रधानमंत्री श्रीमान नरेन्द्र मोदी जी के 12 वर्ष पूर्ण होने योग दिवस एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के लगभग 3 वर्ष पूर्ण होने सहित गृहमंत्री जी अमित भाई शाह जी के प्रयास से नक्सलियों को आत्म समर्पण दिलाये जाने सहित मुख्यधारा से जोड़ने पर मध्यप्रदेश राज्य सर्वप्रथम एण्टी नक्सली होने में मा. डॉ. मोहन यादव जी का सफल प्रयास रहा । धन्यवाद

मा. नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री, भारत सरकार

मा. अमित शाह जी
गृहमंत्री, भारत सरकार

मा. डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, म.प्र.शासन

मा. अश्विनी वैष्णव
रेलमंत्री, भारत सरकार

श्रीमती भारती पारधी जी
मा.संसद सदस्य
बालाघाट

मान. रामकिशोर कावरे जी
जिला अध्यक्ष भाजपा
बालाघाट

मान. राजकुमार कर्राहे जी
विधायक लांजी

शुभेच्छु :-

ओमप्रकाश कुकासे, बालाघाट (म.प्र.)

पूर्व मेम्बर, कन्सलटेटिव कमेटी, पश्चिम मध्य रेल जोन जबलपुर एवं दक्षिण पूर्व मध्य रेल जोन बिलासपुर

गुमठियां तोड़े बीत गए 3 साल, बनाना भूले जिम्मेदार, बदहाल हो रहा गुजरी बाजार काम्प्लेक्स

नगरपालिका का नहीं है व्यवस्थाओं पर ध्यान, खंडहर होने की कगार पर जा पहुंचा सब्जी कॉप्लेक्स, चिल्लर सब्जी विक्रेता संघ ने मरम्मत कराने की करी मांग

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

नगर विकास का दावा करने वाली नगरपालिका का पूर्व में कि गई व्यवस्था पर ध्यान नहीं है जिसके चलते कुछ वर्ष पूर्व कराए गए निर्माण कार्य अब बदहाल होते नजर आ रहे हैं जो धीरे-धीरे खंडहर में तब्दील हो रहे हैं ताजा मामला गुजरी मार्केट का है जहां वर्ष 2013 में नपा द्वारा गुजरी बाजार भवन कांपलेक्स का निर्माण कराया गया था जहां टेंडर प्रक्रिया के तहत चिल्लर सब्जी विक्रेताओं को दुकान लगाने के लिए 61 गुमठी आवंटित की गई थी। वहीं ग्राहकों के आने जाने की व्यवस्था, पार्किंग व विद्युत सुविधा सहित अन्य व्यवस्थाएं बनाई गई थी वही नपा द्वारा एक सुव्यवस्थित गुजरी मार्केट बनाने का दावा किया गया था।लेकिन अब वही गुजरी गुमठी मार्केट बदहाल हो चुका है, जहां बनाई गई ज्यादातर गुमठी दुकानें टूट फूट गई है इसके अलावा वर्ष 2013 के बाद आज तक नपा द्वारा लगाई गई विद्युत व्यवस्था को दुरुस्त नहीं किया गया है वहीं पार्किंग की व्यवस्था ना होने से गुजरी बाजार गुमठी कांप्लेक्स चारों ओर से घेर चुका है वहीं जगह-जगह अतिक्रमण होने से गुमठी मार्केट अतिक्रमण से दब चुका है।हलाकि करीब 3 वर्ष पूर्व नपा द्वारा जीर्ण शीर्ण हो चुके इस काम्प्लेक्स की कुछ गुमठियों को तोड़कर जगह समतल की गई थी।उस समय दावा किया गया था कि जल्द ही नई गुमठियां बनाई जाएगी, वही पूरे काम्प्लेक्स की गुमठियां दोबारा बनाकर दुकानें संचालित करने के किए समस्त व्यवस्था की जाएगी।जहा तोड़ने के बाद जिम्मेदार उन गुमठियों को बनाना भूल गए।कुल मिलाकर कहा जाए तो गुजरी बाजार का गुमठी कॉम्प्लेक्स अपनी बदहाली पर आंसू बहाता नजर आ रहा है जिस पर नगर पालिका का कोई ध्यान नहीं है। जिसे दुरस्त करने की मांग चिल्लर सब्जी विक्रेता संघ के माध्यम से की गई है।

महज 15 गुमठी में लग रहा बाजार,45 गुमठी हो चुकी बदहाल

गुजरी में चिल्लर सब्जी विक्रेताओं के लिए वर्ष 2013 में बनाए गए कांप्लेक्स में नगर पालिका द्वारा सब्जी व्यवसायियों को 61 गुमठी आवंटित की गई थी।जिसमें से अब महज 15 गुमठी में ही दुकानें लग रही है,जबकि 45 से अधिक गुमठी टूट-फूट गई है।जिसके चलते वहां के सब्जी व्यापारी भी अब सड़क किनारे दुकान लगाने के लिए मजबूर हैं जिस पर नपा का अब तक कोई ध्यान नहीं है ना तो नगरपालिका स्वयं गुमठी का पुन: निर्माण कर रही है और ना ही चिल्लर व्यापारियों को गुमठी बनाने की अनुमति दे रही है। जिससे चिल्लर व्यापारी काफी परेशान है।

वही बात अगर पेयजल व्यवस्था की करें तो गुजरी बाजार कांप्लेक्स में सब्जी व्यवसायियों के लिए पेयजल की सुविधा नहीं है।जहां चिल्लर सब्जी व्यापारी जामा मस्जिद पुराने थाने के आगे लगे हैंडपंप से पानी लाने के लिए मजबूर हैं बताया जा रहा है कि वर्ष 2013 में जब कांप्लेक्स का निर्माण कराया गया था उस वक्त नपा द्वारा कांप्लेक्स परिसर में ही बोरिंग खुदवाया गया था जिस पर हैंडपंप लगाकर 24 घंटे पेयजल की सुविधा दिए जाने का वादा किया गया था लेकिन आज तक गुमठी बाजार कांप्लेक्स के व्यापारियों को पेयजल की सुविधा नहीं मिल पाई है।

विद्युत व्यवस्था बदहाल

गुजरी बाजार में बनाए गए कांप्लेक्स में विद्युत व्यवस्था बदहाल हो चुकी है।जहां वर्ष 2013 में की गई वायरिंग को बदलना तो दूर की बात आज तक नगर पालिका ने वर्षो से बंद पड़े बल्ब तक नहीं बदले हैं जिसके चलते सब्जी व्यापारी स्वयं के पैसे खर्च कर बल्ब लगाने के लिए मजबूर है।

पार्किंग की नहीं है व्यवस्था, जगह-जगह गंदगी

गुजरी बाजार कांप्लेक्स में वाहन पार्किंग की सुविधा भी नहीं है जिसके चलते लोग सड़कों पर ही वाहन पार्क कर सब्जी खरीदने के लिए मजबूर हैं इसके अलावा कांप्लेक्स के भीतर व सामने की जगह पर जगह-जगह गंदगी का अंबार लगा है जिसे हटाने की जहमत भी नगरपालिका ने नही उठाई है।

रात में असामाजिक तत्वों और मवेशियों का लगा रहता है डेरा -रौशन सिंह

सब्जी व्यापारी रौशन सिंह ने बताया कि परिसर में दुकान उन्हें वर्ष 2013 में आवंटित की गई थी, उस समय लाइटिंग, पार्किंग ,बोरिंग की व्यवस्था थी अन्य व्यवस्था भी बनाकर देने को कहा गया था, लेकिन आज तक कुछ नहीं हुआ। यहां पर लाइटिंग लगी हुई थी, लेकिन रात में असामाजिक तत्व उस लाइटिंग को तोड़ देते हैं, रात के समय रोजाना आवारा मवेशियों का यहां डेरा जमा रहता है, कचरा वाला सिर्फ बाहर का कचरा लेकर जाता है परिसर के अंदर का कचरा नहीं उठाते, सुबह 8 बजे दुकान लग जाती है लोग अपनी सब्जी फैला कर बैठ जाते हैं, कचरा उठाने के लिए कचरा वाला 10 बजे आता है जिससे उसे काम्प्लेक्स के भीतर आने-जाने की जगह नहीं मिलती, यहां तक की लोग पार्किंग में ही दुकान लगा लेते हैं, हमारी मांग है कि यहां की व्यवस्था में सुधार लाना चाहिए।

आधी रात को तोड़ी गई थी दुकान- राजेश बुरडे

गुजरी बाजार चिल्लर व्यापारी संघ अध्यक्ष राजेश बुरडे ने बताया कि करीब 3 वर्ष पूर्व आधी रात को नगर पालिका वालों ने जेसीबी लाकर क्षतिग्रस्त हुई गुमठियों को तोड़ा था, बोल रहे थे कि व्यवस्थित गुमठी बनाकर देंगे,सामान रखने के लिए जगह बनाई जाएगी, आने-जाने का रास्ता खुलवाया जाएगा, काम्प्लेक्स परिसर के पिछले तरफ से भी रास्ता खोला जाएगा, वही अन्य व्यवस्था बनाने को भी कहा था, लेकिन आज करीब 3 वर्ष गुजर गए अब तक कोई काम शुरू भी नहीं हुआ है। नगर पालिका के अधिकारी आते हैं और देख कर चले जाते हैं,हम कई बार आवेदन निवेदन कर चुके हैं लेकिन कुछ नहीं हुआ, अभी गर्मी में सबसे अधिक समस्या पानी की हो रही है यहां 14 वर्ष पूर्व बोरिंग खुदवाया गया था लेकिन उसमें हैंडपंप नहीं लगाए, विद्युत व्यवस्था भी बदहाल है ,हमारी मांग है कि नगर पालिका ने गुमठी का तत्काल निर्माण कर इस परिसर में सर्व सुविधा देनी चाहिए।

कार्ययोजना बनाई जा रही है- सूर्यप्रकाश उइके

इस पूरे मामले को लेकर दुरभाष पर की गई चर्चा के दौरान मुख्य नगरपालिका अधिकारी सूर्यप्रकाश उइके ने बताया कि गुजरी बाजार काम्प्लेक्स का मामला उनके संज्ञान में है।बीच मे कचरा का उठाव नही हो रहा था, लेकिन अब रोजाना गाड़ी भेजकर कचरा उठवाया जा रहा है।गुमठियों के पुन: निर्माण व अन्य व्यवस्थाओं के लिए बैठक हो चुकी है।गुमठी बनाने पेयजल की व्यवस्था,पार्किंग साफ सफाई सहित अन्य व्यवस्थाओ के लिए कार्ययोजना बनाई जा रही है।जल्द ही इसपर काम शुरू किया जाएगा।

अवैध खनिज परिवहन पर खनिज विभाग की कार्रवाई, हाईवा और ट्रैक्टर जब्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर रोक लगाने के लिए खनिज विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 19 जून 2026 को तहसील बैहर क्षेत्र में खनिज विभाग की टीम ने छापामार कार्रवाई कर अवैध परिवहन में संलिप्त दो वाहनों को जब्त किया। उप संचालक खनिज सुश्री फरहत जहां ने बताया कि कार्रवाई के दौरान ग्राम मलाजखंड में हाईवा वाहन क्रमांक एमपी-50-एच-2755 को खनिज मुरूम का अवैध परिवहन करते हुए पकड़ा गया। उक्त वाहन को आवश्यक कार्रवाई के लिए पुलिस थाना मलाजखंड की अभिरक्षा में रखा गया है। वहीं दूसरी कार्रवाई में ट्रैक्टर क्रमांक एमपी-50-एए-1152 को खनिज रेत का अवैध परिवहन करते हुए पाए जाने पर जब्त कर पुलिस थाना बैहर की अभिरक्षा में रखा गया है।

न्यायालय अपर कलेक्टर जिला बालाघाट, मध्यप्रदेश

ईश्तेहार प्रकाशन

प्रकरण क्रमांक / 0074/बी-121/2026 27
मौजा बालाघाट तहसील बालाघाट
जिला बालाघाट (म.प्र.)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है आवेदक / दत्तकदाता सौरभ सिंह पिता हेमचंद सिंह परिहार एंव श्रीमति सपना पति सौरभ सिंह परिहार दोनों जाति राजपूत निवासीगण वार्ड न0 15 गौली मोहल्ला बालाघाट तहसील व जिला बालाघाट द्वारा अनावेदक / दत्तक ग्रहिता श्रीमति जयश्री पति नरेन्द्र सिंह राजपूत एंव नरेन्द्रसिंह पिता वीरेन्द्र सिंह राजपूत निवासी 54, जे0के0 बिल्डर्स, नाका नंबर 7. राउत नगर खरबी दिघोरी महालजी नगर नागपुर, तहसील व जिला नागपुर महाराष्ट्र को अपनी तीन संतानों में से तृतीय पुत्री आस्था जिसकी उम्र 01 वर्ष 10 माह जन्मतिथि 27/10/2024 को गोद लिये जाने हेतु हिन्दु दत्तक तथा भरण-पोषण अधिनियम, 1956 (1956 का अधिनियम संख्यांक 78)1 के अध्याय 2 में दिये गये उपबंधो के तहत गोदनामा विलेख पंजीयन अंतर्गत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अत: उक्त के संबंध में किसी हितबद्ध पक्षकार को आपत्ति होने पर स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में सुनवाई 30/06/2026 तक आपत्ति प्रस्तुत करते है बाद समयावधि में कोई विचार नही किया जावेगा।

दिनांक / / 2026 को हस्ताक्षर एंव पदमुद्रा से जारी किया गया।

अपर कलेक्टर
जिला बालाघाट(म.प्र.)

In The Court Of Civil Judge Junior Division,Civil Court Lanji,District Balaghat

Presiding Officer- श्री प्रीतम शाह

(आदेश 05 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अंतर्गत प्रकाशन हेतु)

Process Id- 277/2026
पेशी दिनांक- 19/08/2026
प्रकरण क्र. RCS-A/29/2020

ताराबाई उर्फ राधिका बाई (मृत) व अन्य..........वादीगण
विरूद्ध
हीराचंद आसटकर व अन्य.........प्रतिवादीगण

प्रेषिती-
01. राहुल रामटेक्कर वल्द खेमराज रामटेक्कर, उम्र 36 वर्ष,
02. तृप्ती रामटेक्कर पिता खेमराज रामटेक्कर, उम्र 38 वर्ष
03. दिप्ती रामटेक्कर पिता खेमराज रामटेक्कर, उम्र 40 वर्ष
सभी निवासी वार्ड नं. 18 मनेरी फाटक लांजी, तह. लांजी जिला बालाघाट, म.प्र.

इस न्यायालय में लंबित नियमित व्यवहार वाद प्रकरण कं. **RCS-A/29/2020** वादीया व अन्य के द्वारा प्रतिवादीगण हीराचंद आसटकर व अन्य के विरूद्ध अंतर्गत धारा 34 एवं 38 विनिर्दिष्ट अनुतोष अधिनियम का पेश किया है जो सुनवाई हेतु दिनांक **19 अगस्त 2026** को नियत है। उक्त प्रकरण में वादीयां तारा बाई उर्फ राधिका बाई की दिनांक 23.08.2024 को मृत्यु हो जाने पर उसके विधिक वारसानों द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र अंतर्गत् आदेश 22 नियम 03 व्यवहार प्रक्रिया संहिता में यह अभिकथन किया है कि आप मृतिका वादीयां के विधिक प्रतिनिधि है। आप वादीया के विधिक प्रतिनिधि के विरूद्ध स्वयं उपसंजात होने आपके निवासरत पते पर समंस तामिली हेतु साधारण तथा पंजीकृत डाक द्वारा प्रेषित किया गया, परन्तु आप पर समंस निर्वाहित नहीं हो सका।

अत: आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात/ हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होगें तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक है तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें।

यह आज दिनांक **18 जून 2026** को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

नोट:- यदि उक्त दिनांक को न्यायालय अवकाश पर रहे या अवकाश घोषित हो तो इस स्थिति में प्रकरण की सुनवाई आगामी कार्यदिवस में की जावेंगी।

सर्पदंश से 12 वर्षीय बालक की मौत,बैहर के गुरखारी का मामला

जिला अस्पताल में पीएम के बाद सौपा गया शव

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मौसम में बदलाव और समय-समय पर हो रही बे मौसम बारिश व कड़ी धूप के चलते बिलों में छिपे जहरीले जीव जंतु बाहर निकलकर आम जनों को नुकसान पहुँचा रहे हैं।पिछले एक सप्ताह से आए दिनों सामने आ रहे सर्पदंश के इन्हीं मामलों के बीच सर्पदंश का ताजा मामला बैहर थाना क्षेत्र के गांव गुरखारी से सामने आया है।जहां सर्पदंश के चलते 12 वर्षीय उमेश पिता मनोज उइके की जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। बालक को सर्पदंश से पीड़ित होने के बाद बैहर अस्पताल से रिफर पर जिला अस्पताल लाया गया था।शनिवार को मृतक की डॉ. से तहरीर मिलने के बाद अस्पताल चौकी पुलिस ने शव बरामद कर पीएम करवाकर परिजनों को शव सौंप दिया है। अस्पताल चौकी पुलिस ने बताया कि मामले में शून्य पर मर्ग कायम कर डायरी संबंधित थाना को भेजी जाएगी। जहां से मामले की अग्रिम जांच होगी।

बाडी में कर रहे थें साफसफाई- दुधसिंह

मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान मृतक उमेश के दादा दुधासिंह मेरावी ने बताया कि घटना, शुक्रवार की है, परिवार का बड़ा बेटा उमेश अपने छोटे भाई के साथ बाड़ी में बुट्टे लगाने के लिए सफाई का काम कर रहा था। इस दौरान ही एक पतले सांप ने उसकी उंगली में काट दिया। कुछ देर बाद, वहां सूजन आने पर उमेश ने अपनी मां को सांप के काटने की जानकारी दी। जिसके बाद से बैहर अस्पताल ले जाया गया। जहां कुछ समय तक चले ईलाज के बाद, उसकी हालत में सुधार नहीं होने पर, उसे लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। जहां शुक्रवार की रात, उसकी मौत हो गई। बालक उमेश की मौत के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं गांव में मातम पसरा है।

एपीसी बैठक की तैयारियों के लिये कलेक्टर ने ली अधिकारियों की बैठक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खरीफ फसलों के अधिक उत्पादन की प्रगति कों लेकर होने वाली एपीसी की बैठक के लिए कलेक्टर मृणाल मीणा ने 20 जून को कृषि, उद्यानिकी, मत्स्य उद्योग, पशुपालन एवं सहकारी बैंक के अधिकारियों की बैठक लेकर उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश दिये। बैठक में कृषि विभाग के अधिकारी को जिले में मक्का व मूंगफली की फसल में उत्पादकता बढ़ाने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री मीना नें जिले में ड्रीप स्प्रिंकलर सिचाई कों प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। इसके साथ हीं उन्होंनें सभी फसलों के बीजो का बटवारा शीघ्र कराने के निर्देश दिए और कहा की किसानों कों उत्तम किस्म के बीज उपलब्ध होने चाहिए ताकि उन्हें खेती करने में किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। बैठक में समीक्षा के दौरान पाया गया की जिले में किसानों के सीमांकन की कोई जानकारी नहीं है जिस पर कलेक्टर श्री मीना नें नाराजगी जाहिर करते हुए किसानों का सीमांकन शीघ्र कराने के निर्देश दिए। बैठक में उद्यानिकी विभाग की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री मीना नें सम्बॉधित विभागीय अधिकारी कों निर्देश दिए की वे शासन द्वारा संचालित समस्त योजनाओं के लक्ष्यो कों समय सीमा में पूर्ण करें। इस दौरान क्रियान्वयन उद्यानो के क्षेत्रफल की जानकारी की विस्तार से समीक्षा की गयी व आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

कुएं में गिरे दो जंगली सूअरों का सफल रेस्क्यू

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खैरलांजी वन क्षेत्र अंतर्गत ग्राम टेमनी के लोधी टोला में उस समय अफरा तफरी का माहौल बन गया जब किसान उमेंद धुवारे के खेत स्थित कुएं में दो जंगली सूअर अचानक गिर गए। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों ने तुरंत वन विभाग को सूचना दी। सूचना प्राप्त होते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों के सहयोग से रेस्क्यू अभियान शुरू किया। काफी मशक्कत और सूझबूझ के बाद टीम ने दोनों जंगली सूअरों को सुरक्षित कुएं से बाहर निकाल लिया। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान वन विभाग के कर्मचारियों ने पूरी सावधानी बरती, जिससे न तो किसी प्रकार की जनहानि हुई और न ही वन्य प्राणियों को कोई नुकसान पहुंचा।सुरक्षित बाहर निकलते ही दोनों जंगली सूअर जंगल की ओर भाग गए।इस सफल रेस्क्यू अभियान के बाद ग्रामीणों ने वन विभाग की टीम की सराहना करते हुए उनके प्रयास को बेहद सराहनीय बताया।रेस्क्यू ऑपरेशन में इनकी रही मुख्य भूमिकास्थायी कर्मचारी गणेश शरणागत,सुरक्षा कर्मी भानुप्रताप राणा,बाघ मित्र ममलेश्वर लिल्हारे,ग्रामीण सहयोगी पवन नगपुरे, एवन नगपुरे एवं ज्योतिस लिल्हारे के अलावावन विभाग और ग्रामीणों की संयुक्त मेहनत से यह रेस्क्यू अभियान सफल रहा।जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।

महेश पटले के जिला समन्वयक बनने पर हुआ भव्य स्वागत एवं अभिनंदन

पद्मेश न्यूज। बैहर। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद बैहर द्वारा बालाघाट जिले के नव नियुक्त जिला समन्वयक महेश पटले के प्रथम नगर आगमन पर जनपद पंचायत बैहर में भव्य स्वागत एवं अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में परिषद से जुड़े पदाधिकारी, ब्लॉक समन्वयक, परामर्शदाता, प्रस्फुटन समितियों के सदस्य, नवांकुर संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं सामाजिक कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित वक्ताओं ने श्री पटले जी को जिला समन्वयक का महत्वपूर्ण दायित्व मिलने पर शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित की। वक्ताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में परिषद की गतिविधियों को और अधिक गति मिलेगी तथा जनहितकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित होगा। इस अवसर पर मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यक्रमों की जानकारी भी साझा की गई। परिषद द्वारा सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने, नशामुक्ति जागरूकता अभियान, पर्यावरण संरक्षण हेतु वृक्षारोपण, जल संरक्षण, स्वच्छता अभियान, प्रस्फुटन समितियों के क्षमतावर्धन प्रशिक्षण, सामुदायिक नेतृत्व विकास तथा विकसित भारत 2047 के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में उपस्थित सभी साथियों ने जिला समन्वयक श्री महेश पटले के नेतृत्व में परिषद की गतिविधियों को और अधिक प्रभावी एवं जनोन्मुखी बनाने का संकल्प लिया तथा उनके सफल एवं उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से कुंदनसिंह मेरावी, संदीप गजभिये, अभय यादव, साक्षी दुबे, नीलिमा यादव, संदीप बिसेन, आरती टेकाम, रेखा ठाकरे, निकिता यादव, अंजली पटले, सोनिका यादव, अंबिका यादव, ज्योति कुर्वेती, मोनिका ठाकरे, शिवानी शिवहरे, वर्षा खैरवार, विमल भावे, लोकेश सोनवाने सहित अनेक कार्यकर्ता एवं समाजसेवी उपस्थित रहे।

किराये पर उपलब्ध
धनराज कॉम्पलेक्स बालाघाट में प्रथम तल पर दुकानें किराये पर देना है।
महेन्द्र सुराना 94251 38670
ललित बाघरेचा 9424765679

आवश्यकता है
उत्कर्ष कम्पयुटर लालबर्रा में
- कम्प्युटर टीचर्स - 03 पद
- स्टेनो टीचर्स - 02 पद
- टैली टीचर्स - 02 पद
- ऑफिस कार्य - 02 पद

इच्छुक युवक-युवती सम्पूर्ण बॉयोडाटा इंस्टीट्यूट में जमा कर सकते है
वेतन-योग्यतानुसार
पता-उत्कर्ष कम्प्युटर
पंवार समाज भवन के पास, सिवनी रोड बालाघाट
7691909255, 9424663575

आवश्यकता है
आराध्या कम्पयुटर में
- कम्प्युटर टीचर्स - 03 पद
- स्टेनो टीचर्स - 02 पद
- टैली टीचर्स - 02 पद
- ऑफिस कार्य - 02 पद

इच्छुक युवक-युवती सम्पूर्ण बॉयोडाटा इंस्टीट्यूट में जमा कर सकते है
वेतन-योग्यतानुसार
पता-आराध्या कम्प्युटर
मोतीनगर, गौरव पथ रोड, बालाघाट
7691909255, 8889326305

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

आंवलाझरी में नाली सफाई के विवाद में वार्ड पंच और भाई पर उभारी से हमला

एक गंभीर घायल नागपुर रेफर

पड़ोसी समेत तीन आरोपियों पर अपराध दर्ज

भरवेली पुलिस ने शुरू की जांच

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के भरवेली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम आंवलाझरी में नाली की सफाई को लेकर हुए विवाद में तीन लोगों ने वार्ड पंच और उसके भाई पर उभारी से जानलेवा हमला कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल युवक गोपाल पिता दीपक बनोटे 26 वर्ष को जिला अस्पताल से हायर सेंटर रेफर किया गया है जबकि उसके बड़े भाई एवं वार्ड पंच मधुसूदन बनोटे का इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आंवलाझरी निवासी मधुसूदन बनोटे खेती-किसानी करते हैं और वार्ड नंबर 15 के पंच हैं। दो दिन पहले गांव के सरपंच अशोक लिल्हारे गांव आए थे। तब मधुसुदन ने उनसे घर के सामने की नाली साफ करवाने का आग्रह किया था। 19 जून की रात करीब 11 बजे मधुसूदन ने पड़ोस में रहने वाले मनोज नगपुरे से पूछा कि वह अपने घर के सामने की नाली की सफाई क्यों नहीं करवाने देते। इस बात पर मनोज भड़क गया और गाली-गलौज करने लगा। मधुसूदन के मना करने पर वह और आवेश में आ गया इसी दौरान मनोज के चचेरे भाई अक्षय नगपुरे और अजय नगपुरे उभारी लेकर पहुंचे गये और तीनो नर मधुसूदन पर हमला कर उसे उभारी से मारपीट करने लगे। चिल्लाने की आवाज सुनकर मधुसूदन का छोटा भाई गोपाल बनोटे बीच-बचाव करने आया तो तीनों आरोपियों ने उस पर भी उभारी से बेरहमी से वार कर दिए। हमलावरों ने दोबारा नाली की बात करने पर जान से मारने की धमकी भी दी। हमले में दोनों भाइयों के हाथ, पैर, सिर और जांघ में गंभीर चोटें आई। गोपाल की हालत ज्यादा नाजुक बताई जा रही है। घटना की सूचना पर डायल 112 मौके पर पहुंची और घायल गोपाल को जिला अस्पताल पहुंचाया। वहीं मधुसूदन अपने साथी के साथ भरवेली थाने रिपोर्ट दर्ज कराने पहुंचे। पुलिस ने घायल गोपाल का बयान लेकर उसे भी अस्पताल में भर्ती कराया। हालत गंभीर होने पर गोपाल को नागपुर हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। भरवेली पुलिस ने आरोपी मनोज नगपुरे, अक्षय नगपुरे और अजय नगपुरे के खिलाफ अश्लील गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। गोपाल बनोटे का इलाज नागपुर में चल रहा है, जबकि मधुसूदन बनोटे जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती हैं।

बरसात से पहले नहीं बन पाएंगे सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, गंदे पानी की निकासी बनी चुनौती, रफ्तार धीमी

35 करोड़ की लागत से शहर में बनने हैं चार एसटीपी, कई स्थानों पर अब तक नहीं मिली भूमि, बरसात से पहले बढ़ी चिंता

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

शहर के नालों और सीवेज के गंदे पानी को शुद्ध कर नदियों एवं तालाबों में छोड़ने की महत्वाकांक्षी योजना फिलहाल अधूरी नजर आ रही है। बालाघाट नगर पालिका क्षेत्र में करोड़ों रुपये की लागत से चार सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) बनाए जा रहे हैं, लेकिन बरसात शुरू होने से पहले इनके पूरा होने की संभावना नहीं है। ऐसे में इस वर्ष भी शहर का गंदा पानी सीधे जल स्रोतों तक पहुंचने की आशंका बनी हुई है। जानकारी के अनुसार जिले की विभिन्न नगरीय निकायों में कुल छह वाटर एवं सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट प्रस्तावित हैं, जिनमें से चार का निर्माण बालाघाट नगर पालिका क्षेत्र में किया जा रहा है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य शहर से निकलने वाले गंदे पानी का शोधन कर उसे पर्यावरण के अनुकूल बनाना है, ताकि नदियों और तालाबों को प्रदूषण से बचाया जा सके। बताया जा रहा है कि कुछ स्थानों पर नगर पालिका ने पानी की निकासी का रुख सीधे तालाबों और नदियों की ओर मोड़ दिया है, जबकि शोधन संयंत्र अभी चालू नहीं हुए हैं। इससे पर्यावरणीय प्रभाव को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। वहीं प्रधानमंत्री आवास क्षेत्र के पास निर्माणाधीन सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट इन दिनों सबसे अधिक चर्चा में है। इसके अलावा कुछ अन्य प्रस्तावित प्लांटों के लिए नगर पालिका को अब तक उपयुक्त भूमि भी उपलब्ध नहीं हो सकी है, जिसके कारण परियोजनाओं की प्रगति प्रभावित हो रही है।

शहर के नालों और सीवेज से निकलने वाले गंदे पानी को शुद्ध कर तालाबों और नदियों में छोड़ने के उद्देश्य से शुरू की गई सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) परियोजना फिलहाल कई चुनौतियों से जूझती नजर आ रही है। करोड़ों रुपये की इस महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य शहर के जल स्रोतों को प्रदूषण से बचाना और सीवेज के पानी का वैज्ञानिक तरीके से उपचार करना है, लेकिन निर्माण कार्य की धीमी गति और कई स्थानों पर भूमि उपलब्ध नहीं होने के कारण परियोजना तय समय से पीछे चलती दिखाई दे रही है। जिले की विभिन्न नगरीय निकायों में कुल छह सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट बनाए जाने हैं, जिनमें से चार प्लांट अकेले बालाघाट नगर पालिका क्षेत्र में प्रस्तावित हैं। इन चार प्लांटों के निर्माण पर लगभग 35 करोड़ रुपये खर्च किए जाने हैं। योजना के तहत शहर के अलग-अलग क्षेत्रों से निकलने वाले गंदे पानी और नालों के बहाव को एकत्रित कर उसका शुद्धिकरण किया जाएगा और उसके बाद ही उसे तालाबों अथवा नदियों में छोड़ा जाएगा। नगर पालिका द्वारा भटेरा रेलवे क्रॉसिंग पर बन रहे ओवरब्रिज क्षेत्र से गौरीशंकर नगर होते हुए वैनगंगा नदी तक पहुंचाने की योजना बनाई गई है। इसके लिए एचपी साइड क्षेत्र में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण प्रस्तावित है, ताकि नदी में जाने वाले पानी का पहले उपचार किया जा सके। हालांकि मौके की स्थिति देखें तो यहां भी निर्माण कार्य अभी शुरुआती चरण में ही बताया जा रहा है और प्लांट पूरी तरह तैयार होने में अभी समय लग सकता है। स्थिति और अधिक चिंताजनक इसलिए भी है क्योंकि शहर के अन्य प्रस्तावित प्लांटों के लिए अब तक भूमि ही तय नहीं हो सकी है। करक समता तालाब क्षेत्र में बनाए जाने वाले एसटीपी के लिए अभी भूमि चयन की प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है। वहीं मोती नगर और कोसमी क्षेत्र में बनने वाले प्लांटों के लिए भी नगर पालिका को उपयुक्त जमीन नहीं मिल पाई है। इसके कारण इन स्थानों पर निर्माण कार्य शुरू होना तो दूर, प्रारंभिक प्रक्रिया भी अधूरी पड़ी हुई है। मैकेनिक नगर क्षेत्र में भी परियोजना भूमि संबंधी विवादों और प्रशासनिक अड़चनों के कारण प्रभावित हो रही है। यहां प्रस्तावित कार्य अभी अधूरा पड़ा हुआ है और नगर पालिका को आवश्यक जमीन उपलब्ध नहीं हो सकी है। ऐसे में करोड़ों रुपये की यह परियोजना कागजों से निकलकर धरातल पर पूरी तरह कब उतरेगी, यह बड़ा सवाल बन गया है। बरसात का मौसम शुरू होने की दहलीज पर खड़ा है और ऐसे समय में यह मुद्दा और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। यदि ट्रीटमेंट प्लांट समय पर तैयार नहीं होते हैं तो शहर के नालों और सीवेज का गंदा पानी सीधे नदी और अन्य जल स्रोतों में पहुंच सकता है। पर्यावरण विशेषज्ञों का मानना है कि बिना उपचारित पानी के जल स्रोतों में जाने से प्रदूषण बढ़ने के साथ-साथ स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी उत्पन्न हो सकती हैं। स्थानीय लोगों का भी कहना है कि नगर पालिका को पहले जमीन संबंधी समस्याओं का समाधान करना चाहिए था, ताकि निर्माण कार्य समय पर शुरू हो पाता। अब जबकि बरसात नजदीक है, ऐसे में परियोजना की धीमी गति को लेकर चिंता बढ़ने लगी है। लोगों का मानना है कि यदि यह योजना पूरी तरह लागू हो जाती है तो शहर के तालाबों और नदियों को काफी हद तक प्रदूषण से बचाया जा सकेगा।

कुछ स्थानों पर निर्माण कार्य प्रारंभ हो चुका है- सूर्यप्रकाश उके

इस पूरे मामले में प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्यप्रकाश उके ने बताया कि सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट परियोजना पर कार्य जारी है। कुछ स्थानों पर निर्माण कार्य प्रारंभ हो चुका है, जबकि अन्य स्थानों के लिए नगर पालिका की तकनीकी टीम उपयुक्त भूमि तलाशने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि यह एक बड़ी परियोजना है और इसे चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा। साथ ही उन्होंने भरोसा दिलाया कि नगर पालिका परियोजना को जल्द पूरा करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

झंझागी में तथागत सम्यक सम्बुद्ध व परम् पूज्य डॉ. बाबा साहब अंबेडकर जी की प्रतिमा का हुआ अनावरण

पद्मेश न्यूज। कटंगी। तहसील मुख्यालय कटंगी से 12 किमी दूर स्थित ग्राम पंचायत झंझागी में जीवन वाती मां सार्वजनिक बुद्ध विहार समिति झंझागी के तत्वावधान में परम पूज्य डॉ. बाबा साहब अंबेडकर के द्वारा स्थापित समता सैनिक दल के 100वें वर्षगांठ के अवसर पर बुद्ध विहार का लोकार्पण एवं सम्यक सम्बुद्ध व आधुनिक बुद्ध परम पूज्य डॉ. बाबा साहब अंबेडकर जी की प्रतिमा का अनावरण किया गया।कार्यक्रम के प्रारंभ पूज्य भदंत धम्म तप अधिवक्ता डॉ. संजय खोबरागड़े संजय बोरकर दानदाता इंजीनियर डॉ. बीएल चौहान के हस्ते बुद्ध विहार का लोकार्पण व तथागत सम्यक संबुद्ध तथा परम पूज्य डॉ. बाबा साहब अंबेडकर जी की प्रतिमा अनावरण व भिक्षु निवास का उद्घाटन किया गया। तत्पश्चात पूज्य भंते धम्म तप ने पूजा वंदना करवाई आयोजन समिति ने सभी आमंत्रित अथितियों का स्वागत किया।कार्यक्रम में सुनील डोंगरे ने बुद्ध अंबेडकर मिशन पर बेहतरीन गीत की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में मंचीय उद्बोधन में बतौर मुख्य वक्ता दीपांशी बौद्ध आयु 13 वर्ष ने अपने उद्बोधन में समूचे समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि संविधान निर्माता परम पूज्य डॉ. बाबा साहब अंबेडकर जी यदि भारतीय संविधान की रचना न करते तो शायद मुझ जैसी बच्ची को उद्बोधन करने का अवसर प्राप्त न होता। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सौम्य मेश्राम आयु 14 वर्ष ने अपने चिरपरिचित से अंदाज में कहा कि संतों, महापुरुषों के आंदोलन से ही समाज में सामाजिक धार्मिक राजनीतिक परिवर्तन संभव है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संजय बोरकर ने अपने उद्बोधन में कहा कि बुद्ध विहार का प्रबंधन में बहुजन समाज के लोगों को समाहित करना चाहिए। कार्यक्रम के उद्घाटक पूज्य भदंत धम्म तप ने कहा कि तथागत सम्यक संबुद्ध व परम पूज्य डॉ. बाबा साहब अंबेडकर जी का मिशन शीलवान निष्ठावान समर्पित लोगों से ही संभव है। दानदाता इंजीनियर डॉ. बीएल चौहान ने अपने उद्बोधन में कहा कि संपन्न लोगों को दान देना चाहिए।कार्यक्रम में भिक्षु निवास का उद्घाटन कार्यक्रम के उद्घघाटक पूज्य भदंत धम्म तप, कार्यक्रम अध्यक्षता अधिवक्ता डॉ. संजय खोबरागड़े जिला अध्यक्ष बालाघाट जिला बौद्ध संघ बालाघाट, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संजय बोरकर (बामसेफ) दिल्ली, विशेष अतिथि दलित मेश्राम अध्यक्ष तहसील बौद्ध संघ तिरोड़ी, कपिल मेश्राम सभापति नगर परिषद कटंगी, महेंद्र हिरकने तहसील अध्यक्ष बालाघाट जिला बौद्ध संघ तहसील शाखा कटंगी, संजय शेंडे अध्यक्ष डॉ. अंबेडकर जयंती समारोह कटंगी, भोजराज वासनिक सामाजिक धार्मिक कार्यकर्ता, डीडी गजभिए नगर अध्यक्ष जिला बौद्ध संघ कटंगी, रामचंद्र मेश्राम सामाजिक धार्मिक कार्यकर्ता, यशवंत गणवीर सचिव परम् पूज्य डॉ. बाबा साहब अंबेडकर सार्वजनिक जयंती समारोह कटंगी, चन्द्रप्रभा युवराज वाघाडे सरपंच ग्राम पंचायत झंझागी के विशेष आतिथ्य में संपन्न हुआ।

समस्त कार्य समाज हित में किया जाना चाहिए- खोबरागड़े

कार्यक्रम के अध्यक्ष अधिवक्ता डॉ. संजय खोबरागड़े जिला अध्यक्ष बालाघाट जिला बौद्ध संघ बालाघाट ने अपने उद्बोधन में कहा कि परम पूज्य डॉ. बाबा साहब अंबेडकर जी ने अपने जीवन में अर्जित आय से दिल्ली में डॉ. अंबेडकर भवन बनवाया। पीपुल्स एजुकेशन सोसायटी स्थापित कर सिद्धार्थ और मिलिंद कालेज की स्थापना की। बालाघाट जिले के इतिहास में ये इबारत स्वर्ग अक्षरो से अंकित होगी कि डॉ. बीएल चौहान सेवानिवृत्त कार्यपालन अभियंता के द्वारा सेवानिवृत्त होने के उपरांत प्राप्त राशि से भव्य बुद्ध विहार का निर्माण करवाया व तथागत सम्यक संबुद्ध व परम पूज्य डॉ. बाबा साहब अंबेडकर जी की प्रतिमा क्रय कर स्थापित किया है। उन्होंने बताया कि समाज में सामाजिक धार्मिक राजनीतिक संगठनों के लोग चंदों से अपना निजी स्वार्थ साधते है। जबकि उक्त धन समाज हित में किया जाना चाहिए। बुद्ध अंबेडकर मिशन धन अर्जित करने का माध्यम नहीं वरन त्याग समर्पण व दान बलिदान की आवश्यकता है। आभार प्रदर्शन महेंद्र हिरकने ने किया। मंचीय उद्बोधन उपरांत रात्रि 10 बजे राखी ताज की बेहतरीन कव्वाली संपन्न हुई।

जिला स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का समापन आज

150 खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम, विजेताओं को ट्रॉफी और नगद पुरस्कार से किया जाएगा सम्मानित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने और बैडमिंटन खेल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का समापन रविवार को होगा। 20 से 21 जून तक आयोजित इस प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से लगभग 150 खिलाड़ियों ने हिस्सा लेकर अपने खेल कौशल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का आयोजन शनिवार को नगर के अंबेडकर चौक स्थित वैनगंगा क्लब में किया गया।जिसके पहले दिन शनिवार को खिलाडियों के बीच रोमांचक मुकाबले देखने को मिले, जहां अंडर 9, अंडर 11,अंडर 13,15 17 और मेन्स की प्रतियोगिताए कराई गई।रविवार को विजेता खिलाड़ियों के बीच फाइनल मुकाबला कराकर,पुरस्कार वितरण के साथ प्रतियोगिता का समापन किया जाएगा।

नेशनल प्लेयर और अंपायर ने खिलाड़ियों को सिखाई खेल की बारीकियां

आयोजित इस जिला स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों और खेल प्रेमियों का ध्यान आकर्षित किया।प्रतियोगिता के दौरान राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी अमित उइके एवं राष्ट्रीय अंपायर रूपेश मिश्रा ने खिलाड़ियों के खेल का अवलोकन किया। उन्होंने खिलाड़ियों को तकनीकी जानकारी देने के साथ ही उनके खेल में सुधार के लिए आवश्यक सुझाव भी दिए। दोनों खेल विशेषज्ञों ने कहा कि ग्रामीण एवं जिला स्तर पर इस प्रकार की प्रतियोगिताएं खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करती हैं।आयोजकों ने बताया कि प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य बच्चों और युवाओं में खेलों के प्रति रुचि बढ़ाना तथा बैडमिंटन को जिले में नई पहचान दिलाना है। रविवार को प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबलों के बाद विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी एवं नगद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा।

जन्मदिन मनाकर लौट रहे युवक पर चचेरे भाई ने किया हमला

बांस से डंडे से मारपीट कर किया घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वारासिवनी रोड स्थित ग्राम गर्रा के मशीन टोला में आपसी रंजिश के चलते एक व्यक्ति पर उसी के चाचा के बेटे ने अपने साथी के साथ मिलकर हमला कर दिया और उसे बांस के डंडे से मारपीट कर घायल कर दिया। हमले में घायल व्यक्ति पंकज पिता काशीराम बारेकर 37 वर्ष ग्राम डोंगरिया थाना वारासिवनी निवासी को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार पंकज बारेकर की ग्राम डोंगरिया में सरदार पटेल कॉलेज के सामने चाय-नाश्ते की दुकान है। पंकज का उसके चाचा के बेटे विशाल बारेकर से पुराना विवाद चल रहा है। विवाद के चलते रंजिश बनी हुई थी ।बताया गया है कि 19 जून को पंकज अपने साथी अंकित चौधरी का जन्मदिन मनाने बाइक से बालाघाट मोती तालाब गार्डन आया था। जन्मदिन मनाने के बाद रात में दोनों डोंगरिया लौट रहे थे। तभी ग्राम गर्रा के मशीन टोला में विशाल बारेकर ने अपने दोस्तों के साथ उन्हें रोका और पंकज पर हमला कर उसे बांस के डंडे से मारपीट कर दिया और जान से मारने की धमकी भी दी। अंकित चौधरी ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया।घायल पंकज परिजनों के साथ रिपोर्ट दर्ज कराने वारासिवनी थाना पहुंचा। लेकिन घटनास्थल बालाघाट क्षेत्र का होने के कारण पुलिस ने उसे कोतवाली जाने की सलाह दी। इसके बाद परिजन पंकज को लेकर जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचे जहां उसे भर्ती किया गया।अस्पताल चौकी पुलिस ने पंकज का बयान दर्ज कर मामला आगे की कार्रवाई के लिए कोतवाली थाना भेज दिया है।

प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को मिली घर की सौगात, 18 परिवारों को सौंपी गई आवासों की चाबियां

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शासन के निर्देशानुसार नगर पालिका परिषद बालाघाट के सभागार में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत एएचपी (अफोर्डेबल हाउसिंग इन पार्टनरशिप) एवं बीएलसी (बेनिफिशियरी लेड कंस्ट्रक्शन) घटक के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पात्र हितग्राहियों को नवनिर्मित आवासों का आवंटन किया गया तथा पूर्ण हो चुके आवासों में गृह प्रवेश कराया गया।

कार्यक्रम के दौरान एएचपी घटक अंतर्गत निर्मित आवासों की 18 हितग्राहियों को चाबियां एवं आवंटन पत्र प्रदान किए गए। वहीं बीएलसी योजना के तहत कच्चे मकानों को पक्का बनाने वाले हितग्राहियों के आवास निर्माण कार्य पूर्ण होने पर उनका गृह प्रवेश संपन्न कराया गया।

इस अवसर पर नगर पालिका परिषद बालाघाट के उपाध्यक्ष योगेश बिसेन, लोक निर्माण सभापति कमलेश पांचे, मनोनीत पार्षद गजेंद्र भारद्वाज, प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्यप्रकाश ऊके, उपयंत्री सुमित मोटवानी, सुश्री शील भलेवार सहित नगर पालिका के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपाध्यक्ष श्री योगेश बिसेन ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से जरूरतमंद परिवारों को पक्के आवास उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने हितग्राहियों से समय पर आवास निर्माण कार्य पूर्ण करने का आग्रह करते हुए कहा कि इससे उन्हें आगामी किस्तों का भुगतान शीघ्र प्राप्त हो सकेगा। उन्होंने यह भी कहा कि हितग्राही पहली किस्त की राशि का उपयोग केवल आवास निर्माण कार्य में ही करें तथा अन्य कार्यों में राशि खर्च न करें।

कार्यक्रम के अंत में लोक निर्माण सभापति श्री कमलेश पांचे ने उपस्थित हितग्राहियों एवं अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में हितग्राहियों ने पक्का आवास मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए शासन की इस जनकल्याणकारी योजना के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

पानी टंकी बनकर तैयार पर शुरू नहीं, एक दिन छोड़कर मिल रहा पानी, छिंदलई के ग्रामीण परेशान

लाखों की लागत से बनी टंकी को नल-जल योजना की पाइपलाइन से नहीं जोड़ा गया, सड़क विभाग से अनुमति न मिलना बनी वजह, ग्रामीणों में आक्रोश

पानी टंकी को नल-जल योजना की मुख्य पाइपलाइन से जोड़कर नियमित रूप से पानी प्रदाय करने की उठी मांग

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत छिंदलई के छिंदलईटोला में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग द्वारा लाखों रूपये की लागत से पानी टंकी का निर्माण तो करा दिया गया है, लेकिन इसका लाभ स्थानीय ग्रामीणों को नहीं मिल पा रहा है। टंकी पूरी तरह बनकर तैयार है, लेकिन विभागीय उदासीनता के चलते इसे अब तक नल-जल योजना की मुख्य पाइपलाइन से नहीं जोड़ा गया है। जिसके कारण ग्रामीणों को आज भी पुरानी व्यवस्था के तहत जाम की पानी टंकी से एक दिन के अंतराल (आल्टरनेट डे) में पानी मिल रहा है। वहीं एक वार्ड के कुछ ग्रामीण तो ऐसे हैं जिन्हें लंबे समय से नल-जल योजना का पानी नसीब ही नहीं हुआ है, जिससे उन्हें भीषण जल संकट का सामना करना पड़ रहा है। जबकि पीएचई विभाग को पानी टंकी का निर्माण हो चुका है तो उसे मुख्य पाइपलाइन से जोड़कर ग्रामीणजनों को नियमित रूप से नल-जल योजना का पानी प्रदाय किया जाना चाहिए। लेकिन ऐसा नही किया जा रहा है जिससे ग्रामीणजनों में प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है।

गुणवत्ता पर उठे थे सवाल, अब अनुमति का पेंच

उल्लेखनीय है कि छिंदलई के छिंदलईटोला की इस पानी टंकी के निर्माण कार्य के दौरान पूर्व में अनियमितता बरतने के आरोप लगे थे। टेस्टिंग के दौरान टंकी से पानी रिसने (लीकेज) का मामला भी सामने आया था, हालांकि जिम्मेदार अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों का दावा है कि निर्माण कार्य पूरी तरह गुणवत्तापूर्ण किया गया है। अब टंकी तैयार होने के बाद एक नया पेंच फंस गया है। बताया जा रहा है कि नई टंकी को मुख्य लाइन से जोड़ने के लिए सड़क खोदकर पाइपलाइन बिछानी है, जिसके लिए सड़क विभाग अनुमति नहीं दे रहा है। विभागों के इसी आपसी तालमेल की कमी के कारण काम अधर में लटका हुआ है। वहीं सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि छिंदलई वैनगंगा नदी में बने इंटकवेल से पानी जाम के जल शोधन केंद्र (फिल्टर प्लांट) में जाता है, जहां से लालबर्रा जनपद पंचायत क्षेत्र की 77 ग्राम पंचायतों को शुध्द पानी सप्लाई किया जाता है। लेकिन जिस ग्राम (छिंदलई) से इस पूरी जल योजना का संचालन हो रहा है, उसी ग्राम के लोग नियमित पानी के लिए तरस रहे हैं। वहीं लाखों रूपये खर्च होने के बाद भी पानी की समस्या जस की तस बनी रहने से ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि जब समस्या के समाधान के लिए टंकी बनाई गई है, तो उसे तत्काल शुरू किया जाना चाहिए। ग्रामीणजनों ने पीएचई विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि सड़क विभाग से समन्वय बनाकर जल्द से जल्द पाइपलाइन को नई टंकी से जोड़ा जाये और ग्रामीणों को नियमित रूप से शुध्द पेयजल प्रदाय करें।

टंकी शुरू हो जाने से पानी की समस्या हो जायेगी दूर - भीमराव

छिंदलई सरपंच प्रतिनिधि भीवराम मानेश्वर ने बताया कि पीएचई विभाग के द्वारा लाखों रूपयों की लागत से छिंदलईटोला में नवीन पानी टंकी का निर्माण कार्य किया गया है जिसका कार्य पूर्ण हो चुका है। किन्तु निर्माण कंपनी के ठेकेदार का कहना है कि सड़क क्रास कर मुख्य पाइपलाइन से टंकी को जोड़ना है लेकिन पीडब्ल्यूडी विभाग के द्वारा रोड क्रास हेतु अनुमति नही दी जा रही है जिस कारण से दोनों तरफ के सॉकिट जोड़ने काम अभी बाकी है। कल पुन: इसी बात पर ठेकेदार से चर्चा हुई तो उन्होने आश्वास्त किया है कि वे जल्द ही सॉकिट जोड़ने यानि की पाइपलाइन को नवीन टंकी से जोड़ने का कार्य कर दिया जायेगा। श्री मानेश्वर ने बताया कि टंकी बनने के बाद जब से पाइपलाइन की खुदाई हुई है तब से छिंदलईटोला क्षेत्र के कुछ घरों में पानी नहीं पहुंच पा रहा है। इस नवीन टंकी से पूरे छिंदलई पंचायत क्षेत्र में पानी की सप्लाई की जानी है। वर्तमान में जाम की पानी टंकी से ग्रामीणजनों को नल-जल योजना का पानी मिल रहा है वह भी एक दिन छोड़कर मिलता है और यह पिछले पंचवर्षीय कार्यकाल से ही चली आ रही है। आगे बताया कि नवीन पानी टंकी की जिस समय टेंस्टिग की जा रही थी तब मैं मौके पर उपस्थित नही था, लेकिन समाचार अखबारों से माध्यम से जानकारी लगी थी कि पानी रिस रहा है। जबकि टंकी की सही टेंस्टिंग मोटर चलाकर पूरी टंकी भरने के बाद ही संभव है। हमारे द्वारा समय-समय पर निर्माण स्थल का दौरा किया है और ठेकेदार को गुणवत्तापूर्ण काम करने कहा भी गया है एवं ठीक तरीके से काम भी करवाया गया है। साथ ही नवीन पानी टंकी को नल-जल योजना की मुख्य लाइन से दो-चार दिनों में जोड़ने की बात ठेकेदार के द्वारा कही गई है। जिसके बाद नई टंकी से ग्रामीणजनों को नल-जल योजना का पानी नियमित रूप से प्रदाय किया जायेगा।

लालबर्रा सांदीपनी स्कूल में सामूहिक योग कार्यक्रम आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। मध्यप्रदेश में आज 21 जून को बारहवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पूरे उत्साह के साथ मनाया जायेगा। इस अवसर पर प्रदेश की सभी शिक्षण संस्थाओं में सामूहिक योग प्रदर्शन कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। लोक शिक्षण संचालनालय

तथा समग्र शिक्षा अभियान मध्यप्रदेश द्वारा इस संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश और समय-सारणी जारी कर दी गई है। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की मुख्य थीम 'स्वस्थ आयु के लिए योग' निर्धारित की गई है। इसी कड़ी में नगर मुख्यालय स्थित सांदीपनी (उत्कृष्ट) विद्यालय लालबर्रा में 12 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को प्रात: 6 बजे से सामूहिक योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। चर्चा में सांदीपनी (उत्कृष्ट) उमावि. लालबर्रा के योग शिक्षिका शारदा मेश्राम ने बताया कि 12 वे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को प्रात: 6 बजे से 7.45 बजे तक सामूहिक योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसमें प्रात 6 बजे से पूर्व शिक्षण संस्थाओं में विद्यार्थियों एवं अन्य प्रतिभागियों की उपस्थिति, अतिथियों का आगमन, प्रात: 6 से 6.30 बजे तक अतिथियों का उद्बोधन, प्रात: 6.30 बजे से कोलकाता से राष्ट्रीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण, प्रात: 6.45 बजे से माननीय प्रधानमंत्री जी का राष्ट्र के नाम उद्बोधन, प्रात: 7 बजे से 7.45 बजे तक सामान्य योग प्रोटोकॉल के अनुसार सामूहिक योगाभ्यास किया जायेगा। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं एवं गणमान्य नागरिकों से समय पर स्कूल पहुंचकर सामूहिक योग कार्यक्रम का लाभ लेने की अपील प्रभारी प्राचार्य सनत दुबे, योग शिक्षिका शारदा मेश्राम ने की है।

रमपुरी से घटोलगांव पहुंच मार्ग खराब, आवागमन में हो रही परेशानी

ग्रामीणजन एवं राहगीरों ने सड़क का मरम्मत कार्य करवाने की प्रशासन से की मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 7 किमी. दूर ग्राम पंचायत रमपुरी से घटोलगांव पहुंच मार्ग खराब होने एवं जगह-जगह से डामर उखड़ जाने के कारण आने-जाने वालों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही कुछ स्थानों पर मार्ग के बीच में गड्डे भी बन गये है और गड्डे में दुपहिया वाहन जाने से हर समय दुर्घटना घटित होने की संभावना बनी हुई है। वहीं लंबे समय से ग्रामीणजन एवं राहगीरों के द्वारा खराब सड़क का मरम्मत कार्य करवाने की मांग कर रहे है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे ग्रामीणजनों एवं राहगीरों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणजन एवं राहगीरों ने शासन-प्रशासन से रमपुरी से घटोलगांव पहुंच मार्ग का जल्द मरम्मत कार्य करवाने की मांग की है ताकि आने-जाने में हो रही परेशानियों से

निजात मिल सके। आपकों बता दे कि ग्राम पंचायत रमपुरी से घटोलगांव पहुंच मार्ग का निर्माण प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क विभाग के द्वारा विगत वर्ष पूर्व किया गया है। लेकिन निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण नही होने के कारण सड़क का खस्ताहाल हो चुका है एवं जगह-जगह से डामर उखड़ गये है। साथ ही कुछ स्थानों पर गड्डे बन गये है। जिसके कारण मार्ग से आने-जाने वालों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि यह मार्ग रमपुरी से घटोलगांव होते हुए नेवरगांव ला. से छिंदलई-लामता हाईवे मार्ग को जोड़ता है और इस मार्ग से आधा दर्जन से अधिक ग्रामों के ग्रामीणजन आवागमन करते है। लेकिन सड़क खराब होने से सभी को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है इसलिए ग्रामीणजन एवं राहगीरों ने शासन-प्रशासन से बरसात के पूर्व रमपुरी से घटोलगांव पहुंच मार्ग का मरम्मत कार्य करवाने की मांग की है ताकि आने-जाने में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

महाविद्यालय में पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशों के परिपालन में नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में शनिवार को पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य डॉ. संगीता मेश्राम की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। इस विश्व पर्यावरण दिवस एवं अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस अभियान के अन्तर्गत आयोजित पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास पर एन.एस.एस. प्रभारी डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे ने विद्यार्थियों को जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता एवं संरक्षण पर महत्वपूर्ण विस्तार से जानकारी प्रदाय किये। साथ ही उन्होंने बताया कि सत्त विकास से ही वर्तमान पीढ़ी की आवश्यकताओं की पूर्ति करते हुए भविष्य की पीढ़ियों के हितों की रक्षा किया जा सकता है। महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य डॉ. संगीता मेश्राम ने अपने व्याख्यान में प्लास्टिक का प्रयोग बंद करने एवं अपने-अपने घरों में पेड़ लगाने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया। इस कार्यशाला में छात्र शरद सोनी ने कविता के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण पर महत्वपूर्ण जानकारी दी। इस महत्वपूर्ण व्याख्यान को सफल बनाने में डॉ. देवराज चौरे, नरेश सौलाखे, श्रीमती भूमेश्वरी ठाकरे, श्रीमती संध्या भलावे, डॉ. आशा कारे, श्रीमती अनिभा शरणागत, दीपक अहिरवार, यादोराव राजुरकर, श्रीमती सरिता एड़े, रामदयाल मथारे, लकेश गेडाम, श्रीमती वंदना कुर्वे, मिनेश पंचेश्वर, प्रशिक हुमनेकर, निशांत तलवरे एवं विद्यार्थियों का सराहनीय योगदान रहा।

मांझापुर सरपंच ने 4 हितग्राहियों को अंत्येष्टि सहायता राशि का किया वितरण

पद्मेश न्यूज। बेहरई/लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत मांझापुर के 4 व्यक्तियों का गत दिवस मृत्यु हो गई

थी। शुक्रवार को मृत व्यक्तियों के परिजन को ग्राम पंचायत मांझापुर सरपंच श्रीमती रूखमणी मर्सकोले के द्वारा 5-5 हजार रूपये की अंत्येष्टि सहायता राशि प्रदान की गई है। ग्राम पंचायत मांझापुर सरपंच श्रीमती रूखमणी मर्सकोले ने बताया कि ग्राम के 4 व्यक्तियों का गत दिवस मृत्यु होने के उपरांत शासन से मिलने वाली मुख्यमंत्री जन कल्याण (संबल योजना के अंतर्गत) अंत्येष्टि सहायता योजना के तहत मृत व्यक्तियों के परिजन मनीष बिसेन, सीताराम मेहरबान, किर्तन भगत, मीना देशमुख को 5-5 हजार रूपये की राशि प्रदान की गई है। साथ ही शासन की अन्य योजनाओं का भी लाभ दिलवाया जायेगा। इस अवसर पर श्रीमती रूखमणी मर्सकोले सरपंच, घनश्याम चौधरी उपसरपंच, रंजना तिवारी सचिव, नितिन मेहरबान रोजगार सहायक, दीपक चौहान पंच, मनोज बिसेन सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

वारासिवनी में अवैध रेत परिवहन ने ली १४ वर्षीय मासूम की जान

पुलिस को गुमराह करने की कोशिश नाकाम ,सोमू शुक्ला ,शशांक दुबे एवं अन्य पर गैरइरादतन हत्या का अपराध दर्ज

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वार्ड नंबर ६ अंतर्गत वारासिवनी लालबर्रा मार्ग पर स्थित गायत्री मंदिर के पास शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात एक हृदयविदारक हादसा सामने आया है। टोंडिया नाले से अवैध रेत का परिवहन कर रहे एक ट्रैक्टर की चपेट में आने से १४ वर्षीय नाबालिग बाल मजदूर हिमांशु बुरे की दर्दनाक मौत हो गई , घटना रात करीब १.३० बजे की है। पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए ना सिर्फ मामले का पर्दाफाश किया बल्कि दुर्घटना को डंपर का रूप देकर पुलिस को गुमराह करने की ट्रैक्टर मालिकों की साजिश को भी नाकाम कर दिया। मामले में पुलिस ने ट्रैक्टर चालक और मालिक के खिलाफ गैरइरादतन हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसारए मृतक हिमांशु पिता राजेश बुरे उम्र १४ वर्ष थाना वारासिवनी के अंतर्गत वार्ड नंबर १ ग्राम वारा का निवासी था। वह अपनी आर्थिक स्थिति के चलते प्रतिदिन ट्रैक्टरों में मजदूरी करने जाता था। शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात को ट्रैक्टर मालिक शशांक दुबे खुद हिमांशु को मजदूरी के काम के लिए घर से लेकर गया था। हिमांशु बुरे शशांक दुबे के ट्रैक्टर चालक करण कुमले के साथ ट्रैक्टर पर सवार था। इस अवैध कारोबार में उनके साथ सोमू शुक्ला का ट्रैक्टर भी शामिल था। दोनों ट्रैक्टर वारासिवनी लालबर्रा मार्ग पर स्थित टोंडिया नाले से रेत चोरी करने के लिए गायत्री मंदिर के पीछे कच्चा रास्ता बनाकर नाले में उतरे थे। नाले से अवैध रूप से रेत भरकर जब ट्रैक्टर मुख्य मार्ग की ओर निकल रहा था तभी यह भीषण हादसा हुआ। ट्रैक्टर के टायर में लगी मिट्टी से बचने के लिए नाबालिग हिमांशु चलती हुई गाड़ी में ही ट्रैक्टर के मुंडे यानि मडगार्ड से ट्राली की तरफ जाने की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान अचानक उसका पैर स्लिप हो गया और वह सीधे नीचे गिर गया। ट्रैक्टर की रफ्तार तेज होने के कारण हिमांशु ट्राली के पिछले चक्के की चपेट में आ गया जिससे मौके पर ही उसकी दर्दनाक मौत हो गई।

पुलिस को गुमराह करने की रची गई थी साजिश

हादसे के बाद चालक ने तुरंत इसकी सूचना ट्रैक्टर मालिक सोमू शुक्ला और शशांक दख्रुबे को दी। कानून के शिकंजे से बचने के लिए ट्रैक्टर मालिकों ने एक सोची समझी साजिश रची। मालिकों के दबाव में आकर उनके साथियों ने पुलिस को झूठी और भ्रमित करने वाली सूचना दी कि बालक की मौत किसी अज्ञात रेत के डंपर की चपेट में आने से हुई है। घटना की सूचना मिलते ही वारासिवनी पुलिस प्रशासन तुरंत मौके पर पहुंचा। घटना स्थल का बारीकी से निरीक्षण करने और वहां मौजूद लोगों से चर्चा करने के बाद पुलिस को कहानी में झोल नजर आया। कथित अज्ञात डंपर का सुराग लगाने के लिए पुलिस ने नगर सहित नेवरगांव टोल टैक्स के सीसीटीवी फुटेज खंगाले लेकिन पूरी रात उस मार्ग पर किसी भी डंपर की आवाजाही की पुष्टि नहीं हुई। संदेह गहराने पर पुलिस ने ट्रैक्टर चालक करण कुमले को हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ की पुलिस की सख्ती के आगे चालक टूट गया और उसने सच उगल दिया। चालक ने स्वीकार किया कि दुर्घटना उसी के ट्रैक्टर से हुई थी। साथ ही उसने यह बड़ा खुलासा भी किया कि ट्रैक्टर मालिक सोमू शुक्ला और शशांक दुबे ने पुलिस को डंपर वाली झूठी कहानी सुनाने और गुमराह करने के लिए उस पर भारी दबाव बनाया था।

शव परिजनों को सौंपा आरोपियों पर मामला दर्ज

पूरी स्थिति साफ होने के बाद पुलिस ने शव का वारासिवनी के शव विच्छेदन गृह पोस्टमार्टम रूम में पंचनामा और पोस्टमार्टम कराकर शव अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मर्ग कायम कर ट्रैक्टर मालिक शशांक दुबे, सोमू शुक्ला और चालक करण कुमले के खिलाफ गैरइरादतन हत्या यानि सर्घन धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर लिया है और मामले की विस्तृत जांच प्रारंभ कर दी है।

मेरा बेटा हिमांशु शशांक दुबे के ट्रैक्टर में काम करने जाता था- राजेश बुरे

राजेश बुरे ने बताया कि मैं हिमांशु का पिता हूं यह जो घटना हुई इसकी मुझे कोई जानकारी नहीं थी। घर पर मुझे बुलाने आए और बताया कि ऐसा हो गया है तो मैं रोते हुए अपने बड़े पिता के साथ गया। मेरे बड़े पिता ने देखा और उसे पहचान गायत्री मंदिर के पास मेरे बेटे को पूरा कुचल दिया गया था। यह शशांक दुबे के पास काम करता था और वही इसे बुलाने के लिए आया हुआ था।

सोमू शुक्ला एवं शशांक दुबे ने दबाव बनाया इसलिये मैंने झुठ बोला-करण कुमले

ड्रायवर करण कुमले ने बताया कि रात में मैं रेत की गाड़ी लेकर जा रहा था मेरे साथ दो लड़के मोंटू और हिमांशु ट्रैक्टर के दोनों तरफ बैठे हुए थे। रेत हम खाली करने जा रहे थे आगे शशांक दुबे चल रहा था बारिश के कारण टायर में मिट्टी लग रही थी। उससे बचने के लिए हिमांशु ट्राली की ओर जा रहा था जिसका पैर स्लिप होने से वह गिरा टायर की चपेट में आने से मौत हो गई। सोमू शुक्ला एवं शशांक दुबे ने दबाव बनाया की ट्रैक्टर नहीं डंपर की चपेट में आने से होना बताओ यह हमें कहा गया और हमने ऐसा ही पुलिस को बताया फिर मैं घर जाकर घटना बताया।

थाना प्रभारी पवन यादव ने बताया कि रात में हमें सूचना मिली हिमांशु बुरे की ट्रक के नीचे दबने से मौत हो गई है। सूचना पर हम सुबह से तस्दीक कर रहे हैं उस समय नेवरगांव टोल एवं नगर के सीसीटीवी देखे पर कोई ट्रक का आवागमन नहीं दिखाई दिया। फिर यह बात सामने आई की सोमू शुक्ला एवं शशांक दुबे ट्रैक्टर से रेत भरकर आ रहे थे । हिमांशु ट्रैक्टर पर बैठा था जो ट्राली तरफ जा रहा था पैर फिसलने से वह गिरा और पहिए के नीचे आ गया १४ वर्ष उसकी उम्र है। हमने घटना की तस्दीक की है पूछताछ कर सोमू शुक्ला और शशांक दुबे के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का अपराध दर्ज कर लिया है। गायत्री मंदिर के पीछे नाले से यह रेत निकाल रहे थे एक ट्राली इन्होंने कॉलोनी में डाली है ड्राइवर की उम्र १९ वर्ष है लाइसेंस नहीं है। इसमें हमने गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर ट्रैक्टर जप्त कर राउंडअप किया है।

आरोग्य भारती खंड का गठन करने हेतु विभागीय बैठक आयोजित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के आयाम आरोग्य भारती खंड का गठन करने हेतु बैठक विभाग संयोजक डॉ.नीरज अरोरा के निवास पर आयोजित की गई। जिसमें खंड वारासिवनी के दायित्वधारियों का सर्व सम्मति से चयन किया गया। जिसमें डॉ. नीरज अरोरा विभाग संयोजक, डॉ.दीपांक रामटेककर जिलाध्यक्ष की सहमति से वारासिवनी खंड अध्यक्ष हेतु डॉ.लोकचंद ठाकरे का नाम सर्वसहमति से प्रस्तावित हुआ। जिसके बाद कार्यकारिणी दायित्वधारियों का भी चयन सर्वसहमति से किया गया। जिसमें उपाध्यक्ष राकेश सोनी, राकेश जुझार ,सचिव मधुसूदन अग्रवाल, सहसचिव अनिरुद्ध सिंह राणा, फ्लेश ठाकरे,कोषाध्यक्ष प्रदीप श्रीवास्तव, किशोरी विकास प्रमुख सीमा जोशी, वनोषौधी प्रचार प्रमुख डॉ. विकास नगपुरे, महिला कार्य प्रमुख नीतू अग्रवाल, पर्यावरण प्रमुख विनय सुराना, योग प्रमुख भेजेंद्र चौधरी ,घरेलू उपचार प्रमुख प्रदीप खंडेलवाल, व्यसन मुक्ति प्रमुख संतोष चौहान, स्वस्थ ग्राम प्रमुख डीलेश खंडेलकर, आरोग्य संपदा प्रमुख संजय अग्रवाल, महाविद्यालय प्रबोधन प्रमुख मनोज शांडिल्य व संरक्षक हेतु ज्ञानीराम पटले,छगन हनवत का नाम घोषित किया गया।

विश्वकर्मा समाज के पदाधिकारियों ने भवन बनवाने की मांग को लेकर विधायक पटेल को सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी। विश्वकर्मा आदर्श लोहार समाज के द्वारा शनिवार को वारासिवनी विधायक जनसंपर्क कार्यालय पहुंचकर ग्राम सिकंद्रा में मंदिर और सामाजिक भवन बनवाने को लेकर मांग पत्र सौंपा है। पत्र के माध्यम से समाज के पदाधिकारियों ने बताया कि वारासिवनी विधानसभा क्षेत्र में विश्वकर्मा आदर्श लोहार समाज के पास स्वयं की भूमि नहीं होने के कारण भवन से अछूता है। जिससे समाज में होने वाले धार्मिक व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम किराए के भवन में संचालित करना पड़ता है। समाज इतनी शसक्त भी नहीं है कि खुद भवन बना सके समाज के पदाधिकारियों ने विधायक विवेक पटेल को पत्र सौंपकर ग्राम सिकंद्रा में मंदिर और सामाजिक भवन बनवाने की मांग की है। इस दौरान अशोक कुमार वानेकर,सुखदेव विश्वकर्मा, बलिराम कोसरे, सूरजलाल चापेकर, देवेंद्र ऊके,सुरेन्द्र विश्वकर्मा,रविन्द्र सोनवाने, नरेंद्र विश्वकर्मा, नंदकिशोर मेश्राम, आकाश सोनवाने, सुखलाल बावने,फुलचंद ठाकरे,देवकरण बांगडे,राधेश्याम नगपुरे, भेजनलाल सोनवाने सहित सामाजिक पदाधिकारीगण मौजूद रहे। वहीं विधायक विवेक विक्की पटेल ने कहा कि धार्मिक स्थल समाज को एकता और संस्कारों की डोर में बांधने का कार्य करते है। ऐसे स्थानों का विकास केवल भवन निर्माण तक समिति नहीं है। बल्कि सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों को शक्त बनाने का माध्यम भी है। विश्वकर्मा आदर्श लोहार समाज के द्वारा लंबे समय से मंदिर और भवन निर्माण की मांग की जा रही है। मैंने उन्हें आश्वस्त किया है की आप भवन निर्माण के लिए एक जगह चिन्हित कर लेवे। बहुत जल्द आपको नवीन भवन बनकर तैयार मिल जाएगा। भवन बनने के बाद सामाजिक कार्यक्रम धार्मिक कार्यक्रम सहित अन्य कार्यक्रम हो सकेंगे।

बारिश से शंकर तालाब के पास गिरा विशाल पेड़ टला बड़ा हादसा

आवागमन डेढ़ घंटे रहा बाधित नगर पालिका टीम ने हटाया पेड़

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के शंकर तालाब की पार पर बारिश के दौरान एक विशालकाय पेड़ धराशाई हो गया गनीमत रही की कोई इसकी जद में नहीं आया बडा हादसा टल गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुबह से जहाँ आसमान से सूर्य देवता की तीखी किरणें आग बरसा रही थीं और चारों तरफ भीषण तपती धूप फैली हुई थी। वहीं दोपहर होते.होते मौसम ने अचानक ऐसी करवट ली दोपहर में अचानक तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश का दौर शुरू हो गया। करीब आधे घंटे से अधिक समय तक हुई इस तेज बारिश ने जहाँ पूरे नगर को भीषण गर्मी और उमस से राहत देकर शीतलता घोल दी। वहीं बारिश के थपेड़ों से शंकर तालाब की पार पर स्थित एक विशालकाय वृक्ष झेल नहीं पाया और अचानक टूटकर मुख्य सड़क पर जा गिरा। गनीमत यह रही कि जिस वक्त यह भारी भरकम पेड़ गिरा उस समय उसके ठीक नीचे कोई मौजूद नहीं था अन्यथा एक बेहद दर्दनाक और बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती थी। मुख्य मार्ग होने के कारण इस रास्ते पर चलने वाले राहगीर और वाहन चालक बेहद बाल बाल बच गए। चूंकि यह नगर का एक प्रमुख और व्यस्ततम मार्ग है इसलिए पेड़ गिरने से सड़क पूरी तरह से ब्लॉक हो गई और आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया। इस दौरान करीब डेढ़ घंटे तक बड़े वाहनों और आम लोगों की आवाजाही पूरी तरह ठप रही। रास्ता बंद होने के कारण चार पहिया वाहनों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा और उन्हें दूसरे वैकल्पिक मार्गों से घूमकर अपने गंतव्य की ओर जाना पड़ा। वहीं दूसरी ओर सड़क पर फंसे हुए मोटरसाइकिल चालक पेड़ के किनारे बची संकरी जगह से किसी तरह रास्ता बनाकर अपनी गाड़ियां निकालते हुए नजर आए। घटना की सूचना मिलते ही नगर पालिका की टीम तुरंत हरकत में आई। नगर पालिका के कर्मचारियों ने बिना समय गंवाए कड़ी मशक्कत के बाद सड़क के बीचों बीच गिरे विशाल पेड़ की डालियों को काटकर उसे किनारे किया।

दिव्यांग बाबूलाल शरणागत को विक्रम देशमुख के अथक प्रयासों से मिली ट्राइसाइकिल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम झालीवाड़ा निवासी बाबूलाल शरणागत पिछले कुछ वर्षों से लकवा ग्रस्त होने के बाद से ४० प्रतिशत विकलांग हो गए थे। उन्हें अपने दैनिक जीवन के कार्यों में बिना किसी सहायक उपकरण के काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। आपके द्वारा काफी दिनों से दिव्यांगों हेतु दिए जाने वाले सहायक उपकरणों की मांग की जा रही थी। बाबूलाल शरणागत ने ग्राम झालीवाड़ा निवासी पूर्व जिला पंचायत सदस्य विक्रम देशमुख से दूरभाष पर अपनी काफी समय से लंबित मांग को बताया। पूर्व जिला पंचायत सदस्य विक्रम देशमुख के द्वारा तत्काल जिला विकलांग एवं पुनर्वास केंद्र से संपर्क कर बाबूलाल को ट्राइसाइकिल दिए जाने की मांग की। तत्पश्चात दूसरे दिन ही विक्रम देशमुख के हस्तक्षेप से दिव्यांग बाबूलाल शरणागत को ट्राइसाइकिल प्रदान कर दी गई है। बाबूलाल अब सहजता से ग्राम झालीवाड़ा की गलियों में अपने दैनिक जीवन के कार्य हेतु सुविधापूर्वक आवागमन कर सकते हैं।

संगीत है शांति, संवेदना और मानवता का स्वर

आज का विश्व अभूतपूर्व संकटों के दौर से गुजर रहा है। एक ओर युद्धों की विभीषिका है, दूसरी ओर आतंकवाद का भय, सामाजिक हिंसा, मानसिक तनाव, अवसाद, अकेलापन और असहिष्णुता का बढ़ता हुआ वातावरण। विज्ञान और तकनीक ने मानव जीवन को सुविधासंपन्न तो बनाया है, लेकिन मनुष्य के भीतर की शांति, संतुलन और आनंद कहीं खोता जा रहा है। ऐसे समय में यदि कोई शक्ति मनुष्य को स्वयं से, समाज से और मानवता से पुनः जोड़ सकती है तो वह है-संगीत। संगीत केवल मनोरंजन नहीं है, यह मनुष्य के भीतर छिपी संवेदनाओं का जागरण है। यह आत्मा की भाषा है, जो बिना शब्दों के भी हृदय तक पहुंच जाती है। यही कारण है कि 21 जून को विश्व संगीत दिवस केवल एक सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि मानवता को शांति, संवेदना और सौहार्द का संदेश देने वाला वैश्विक उत्सव बन गया है। विश्व संगीत दिवस का आरम्भ 1982 में फ्रांस से हुआ था। इसका मूल उद्देश्य था कि संगीत सभागारों और मंचों तक सीमित न रहे, बल्कि स ?कों, पार्कों, चौपालों और जनजीवन में उतरे। धीरे-धीरे यह उत्सव 120 से अधिक देशों तक पहुंच गया। आज यह दिन हमें याद दिलाता है कि संगीत किसी देश, धर्म, जाति या भाषा का नहीं, बल्कि सम्पूर्ण मानवता का साझा धरोहर है। वर्तमान समय में दुनिया का सबसे बड़ा संकट केवल युद्ध नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर बढ़ती हुई कठोरता और संवेदनहीनता है। हथियारों से पहले विचार हिंसक होते हैं और विचारों को मानवीय बनाने का सामर्थ्य संगीत में है। संगीत मनुष्य के भीतर करुणा, प्रेम और सह-अस्तित्व की भावना जगाता है। जहां संवाद समाप्त हो जाता है, वहां संगीत संवाद का नया मार्ग खोल देता है। इतिहास गवाह है कि युद्धों ने कभी स्थायी शांति नहीं दी, लेकिन संगीत ने सदैव टूटे हुए दिलों को जोड़ा है। सैनिक मोर्चों पर भी गीतों ने साहस जगाया है और शांति आंदोलनों में भी संगीत ने मानवता की आवाज बनकर कार्य किया है। आज जब दुनिया के अनेक हिस्से संघर्षों से जूझ रहे हैं, तब संगीत सीमाओं से परे जाकर मनुष्यों के बीच एक अदृश्य पुल का निर्माण कर सकता है। संगीत का सबसे बड़ा चमत्कार यह है कि यह मनुष्य को भीतर से स्वस्थ बनाता है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने भी स्वीकार किया है कि संगीत केवल कानों को सुख नहीं देता, बल्कि शरीर और मस्तिष्क पर गहरा सकारात्मक प्रभाव डालता है। अनेक शोधों से प्रमाणित हुआ है कि मधुर संगीत तनाव हार्मोन को कम करता है, रक्तचाप को नियंत्रित करता है, अनिद्रा में राहत देता है तथा अवसाद और चिंता जैसी मानसिक समस्याओं को कम करने में सहायक होता है। आज दुनिया में करोड़ों लोग मानसिक तनाव और अवसाद से जूझ रहे हैं। प्रतिस्पर्धा, भागदौड़, अकेलापन और डिजिटल जीवनशैली ने मनुष्य को भीतर से थका दिया है। ऐसे समय में संगीत एक औषधि की तरह कार्य करता है। यही कारण है कि विश्व के अनेक अस्पतालों में संगीत-चिकित्सा- म्यूजिक थैरेपी का प्रयोग किया जा रहा है। यह चिकित्सा व्यक्ति के मन को शांत कर उसके भीतर आशा और सकारात्मकता का संचार करती है। संगीत का संबंध केवल स्वास्थ्य से नहीं, बल्कि रचनात्मकता और सृजनशीलता से भी है। जहां संगीत होता है, वहां जीवन में लय होती है। लयहीन जीवन तनाव पैदा करता है, जबकि संगीत जीवन को संतुलन प्रदान करता है। संगीत सुनने वाला व्यक्ति अधिक संवेदनशील, अधिक कल्पनाशील और अधिक रचनात्मक बनता है। यही कारण है कि साहित्य, कला, चित्रकला, नृत्य और अन्य सृजनात्मक क्षेत्रों में संगीत की उपस्थिति अनिवार्य मानी जाती है। यदि गहराई से देखा जाए तो संपूर्ण प्रकृति स्वयं एक विराट संगीत है। पक्षियों का कलरव, कोयल की कूक, झरनों की कलकल, समुद्र की लहरों का संगीत, वर्षा की रिमझिम, हवा की सरसराहट और पत्तों की थिरकन-सबमें संगीत की ही अभिव्यक्ति है।

भारत में अनेकों गाँव शहर बन गए, पर सरकारी रिकॉर्ड में गाँव ही हैं, ऐसा क्यों?

वैश्विक स्तरपर भारत आज दुनियाँ के सबसे तेजी से शहरीकरण करने वाले देशों में शामिल है। देश के हजारों गाँव ऐसे हैं जो वास्तविकता में छोटे-बड़े शहरों का स्वरूप ग्रहण कर चुके हैं, वहाँ बहुमंजिला इमारतें, औद्योगिक प्रतिष्ठान, निजी अस्पताल, शैक्षणिक संस्थान, बाजार, बैंकिंग सुविधाएँ, इंटरनेट कनेक्टिविटी, पक्की सड़कें और लाखों की आबादी मौजूद है। इसके बावजूद सरकारी रिकॉर्ड में वे आज भी ग्राम के रूप में दर्ज हैं। इसके विपरीत कुछ क्षेत्रों में एक ही भौगोलिक क्षेत्र का एक भाग नगर परिषद अथवा नगर निगम में शामिल है जबकि दूसरा भाग ग्राम पंचायत के अधीन है। ऐसी स्थिति में एक ही क्षेत्र के नागरिकों को विकास योजनाओं बुनियादी सुविधाओं और प्रशासनिक व्यवस्थाओं के मामले में अलग-अलग व्यवहार का सामना करना पड़ता है। यह स्थिति विकास नियोजन की दृष्टि से गंभीर चिंता का विषय बन चुकी है और अब यह मांग जोर पकड़ रही है कि गाँव और शहर निर्धारित करने के मानकों की व्यापक समीक्षा की जाए। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र अधिवक्ता के तौर पर गंभीरता से सरकार का ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहूंगा कि मैंने कई शहरों में कई ऐसे स्थान देखें जहां पर रोड, नदी, नाले के इस तरफ शहर व उस तरफ गांव, जिससे वहां बिजली बिल, मकान टैक्स से लेकर जीवन शैली के हर स्टेज पर भेदभाव हो जाता है, वास्तव में किसी क्षेत्र को गाँव अथवा शहर घोषित करना केवल एक प्रशासनिक औपचारिकता नहीं है,बल्कि इसके दूरगामी प्रभाव होते हैं। किसी क्षेत्र का दर्जा यह तय करता है कि वहाँ विकास योजनाएँ किस प्रकार लागू होंगी, किस प्रकार का स्थानीय प्रशासन कार्य करेगा, नागरिकों को कौन-कौन सी सुविधाएँ उपलब्ध होंगीकिस प्रकार के कर लगाए जाएंगे,भूमि उपयोग की नीति क्या होगी तथा आधारभूत संरचना का विकास किस दिशा में होगा। यदि कोई क्षेत्र ग्राम पंचायत के अंतर्गत है तो उस पर ग्रामीण विकास कार्यक्रमों का प्रभाव अधिक रहता है, जबकि नगर परिषद, नगरपालिका अथवा नगर निगम क्षेत्र में शामिल होने पर शहरी विकास योजनाएँ, सीवरेज व्यवस्था,नगर परिवहन, स्मार्ट अवसंरचना औरनियोजित विकास जैसी सुविधाएँ उपलब्ध होने लगती हैं। इसलिए यदि किसी क्षेत्र की वास्तविक स्थिति और सरकारी वर्गीकरण में अंतर हो तो उसका सीधा प्रभाव नागरिकों के जीवन स्तर और विकास के अवसरों पर पड़ता है। साथियों, भारत में गाँव की कोई एक समान राष्ट्रीय कानूनी परिभाषा नहीं है। सामान्यत: गाँवों की पहचान राज्यों के राजस्व अभिलेखों और पंचायत कानूनों के आधार पर की जाती है। संविधान के भाग-ड्डह्न तथा पंचायती राज व्यवस्था के अंतर्गत ग्राम पंचायतों का गठन किया जाता है और राज्य सरकारें अपने-अपने पंचायत अधिनियमों के अनुसार गाँवों का प्रशासन संचालित करती हैं।किसी क्षेत्र को सामान्यत: तब ग्रामीण क्षेत्र माना जाता है जब वह राजस्व अभिलेखों में गाँव के रूप में दर्ज हो, ग्राम पंचायत के प्रशासनिक क्षेत्र में आता हो तथा नगर निकाय की सीमा से बाहर स्थित हो। परंतु पिछले कुछ दशकों में अनेक ऐसे गाँव विकसित हुए हैं जहाँ कृषि गतिविधियों की जगह उद्योग, व्यापार और सेवा क्षेत्र ने ले ली है, फिर भी उनका प्रशासनिक दर्जा नहीं बदला है।

साथियों, भारत में शहरों का वर्गीकरण मुख्यत:दोश्रेणियों में किया जाता है,वैधानिक शहर (स्टेटुटरी टाउन) और जनगणना शहर (सेंसस टाउन)। वैधानिक शहर वे होते हैं जिन्हें राज्य सरकार किसी कानून के अंतर्गत नगर निगम, नगर परिषद, नगरपालिका अथवा नगर पंचायत के रूप में अधिसूचित करती है। इनकी स्थापना राज्य के नगर पालिका अधिनियमों केद्गद्द अंतर्गत होती है और इनके गठन का अंतिम अधिकार राज्य सरकार के पास होता है। नगर निगम,नगर परिषद, नगरपालिका तथा नगर पंचायत इसी श्रेणी में आते हैं। किसी क्षेत्र की जनसंख्या, आर्थिक गतिविधियों, राजस्व क्षमता और नगरीय स्वरूप को देखते हुए राज्य सरकारें ऐसे निकायों की स्थापना करती हैं।दूसरी ओर जनगणना शहर की अवधारणा भारत की जनगणना द्वारा विकसित की गई है। जनगणना के अनुसार यदि कोई क्षेत्र तीन निर्धारित मानकों को पूरा करता है तो उसे जनगणना शहर माना जाता है। पहला, उस क्षेत्र की आबादी कम से कम 5000 होनी चाहिए। दूसरा, वहाँ जनसंख्या घनत्व कम से कम 400 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर होना चाहिए।तीसरा पुरुष मुख्य कार्यबल का कम से कम 75 प्रतिशत भाग कृषि के बजाय गैर-कृषि गतिविधियों में संलग्न होना चाहिए। इन मानकों को 1961 कीजनगणना के दौरान प्रमुख रूप से अपनाया गया था और आज भी काफी हद तक इन्हीं का उपयोग किया जाता है।

साथियों,यहीं से समस्या प्रारंभ होती है।1961 का भारत और 2026 का भारत पूरी तरह भिन्न हैं।छह दशक पहले देश की अर्थव्यवस्था मुख्यत: कृषि आधारित थी, औद्योगिकीकरण सीमित था,शहर अपेक्षाकृत छोटे थे और ग्रामीण क्षेत्रों में जनसंख्या का अनुपात बहुत अधिक था।आज स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। महानगरों का विस्तार कई किलोमीटर दूर तक हो चुका है। अनेक गाँव महानगरों के उपनगर बन चुके हैं। लाखों लोग ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करते हुए प्रतिदिन शहरों में जाकर रोजगार करते हैं। सेवा क्षेत्र,सूचना प्रौद्योगिकी डिजिटल अर्थव्यवस्था और आधुनिक परिवहन ने ग्रामीण एवं शहरीद्ग जीवन के बीच की पारंपरिक दूरी को काफी हद तक समाप्त कर दिया है। ऐसे में केवल जनसंख्या, घनत्व और गैर-कृषि रोजगार के आधार पर किसी क्षेत्र की वास्तविक प्रकृति का निर्धारण करना पर्याप्त नहीं माना जा सकता। साथियों, भारत के संविधान में ग्रामीण और शहरीस्थानीय निकायों के लिए महत्वपूर्ण संवैधानिक व्यवस्था की गई है। वर्ष 1992 में लागू 73वें संविधान संशोधन ने पंचायत राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया। इसके माध्यम से ग्राम पंचायत, पंचायत समिति और जिला परिषद जैसी संस्थाओं को सशक्त बनाया गया। इसी प्रकार 74वें संविधान संशोधन द्वारा शहरी स्थानीय निकायों को संवैधानिक मान्यता प्रदान की गई, जिसके अंतर्गत नगर पंचायत, नगरपालिका और नगर निगम जैसी संस्थाओं को संवैधानिक आधार मिला। संविधान का अनुच्छेद 243-क्यू नगर पंचायतों, नगरपालिकाओं और नगर निगमों के गठन से संबंधित है। इस अनुच्छेद के अनुसार राज्य सरकारें स्थानीय परिस्थितियों, जनसंख्या, आर्थिक गतिविधियों, राजस्व क्षमता और नगरीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए किसी क्षेत्र को शहरी निकाय के रूप में अधिसूचित कर सकती हैं। यद्यपि संविधान ने व्यापक ढाँचा उपलब्ध कराया है, फिर भी शहर घोषित करने का अंतिम अधिकार राज्यों के पास है। प्रत्येक राज्य के नगर पालिका अधिनियम में नगर पंचायत, नगरपालिका अथवा नगर निगम के गठन के लिए अलग-अलग मानदंड निर्धारित हो सकते हैं।सामान्यत: जनसंख्या जनसंख्या घनत्व, स्थानीय राजस्व, औद्योगिक एवं व्यावसायिक गतिविधियाँ, नगरीय अवसंरचना तथा प्रशासनिक आवश्यकता जैसे तत्वों को ध्यान में रखा जाता है। इसी कारण विभिन्न राज्यों में समान जनसंख्या वाले क्षेत्रों का दर्जा सटीक रूप से अलग-अलग हो सकता है। साथियों, जब किसी क्षेत्र का प्रशासनिक वर्गीकरण उसकी वास्तविक स्थिति से मेल नहीं खाता तो अनेक समस्याएँ उत्पन्न होती हैं। सबसे पहली समस्या विकास निधि के आवंटन की होती है। शहर जैसी आबादी और आवश्यकताओं वाले क्षेत्रों को भी शहरी विकास योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाता। परिणामस्वरूप वहाँ सड़क, जल निकासी, सीवरेज, सार्वजनिक परिवहन और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन जैसी सुविधाओं का पर्याप्त विकास नहीं हो पाता। दूसरी ओर ग्राम पंचायतों की वित्तीय और प्रशासनिक क्षमता इतनी नहीं होती कि वे तेजी से बढ़ते नगरीय क्षेत्रों की आवश्यकताओं को पूरा कर सकें। इसके अतिरिक्त अनियोजित निर्माण, अवैध कॉलोनियों का विकास और भूमि उपयोग संबंधी अव्यवस्था भी बढ़ जाती है।ऐसे क्षेत्रों में प्रशासनिक भ्रम भी देखने को मिलता है। कई बार एक ही सड़क के दोनों ओर अलग-अलग प्रशासनिक व्यवस्थाएँ लागू होती हैं। एक ओर नगर परिषद की सीमा होती है तो दूसरी ओर ग्राम पंचायत का क्षेत्र। परिणाम स्वरूप नागरिकों को कर व्यवस्था, भवन निर्माण अनुमति, जलापूर्ति, संपत्ति पंजीकरण और अन्य सेवाओं में असमानता का सामना करना पड़ता है। निवेशकों के लिए भी ऐसी स्थिति अनिश्चितता पैदा करती है, क्योंकि भूमि उपयोग और विकास नियम स्पष्ट नहीं होते। साथियों, इस संदर्भ में यह प्रश्न भी उठता है कि क्या यह स्थिति विकासात्मक भेदभाव का उदाहरण है। कानूनी दृष्टि से इसे प्रत्यक्ष भेदभाव नहीं कहा जा सकता क्योंकि सरकारें वर्तमान कानूनों और अधिसूचनाओं के आधार पर कार्य करती हैं। फिर भी नीति निर्माण की दृष्टि से यह अवश्य कहा जा सकता है कि यदि कोई क्षेत्र वास्तविक रूप से शहरी बन चुका है और फिर भी उसे शहरी विकास योजनाओं तथा अवसंरचना निवेश से वंचित रखा जाता है तो वहाँ के नागरिक विकास के समान अवसरों से वंचित रह जाते हैं। इसलिए यह स्थिति विकासात्मक असमानता का रूप सटीकता से अवश्य धारण कर लेती है।

साथियों, विशेषज्ञों का मानना है कि अब गाँव और शहर के निर्धारण के लिए नए और आधुनिक मानकों की आवश्यकता है। केवल जनसंख्या और रोजगार आधारित मानक आज की जटिल सामाजिक-आर्थिक वास्तविकताओं को नहीं दर्शाते। भविष्य में निर्मित क्षेत्र (बिल्ट- अप एरिया), भूमि उपयोग का स्वरूप, आर्थिक एकीकरण, प्रतिदिन शहरों में आने-जाने वाले लोगों की संख्या, परिवहन संपर्क, डिजिटल कनेक्टिविटी, जल एवं सीवरेज सुविधाओं की उपलब्धता तथा पर्यावरणीय वहन क्षमता जैसे मानकों को भी शामिल किया जाना चाहिए। इससे किसी क्षेत्र की वास्तविक प्रकृति का अधिक वैज्ञानिक आकलन संभव होगा।डिजिटल युग में उपग्रह चित्रों, ड्रोन सर्वेक्षण और भू-स्थानिक सूचना प्रणाली के उपयोग से यह कार्य और अधिक सरल हो सकता है। उपग्रह आधारित विश्लेषण से यह आसानी से पता लगाया जा सकता है कि किसी क्षेत्र में निर्माण गतिविधि कितनी बढ़ चुकी है, कृषि भूमि का कितना हिस्सा शहरी उपयोग में परिवर्तित हो चुका है तथा वहाँ की जनसंख्या का घनत्व और आर्थिक गतिविधियाँ किस स्तर तक पहुँच चुकी हैं।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

बालासाहेब की विरासत से राजनीतिक संघर्ष तक-क्यों मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं उद्धव ठाकरे और बदलती शिवसेना

-कांतिलाल मांडोत

महाराष्ट्र की राजनीति में शिवसेना केवल एक राजनीतिक दल नहीं रही, बल्कि वह एक भावनात्मक आंदोलन और मराठी अस्मिता का प्रतीक भी रही है। इस आंदोलन की नींव शिवसेना संस्थापक बालासाहेब ठाकरे ने रखी थी। उनकी आक्रामक शैली, स्पष्ट विचारधारा और कार्यकर्ताओं पर मजबूत पकड़ ने शिवसेना को महाराष्ट्र की सबसे प्रभावशाली राजनीतिक शक्तियों में शामिल कर दिया था। लेकिन समय के साथ राजनीति बदली, परिस्थितियां बदलीं और नेतृत्व भी बदला। आज शिवसेना के वर्तमान प्रमुख उद्धव ठाकरे ऐसे दौर से गुजर रहे हैं जिसे उनके राजनीतिक जीवन का सबसे कठिन समय माना जा रहा है।

पिछले कुछ वर्षों में उद्धव ठाकरे की राजनीतिक स्थिति लगातार कमजोर होती दिखाई दी है। महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी सरकार बनने के बाद उन्होंने मुख्यमंत्री पद संभाला, लेकिन इसी फैसले ने उनके सामने नई चुनौतियां भी खड़ी कर दीं। भाजपा के साथ दशकों पुराने गठबंधन को छोड़कर कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के साथ सरकार बनाने का निर्णय शिवसेना के पारंपरिक समर्थकों के एक बड़े वर्ग को स्वीकार नहीं हुआ। पार्टी के भीतर भी असंतोष धीरे-धीरे बढ़ने लगा। यही असंतोष आगे चलकर बड़े राजनीतिक संकट में बदल गया।

साल 2022 में शिवसेना को सबसे बड़ा झटका तब लगा जब एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में बड़ी संख्या में विधायकों ने बगावत कर दी। यह केवल विधायकों का विद्रोह नहीं था, बल्कि शिवसेना की संगठनात्मक ताकत और नेतृत्व क्षमता पर भी बड़ा सवाल था। शिंदे गुट ने दावा किया कि वह बालासाहेब ठाकरे की मूल विचारधारा का प्रतिनिधित्व कर रहा है। इसके बाद चुनाव आयोग द्वारा पार्टी का नाम और चुनाव चिन्ह शिंदे गुट को मिलने से उद्धव ठाकरे को एक और बड़ा झटका लगा।

इसके बाद उद्धव ठाकरे ने शिवसेना (यूबीटी) के रूप में अपनी राजनीतिक लड़ाई जारी रखी। लोकसभा चुनावों में कुछ सफलता मिलने से ऐसा लगा कि पार्टी फिर से मजबूती की ओर बढ़ रही है, लेकिन हाल के घटनाक्रमों ने एक बार फिर उनकी मुश्किलें बढ़ा दी हैं। पार्टी के सांसदों में असंतोष और संभावित टूट की खबरों ने यह संकेत दिया है कि संगठन अभी भी स्थिर नहीं हो पाया है। यदि सांसदों का बड़ा समूह अलग रास्ता चुनता है तो यह शिवसेना (यूबीटी) के लिए एक और बड़ा राजनीतिक आघात साबित हो सकता है।

उद्धव ठाकरे की सबसे बड़ी चुनौती यह रही है कि वे अपने पिता बालासाहेब ठाकरे जैसी जननेता की छवि नहीं बना सके। बालासाहेब कभी चुनाव नहीं लड़े, लेकिन महाराष्ट्र की राजनीति में उनकी बात अंतिम मानी जाती थी। उनकी सभाओं में हजारों लोग जुटते थे और उनके एक बयान से राजनीतिक माहौल बदल जाता था। वे अपने समर्थकों के लिए एक करिश्माई नेता थे जिनकी पकड़ संगठन पर पूरी तरह बनी रहती थी।

इसके विपरीत उद्धव ठाकरे का व्यक्तित्व अपेक्षाकृत शांत और संयमित माना जाता है। वे टकराव की राजनीति की बजाय संवाद और संगठनात्मक प्रबंधन को प्राथमिकता देते रहे हैं। मुख्यमंत्री के रूप में उनके कामकाज की कई लोगों ने सराहना की, विशेषकर कोविड-19 महामारी के दौरान। लेकिन राजनीति में केवल प्रशासनिक क्षमता ही पर्याप्त नहीं होती। संगठन को एकजुट रखना, कार्यकर्ताओं में उत्साह बनाए रखना और नेतृत्व के प्रति अटूट विश्वास कायम रखना भी उतना ही आवश्यक होता है। यही वह क्षेत्र है जहां उद्धव ठाकरे को लगातार चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

बालासाहेब ठाकरे और उद्धव ठाकरे के बीच सबसे बड़ा अंतर नेतृत्व शैली का दिखाई देता है। बालासाहेब की राजनीति भावनात्मक जुड़ाव, प्रखर हिंदुत्व और आक्रामक वक्तव्यों पर आधारित थी। वे सीधे कार्यकर्ताओं से संवाद करते थे और पार्टी के भीतर असहमति की गुंजाइश बहुत कम रहती थी। दूसरी ओर उद्धव ठाकरे अपेक्षाकृत सौम्य और संस्थागत शैली के नेता हैं। वे गठबंधन राजनीति में विश्वास रखते हैं और कई मुद्दों पर नरम रुख अपनाते दिखाई दिए हैं। यही कारण है कि शिवसेना के कुछ पुराने कार्यकर्ताओं और नेताओं को लगा कि पार्टी अपनी मूल पहचान से दूर जा रही है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा से अलग होने का फैसला उद्धव ठाकरे के राजनीतिक जीवन का सबसे बड़ा मोड़ साबित हुआ। भाजपा और शिवसेना का गठबंधन दशकों पुराना था और दोनों दलों का मतदाता आधार भी काफी हद तक समान था। जब यह गठबंधन टूटा तो शिवसेना के सामने अपनी नई राजनीतिक पहचान स्थापित करने की चुनौती खड़ी हो गई। कांग्रेस और एनसीपी के साथ गठबंधन ने तत्काल सत्ता तो दिलाई, लेकिन लंबे समय में इस फैसले की राजनीतिक कीमत भी चुकानी पड़ी।

आज स्थिति यह है कि शिवसेना दो हिस्सों में बंटी हुई दिखाई देती है। एक ओर एकनाथ शिंदे का गुट सत्ता में है और उसके पास संगठन का बड़ा हिस्सा तथा आधिकारिक पार्टी पहचान है। दूसरी ओर उद्धव ठाकरे के पास सहानुभूति, एक समर्पित कार्यकर्ता वर्ग और ठाकरे परिवार की विरासत है। लेकिन केवल विरासत के आधार पर राजनीति लंबे समय तक नहीं चल सकती। इसके लिए मजबूत संगठन, प्रभावी नेतृत्व और लगातार जनसंपर्क की आवश्यकता होती है।

हाल के दिनों में सांसदों और नेताओं की नाराजगी की खबरें यह बताती हैं कि उद्धव ठाकरे को अभी भी संगठन को मजबूत करने के लिए काफी मेहनत करनी होगी। उन्हें यह साबित करना होगा कि शिवसेना (यूबीटी) केवल एक भावनात्मक मंच नहीं, बल्कि भविष्य की एक मजबूत राजनीतिक शक्ति भी है। यदि वे पार्टी के भीतर विश्वास बहाल करने और नए नेतृत्व को आगे लाने में सफल होते हैं तो राजनीतिक वापसी की संभावना बनी रह सकती है। महाराष्ट्र की राजनीति में ठाकरे नाम आज भी प्रभाव रखता है। लेकिन वर्तमान दौर केवल नाम या विरासत के सहारे नहीं जीता जा सकता। राजनीतिक परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं और दलों के भीतर भी शक्ति संतुलन लगातार बदल रहा है। ऐसे में उद्धव ठाकरे के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपनी पार्टी को एकजुट रखना और जनता के बीच यह विश्वास कायम करना है कि शिवसेना (यूबीटी) भविष्य में भी एक मजबूत विकल्प बन सकती है। बालासाहेब ठाकरे ने जिस शिवसेना को संघर्ष, विचारधारा और संगठनात्मक अनुशासन के आधार पर खड़ा किया था, आज वही पार्टी कई हिस्सों में बंटी हुई दिखाई देती है। यह स्थिति केवल उद्धव ठाकरे के लिए ही नहीं, बल्कि उस राजनीतिक विरासत के लिए भी बड़ी परीक्षा है जिसे बालासाहेब ने दशकों की मेहनत से तैयार किया था। आने वाले वर्षों में यह तय होगा कि उद्धव ठाकरे इस संकट से उबरकर अपनी राजनीतिक जमीन फिर से मजबूत कर पाते हैं या महाराष्ट्र की राजनीति में उनका प्रभाव धीरे-धीरे सीमित होता चला जाएगा। फिलहाल इतना स्पष्ट है कि वे अपने राजनीतिक जीवन के सबसे चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रहे हैं और उनके सामने खड़ी चुनौतियां पहले से कहीं अधिक कठिन हैं।

योग है दुनिया के लिए भारत का शाश्वत अवदान

आज जब पूरी दुनिया युद्धों, आतंकवाद, हिंसा, मानसिक तनाव, पर्यावरणीय संकट और नई-नई बीमारियों की चुनौतियों से घिरी हुई है, तब मानवता एक ऐसे मार्ग की तलाश में है जो केवल शरीर को ही नहीं, बल्कि मन, बुद्धि और आत्मा को भी संतुलित कर सके। ऐसे संक्रमणकाल में योग केवल एक व्यायाम पद्धति या स्वास्थ्य विज्ञान नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के लिए आशा का प्रकाश-स्तंभ बनकर उभरा है। यही कारण है कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आज केवल भारत का नहीं, बल्कि सम्पूर्ण विश्व का उत्सव बन गया है। भारत अनादिकाल से योग की भूमि रहा है। इस भूमि के कण-कण में ऋषियों, मुनियों, तपस्वियों और योगियों की साधना की सुगंध समाई हुई है। वैदिक ऋषियों से लेकर भगवान महावीर, भगवान बुद्ध, आदि शंकराचार्य, रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानन्द, महात्मा गांधी, श्री अरविन्द, आचार्य तुलसी और आचार्य महाप्रज्ञ तक, सभी ने योग को जीवन के उत्कर्ष और मानव कल्याण का आधार माना। योग ने भारत की आध्यात्मिक चेतना को ही नहीं गढ़ा, बल्कि विश्व को यह संदेश भी दिया कि मनुष्य का वास्तविक विकास भीतर से प्रारंभ होता है।

आज विश्व जिस दिशा में बढ़ रहा है, वह चिंता का विषय है। रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया में संघर्ष, आतंकवाद की घटनाएं, साम्प्रदायिक तनाव और हथियारों की बढ़ती हो? मानव सभ्यता को भय और असुरक्षा की ओर धकेल रही है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, विज्ञान और तकनीक ने अभूतपूर्व सुविधाएं दी हैं, लेकिन इनके साथ विनाश की संभावनाएं भी बढ़ी हैं। ऐसे समय में योग की प्रासंगिकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। योग मनुष्य को भीतर से शांत, संतुलित और संवेदनशील बनाता है। जब व्यक्ति के भीतर शांति होगी, तभी समाज और राष्ट्र में शांति का वातावरण निर्मित होगा। योग का मूल अर्थ ही है-जोड़ना। यह मनुष्य को मनुष्य से, आत्मा को परमात्मा से, व्यक्ति को समाज से और मानवता को सम्पूर्ण सृष्टि से जोड़ता है। योग विभाजन नहीं, एकता का दर्शन है। इसलिए वह हिंसा, घृणा, आतंक और संघर्ष का स्वाभाविक प्रतिरोधक है। जो व्यक्ति योग के माध्यम से अपने भीतर करुणा, प्रेम और अहिंसा का विकास करता है, वह किसी के प्रति द्वेष नहीं रख सकता। यही कारण है कि महात्मा गांधी की अहिंसा और भगवान महावीर का जीव-दया का संदेश भी योग की व्यापक चेतना से जुड़ा हुआ दिखाई देता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार आज मानसिक तनाव, अवसाद, अनिद्रा, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, हृदय रोग, मोटापा और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। आधुनिक जीवन की भागदौड़ में मनुष्य बाहरी उपलब्धियों के पीछे दौड़ रहा है, लेकिन भीतर से खाली और अशांत होता जा रहा है। ऐसी स्थिति में योग एक समग्र चिकित्सा-पद्धति के रूप में सामने आया है। योग शरीर, मन और भावनाओं के बीच संतुलन स्थापित करता है। नियमित आसन, प्राणायाम और ध्यान व्यक्ति की प्रतिरक्षा शक्ति को बढ़ाते हैं, तनाव को कम करते हैं तथा मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाते हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान भी दुनिया ने अनुभव किया कि स्वस्थ जीवनशैली और मजबूत प्रतिरोधक क्षमता कितनी महत्वपूर्ण है। उस समय योग, प्राणायाम और ध्यान ने करोड़ों लोगों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आज भी चिकित्सक और स्वास्थ्य विशेषज्ञ स्वीकार करते हैं कि योग अनेक बीमारियों की रोकथाम और प्रबंधन में अत्यंत प्रभावी सहायक माध्यम है। यह दवाओं का विकल्प नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन का आधार है।

योग की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह केवल रोगों से मुक्ति नहीं देता, बल्कि जीवन को दिशा देता है। पातंजलि ने योग को चित्तवृत्ति निरोध कहा है। अर्थात् मन की चंचलता और विकारों पर नियंत्रण। जब मन नियंत्रित होता है, तब व्यक्ति में निर्णय क्षमता, धैर्य और आत्मविश्वास का विकास होता है। आज की पीढ़ी, जो तनाव, प्रतिस्पर्धा और डिजिटल व्यसनों के बीच जी रही है, उसके लिए योग मानसिक संतुलन का सबसे सशक्त माध्यम बन सकता है। योग का एक महत्वपूर्ण पक्ष उसका नैतिक और मानवीय आयाम भी है। यम और नियम जैसे सिद्धांत सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह, संयम और संतोष की शिक्षा देते हैं। यदि इन मूल्यों को व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में अपनाया जाए, तो हिंसा, भ्रष्टाचार, अपराध और सामाजिक विद्वेष जैसी समस्याओं में स्वाभाविक कमी आ सकती है। इसलिए योग केवल स्वास्थ्य का विषय नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और सामाजिक पुनर्निर्माण का भी अभियान है। भारतीय संस्कृति की वैश्विक स्वीकार्यता में योग की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया जाना भारत की सांस्कृतिक शक्ति और विश्वसनीयता का बड़ा प्रमाण है। आज दुनिया के लगभग सभी देशों में योग का अभ्यास किया जा रहा है। यह केवल एक कूटनीतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान परंपरा की वैश्विक विजय है। प्रधानमंत्री मोदी ने योग के साथ-साथ भारतीय अहिंसा, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा, मिलेट्स आधारित भारतीय खानपान और वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा को भी विश्व मंच पर स्थापित करने का प्रयास किया है। यह संदेश अत्यंत महत्वपूर्ण है कि भारत केवल आर्थिक या सैन्य शक्ति बनने का सपना नहीं देखता, बल्कि मानवता को स्वस्थ, संतुलित और शांतिपूर्ण जीवन का मार्ग दिखाने की क्षमता भी रखता है। यही विश्वगुरु भारत की अवधारणा का मूल है।

भारतीय आयुर्वेद और योग का संबंध भी अत्यंत गहरा है। आयुर्वेद शरीर की चिकित्सा करता है, जबकि योग मन और चेतना को संतुलित करता है। दोनों मिलकर स्वस्थ जीवन की संपूर्ण व्यवस्था प्रस्तुत करते हैं। आज जब दुनिया रासायनिक दवाओं के दुष्प्रभावों और जीवनशैली जनित रोगों से चिंतित है, तब योग और आयुर्वेद एक वैकल्पिक नहीं, बल्कि पूरक एवं स्थायी समाधान के रूप में उभर रहे हैं। इतिहास साक्षी है कि योग ने हर युग में एक मौन क्रांति को जन्म दिया है। इसने राजाओं को ऋषि बनाया, योद्धाओं को संत बनाया और सामान्य मनुष्यों को असाधारण व्यक्तित्व प्रदान किए। स्वामी विवेकानन्द ने योग के माध्यम से भारतीय अध्यात्म को विश्व के सामने रखा। महात्मा गांधी ने कर्मयोग और अहिंसा के बल पर एक साम्राज्य को चुनौती दी। श्री अरविन्द ने योग को मानव चेतना के विकास का साधन बनाया। यह सब योग की परिवर्तनकारी शक्ति के उदाहरण हैं। इसलिये योग दिवस उत्सव का नहीं, संकल्प का अवसर बने। विद्यालयों, विश्वविद्यालयों, कार्यालयों, उद्योगों और सामाजिक संस्थाओं में योग को जीवनशैली के रूप में अपनाने की पहल हो। परिवारों में योग, ध्यान और सकारात्मक संवाद की संस्कृति विकसित हो। यदि व्यक्ति स्वस्थ होगा तो परिवार स्वस्थ होगा, परिवार स्वस्थ होगा तो समाज स्वस्थ होगा और समाज स्वस्थ होगा तो राष्ट्र एवं विश्व भी स्वस्थ और शांतिपूर्ण बन सकेगा।

योग और ध्यान की भारतीय परम्परा को आधुनिक युग की आवश्यकताओं के अनुरूप नई दिशा देने वाले महान दार्शनिक, चिंतक एवं आध्यात्मिक धर्मगुरु आचार्य महाप्रज्ञ का योगदान भी इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने 'प्रेक्षाध्यान' पद्धति के माध्यम से ध्यान की पारंपरिक अवधारणाओं को एक नया वैज्ञानिक एवं प्रयोगधर्मी स्वरूप प्रदान किया। सदियों से ध्यान मुख्यत: आध्यात्मिक साधना और मोक्ष के मार्ग के रूप में देखा जाता रहा था, किन्तु आचार्य महाप्रज्ञ ने उसे जीवन-विज्ञान, मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक संतुलन और व्यक्तित्व विकास से जोड़कर एक नई क्रांति का सूत्रपात किया। उनका मानना था कि मनुष्य यदि अपने शरीर, श्वास, चित्त, भावों और चेतना को 'प्रेक्षा' अर्थात् गहराई से देखना सीख जाए, तो उसके भीतर छिपी अनेक मानसिक विकृतियां स्वत: समाप्त होने लगती हैं। प्रेक्षाध्यान ने ध्यान को केवल साधु-संतों की साधना न रहने देकर सामान्य जनजीवन का हिस्सा बनाया।

वर्तमान समय में मानवता जिस दोराहे पर खड़ी है, वहां योग केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता बन गया है। यह शरीर को निरोग, मन को शांत, बुद्धि को निर्मल और आत्मा को जागृत करता है। यह युद्ध के स्थान पर शांति, हिंसा के स्थान पर करुणा और तनाव के स्थान पर संतुलन का मार्ग दिखाता है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का वास्तविक संदेश भी यही है कि मनुष्य बाहर की दुनिया को बदलने से पहले अपने भीतर की दुनिया को बदले। भारत ने योग के माध्यम से विश्व को एक अमूल्य उपहार दिया है। यदि मानवता इस उपहार का सही अर्थों में उपयोग करे, तो एक नई वैश्विक चेतना का उदय संभव है-ऐसी चेतना, जिसमें शांति हो, स्वास्थ्य हो, सह-अस्तित्व हो और समस्त मानवता के कल्याण का भाव हो। यही योग का स्वप्न है, यही भारत का संदेश है और यही भविष्य की सबसे बड़ी आवश्यकता भी।

-ललित गर्ग

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। माँग की सुस्तता के चलते शनिवार को खाद्य तेलों में बाजार नरमी के रहे। तिलहनों में सरसो बाजार नरमी पर रहे। दलहनों में चना मजबूत देखा गया। किराना जिंसों में व्यापार सामान्य ही रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार खाद्य तेलों में कमजोर व्यापार के बीच भावों में नरमी का रुख बना रहा। तिलहनों में सोयाबीन बाजार बने रहे। सरसो में बाजार नरमी के देखे गये। दलहनों में चना बाजार सुस्ती पर रहे। किराना जिंसों में तेजी-मंदी का अभाव रहा। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4210-4270, खोपरा गोला 370-410, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 750-755, मीनी मटरदाना 770-800, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1150-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 800-825, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2000-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाड़ा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 2700-2800, मीडि?यम 2900-3050, बेस्ट 3150-3250, एक्स्ट्रा बेस्ट 3300-3500, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 525-550, काजू (240) 880-925, काजू (210) 950-1000, काजू डब्ल्यू (340) 840-870, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 840-870, सिंगापुरी 850-860, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडि?यम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2800-2850, (160) 3250-3300, (200) 3750-3800, (250) 4400-4500

तेल- सींगदाना 1570-1590, मुम्बई 1600, राजकोट तेलिया 2480, सोया साल्वेंट 1365-1370, सोया रिफाइंड 1435-1440, कपास्या 1450-1460, धूलिया 1460, कड़ी 1460,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1570, मुम्बई पाम 1470, मुम्बई सोया 1450,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2600, देवास-उज्जैन 2600, खंडवा-बुरहानपुर 2575, अकोला 3925 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7500-7700, रायडा 6800, सोयाबीन 6800, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6000-6050, एवरेज 6000-6050, विशाल 5950-6000, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7000-8300, काबूली चना रशि?यन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7100-7250, मूंग पुराना बोल्ड 7500-7700, मीडियम 7400-7700, मोगर 5500-6500, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7400, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7700-7900, उड़द बेस्ट 8900-9000, उड़द गर्मी 8000-8400, हल्की 8500-8600,

दाल- चना दाल एवरेज 7450-7550, मीडियम 7650-7750, बोल्ड 7950-8150, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 280 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। शनिवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार सुस्त-सुस्त ही रहा। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार नरमी के रहे। भाव इस प्रकार रहे -

चाँदी (9999) 237000, चाँदी (99) 236800, टंच 236400, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 147100,

मुहर्रम के अवसर पर 26 जून को शेयर बाजार बंद रहेंगे

मुंबई। एजेंसी। मुहर्रम के अवसर पर 26 जून को शेयर बाजार बंद रहेंगे। मुहर्रम के कारण शुक्रवार को नेशनल स्टाक एक्सचेंज (एनएसई) और बाम्बे एक्सचेंज (बीएसई) पर इक्विटी, डेरिवेटिव्स और करेंसी सेगमेंट्स में कोई ट्रेडिंग नहीं होगी। दोनों स्टॉक एक्सचेंजों की हॉलिडे लिस्ट में यह छुट्टी मौजूद है। वैसे तो शेयर बाजार में हर शनिवार और रविवार को छुट्टी रहती है लेकिन इसके अलावा कुछ दूसरे खास मौकों और सार्वजनिक अवकाशों पर भी मार्केट बंद रहता है। बीएसई पर मौजूद जानकारी के मुताबिक, 26 जून को बीएसई में इक्विटी सेगमेंट, इक्विटी डेरिवेटिव सेगमेंट, करेंसी डेरिवेटिव्स सेगमेंट्स, ट्राई पार्टी रेपो सेगमेंट्स के लिए ट्रेडिंग हॉलिडे रहेगा। वहीं कमोडिटी डेरिवेटिव्स सेगमेंट और इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीप्ट्स में शाम का सेशन (शाम 5 बजे से 11:30/11:55 बजे तक) ओपन रहने वाला है।

ईरान-अमेरिका शांति से बाजार में बंपर उछाल, पर आईटी शेयरों ने लगाम कसी

मुंबई। एजेंसी। बीता सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए उतार-चढ़ाव भरा लेकिन अंततः महत्वपूर्ण रहा। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम होने और शांति समझौते की सहमति की खबरों ने बाजार में जबरदस्त उत्साह भर दिया, जिससे प्रमुख सूचकांकों ने कई नए रिकॉर्ड बनाए। हालांकि, सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन वैश्विक प्रौद्योगिकी क्षेत्र से मिली नकारात्मक खबर के कारण बाजार में गिरावट दर्ज की गई, जिससे पांच दिनों की लगातार तेजी पर ब्रेक लग गया। सप्ताह की शुरुआत शानदार रही, जब सोमवार को ईरान और अमेरिका के बीच जंग रोकने को लेकर बनी सहमति की खबर ने बाजार में जोश भर दिया। सेंसेक्स 1000 अंकों से अधिक की तेजी के साथ खुला और 736 अंकों की उछाल के साथ 76,000 के पार बंद हुआ, जबकि निफ्टी 231 अंकों की बढ़त दर्ज की। कच्चे तेल की

कीमतों में गिरावट ने निवेशकों का भरोसा और मजबूत किया। मंगलवार को भी यह सिलसिला जारी रहा, जहां टेक्नोलॉजी और घरेलू मांग वाले सेक्टर्स में खरीदारी के दम पर सेंसेक्स 544 अंकों की मजबूत छलांग लगाकर 76,808 के ऐतिहासिक स्तर पर बंद हुआ और निफ्टी 23,989 के पार पहुंच गया। बुधवार को बाजार सपाट खुला, लेकिन अमेरिका-ईरान शांति समझौते पर शुक्रवार को हस्ताक्षर होने की खबर ने सकारात्मकता बनाए रखी। गुरुवार को शुरुआती नरमी के बावजूद, बाजार ने मजबूत वापसी करते हुए लगातार पांचवें दिन बढ़त दर्ज की। सेंसेक्स 254 अंकों की शानदार तेजी के साथ 77,409 के एक और ऐतिहासिक स्तर पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 82 अंकों की बढ़त के साथ 24,168 के पार निकल गया। यह सप्ताह भर की तेजी का चरम था। हालांकि, शुक्रवार को बाजार की किस्मत पलटी। आईटी कंपनियों में भारी बिकवाली, खासकर एक्सेंचर के राजस्व वृद्धि अनुमानों में कटौती के बाद, निवेशकों में निराशा छा गई।

भारत बनेगा कुशल सेमीकंडक्टर पेशेवरों का केंद्र-अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली। एजेंसी। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घोषणा की है कि भारत वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग में कुशल मानव संसाधन का एक प्रमुख केंद्र बनने के लिए तैयार है। उन्होंने पटना में कहा कि इस क्षेत्र में 10 लाख पेशेवरों की वैश्विक कमी को देखते हुए, यह देश के लिए एक बड़ा अवसर है। मंत्री वैष्णव ने बताया कि लगभग 800 अरब डॉलर का वर्तमान सेमीकंडक्टर उद्योग एक वर्ष के भीतर 1 ट्रिलियन डॉलर को पार कर जाएगा, जिससे 2032 तक लगभग 10 लाख नई नौकरियां पैदा होंगी। उन्होंने कहा कि इस अवसर का लाभ उठाने के लिए भारत को सेमीकंडक्टर डिजाइन और विनिर्माण पर विशेष ध्यान देना होगा। वैष्णव ने पुष्टि की कि सरकार देश में विश्वस्तरीय सेमीकंडक्टर डिजाइन क्षमता विकसित करने पर काम कर रही है, ताकि भारतीय छात्र वैश्विक स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं में गिने जाएं। उन्होंने बताया कि सेमीकंडक्टर डिजाइन से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों से अब तक लगभग 75,000 छात्रों को आकर्षक अवसर मिले हैं, और लक्ष्य इस संख्या को 5 लाख तक पहुंचाना है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत में सेमीकंडक्टर निर्माण गतिविधियां पहले ही शुरू हो चुकी हैं, और उत्पादन बढ़ने के साथ कौशल विकास कार्यक्रम भी तैयार किए जाएंगे। मंत्री ने अपने एसटीपीआई केंद्र के दौरे के दौरान टियर-2 और टियर-3 शहरों में स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत करने के सरकार के प्रयासों पर भी प्रकाश डाला, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने युवा उद्यमियों के साथ बातचीत की और सरकारी सहायता को बेहतर बनाने के उपायों पर चर्चा की।

उपभोक्ताओं को गुमराह करने पर एफएसएसएआई सख्त, कई फूड ब्रांड्स को नोटिस

नई दिल्ली। एजेंसी। खाद्य सुरक्षा नियामक भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने भ्रामक दावों, ब्रांडिंग और लेबलिंग के जरिए उपभोक्ताओं को गुमराह करने वाले कई फूड बिजनेस के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। ग्राहकों से मिली शिकायतों के आधार पर एफएसएसएआई ने इन कंपनियों को नोटिस जारी कर तत्काल सुधार के उपाय करने का निर्देश दिया है। यह कार्रवाई फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट, 2006 और फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स (एडवरटाइजिंग एंड क्लेम्स) रेगुलेशंस, 2018 के नियमों के उल्लंघन पर की गई है। नियामक की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक ये नोटिस भ्रामक ब्रांड नामों, उत्पाद दावों और लेबलिंग से संबंधित नियमों के उल्लंघन के लिए भेजे गए हैं। एफएसएसएआई ने स्पष्ट किया कि कई खाद्य ऑपरेटर्स ऐसे दावे कर रहे थे जो ग्राहकों को गुमराह कर सकते थे या वैज्ञानिक प्रमाणों के बिना स्वास्थ्य लाभ का दावा करते थे। कार्रवाई के दायरे में आए कुछ प्रमुख उदाहरणों में प्लक्क का आम का जूस शामिल है, जिस पर नो एडेड शुगर का दावा किया गया था, जबकि जांच में उसमें गन्ने का रस पाया गया। इसी तरह, नेचुरल पनीर शब्द का इस्तेमाल भी मिश्रित खाद्य पदार्थों के लिए नेचुरल शब्द के उपयोग से संबंधित नियमों का उल्लंघन पाया गया। मास्टरचाउ फूड्स प्राइवेट लिमिटेड को 100 परसेंट नेचुरल, फ्रेशली मेड जैसे दावों और ऑर्गेनिक आटा के उल्लेख पर नोटिस मिला। फेरेरो इंडिया के किंडर जॉय पर रिच इन मिल्क सॉलिड्स के दावे और मैरिको लिमिटेड के सैफोला टोटल हार्ट प्रो कुकिंग ऑयल से जुड़े स्वास्थ्य दावों पर भी सवाल उठाए गए हैं। इसके अतिरिक्त, मेडिजेन लैब्स, नेक्सा इंडस्ट्रीज और रॉ प्रेसरी जैसी कंपनियों के स्वास्थ्य और प्रदर्शन संबंधी दावों के लिए वैज्ञानिक सबूतों की कमी पाई गई। सिर्फ भ्रामक दावों ही नहीं, बल्कि स्वच्छता मानकों के उल्लंघन पर भी कार्रवाई हुई है। बीकानेरवाला को एक स्टाफ सदस्य के काम के घंटों के दौरान सर्विस एरिया में खाने की शिकायत पर नोटिस भेजा गया।

मेष- आज आपका मन काम में पूरी तरह नहीं लग पाएगा और छोटी-छोटी बातों से ध्यान भटक सकता है। काम की रफ्तार थोड़ी धीमी रहने से आपको खुद पर थोड़ा दबाव महसूस होगा। पिताजी के साथ किसी बात को लेकर हल्की नोकझोंक हो सकती है, लेकिन उनकी बातों को समझना और सम्मान देना आपके लिए फायदेमंद रहेगा।

वृषभ- आज का दिन थोड़ी चुनौतियों के साथ शुरू हो सकता है। काम में मन कम लगेगा और कुछ लोग आपको भटकाने की कोशिश भी कर सकते हैं, लेकिन समझदारी इसी में होगी कि आप अपना ध्यान अपने लक्ष्य पर बनाए रखें। विद्यार्थियों को पढ़ाई में पूरी एकाग्रता के साथ जुटना होगा, क्योंकि आने वाला समय मेहनत मांग रहा है।

मिथुन- आज आर्थिक मामलों में किस्मत आपका अच्छा साथ दे सकती है। रुका हुआ या डूबा पैसा वापस मिलने की संभावना है, जिससे मन हल्का महसूस करेगा। बोलचाल में थोड़ा संयम रखना जरूरी होगा, क्योंकि आपकी कही गई बात किसी को चुभ सकती है। नए लोगों से संपर्क बढ़ेंगे और भविष्य में यही रिश्ते आपके काम आ सकते हैं।

कर्क- आज का दिन थोड़ा उलझनों भरा रह सकता है। संतान की संगति और गतिविधियों पर नजर रखना जरूरी होगा। यदि आप अपने कामों के लिए दूसरों पर ज्यादा निर्भर रहेंगे, तो मुश्किलें बढ़ सकती हैं। सामाजिक मामलों में लापरवाही आपके लिए परेशानी खड़ी कर सकती है, इसलिए हर कदम सोच-समझकर उठाएं। प्रॉपर्टी या बंटवारे से जुड़े मामलों में बहुत सावधानी से अपनी बात रखें, क्योंकि छोटी-सी गलती विवाद बढ़ा सकती है।

सिंह- आज का दिन आपके लिए सफलता और आत्मविश्वास लेकर आएगा। जिस काम में हाथ डालेंगे, उसमें अच्छे परिणाम मिलने की पूरी संभावना है। संतान के भविष्य को लेकर आप कोई बड़ा कदम उठा सकते हैं, जैसे नए कोर्स में दाखिला दिलाना। परिवार में धन से जुड़ा रुका हुआ काम भी पूरा हो सकता है।

कन्या- आज आपका मान-सम्मान बढ़ेगा और लोग आपकी मधुर वाणी से प्रभावित होंगे। बेवजह की चिंता आपके मन का संतुलन बिगाड़ सकती है, इसलिए छोटी बातों को दिल पर न लें। परिवार के बड़े सदस्यों की सेहत पर ध्यान देना जरूरी होगा। नया वाहन खरीदने का विचार आपके लिए शुभ साबित हो सकता है। पुरानी गलतियों से मिली सीख आज आपके बहुत काम आएगी।

तुला- आज का दिन आपके लिए नई उम्मीदें और सकारात्मक बदलाव लेकर आएगा। कुछ नया करने की इच्छा मजबूत होगी और निवेश से जुड़े फैसलों में भी आप आगे बढ़ सकते हैं। संतान के करियर से जुड़ी परेशानियां धीरे-धीरे दूर होती नजर आएंगी। कार्यक्षेत्र में अपनी निजी या जरूरी बातें किसी से साझा करने से बचें। कुछ खास लोगों से मुलाकात आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकती है।

वृश्चिक- आज का दिन थोड़ा उलझनों और मेहनत से भरा रह सकता है। काम ज्यादा रहेगा, लेकिन उसके अनुसार परिणाम न मिलने से मन में बेचैनी हो सकती है। पूजा-पाठ और आध्यात्मिक कार्यों में मन लगेगा, जिससे मानसिक शांति मिलेगी। जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बिताने का मौका मिलेगा। पुरानी गलतियों से सीख लेकर आगे बढ़ना आपके लिए जरूरी होगा। भाई-बहनों का सहयोग मिलेगा और पिताजी की सलाह आपके काम में बहुत मददगार साबित हो सकती है।

धनु- आज हर काम सोच-समझकर करने की जरूरत होगी। प्रॉपर्टी से जुड़ा कोई मामला आपको परेशान कर सकता है और उसके लिए बड़ा फैसला लेना पड़ सकता है। विद्यार्थियों को पढ़ाई में लापरवाही से बचना होगा। सेहत को लेकर थोड़ा सतर्क रहें और अपनी दिनचर्या पर ध्यान दें। घर के छोटे बच्चे आपसे किसी चीज की जिद कर सकते हैं और आप उनकी खुशी के लिए वह मांग पूरी भी करेंगे।

मकर- आज नया काम शुरू करने के लिए समय अच्छा है। परिवार के रिश्तों में मजबूती आएगी और विरोधी आपकी बढ़ती पहचान देखकर खुद ही दूरी बना सकते हैं। राजनीति या सामाजिक क्षेत्र में आगे बढ़ने वाले लोगों को सतर्क रहना होगा। किसी और का वाहन चलाने से बचें, क्योंकि छोटी-सी गलती कानूनी परेशानी खड़ी कर सकती है। नौकरी या करियर से जुड़ा कोई काम आपको यात्रा पर ले जा सकता है।

कुंभ- आज आपको अपनी कमाई और खर्चों के बीच संतुलन बनाकर चलने की जरूरत होगी। दिखावे में ज्यादा खर्च करना आगे परेशानी बढ़ा सकता है। किसी भी काम में जल्दबाजी करना नुकसानदेह साबित हो सकता है। विद्यार्थियों को परीक्षा के परिणाम से जुड़ी अच्छी खबर मिल सकती है, जिससे घर में खुशी का माहौल बनेगा।

मीन- आज सेहत को लेकर दिन थोड़ा उतार-चढ़ाव भरा रह सकता है। मन किसी बात को लेकर परेशान रहेगा और पुराने कर्ज को चुकाने का दबाव भी महसूस हो सकता है। घर में किसी शुभ या मांगलिक कार्यक्रम की तैयारी शुरू होने से माहौल खुशियों से भर जाएगा। जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने जाने का मौका मिल सकता है, जिससे रिश्तों में नयापन आएगा। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे लोगों को अपनी मेहनत और तेज करनी होगी।

शब्दजाल - 8296

शब्द जाल ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके पीछे राज शब्द लगा है.नाम उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

रामराज, नागराज, पुखराज, अधिराज, देवराज, योगीराज, दराज, धर्मराज, महाराज, युवराज

शब्दजाल - 8295 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

21 जून 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

रविवार 2026 वर्ष का 172 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम ऋतु वर्षा।
विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948
मास ज्येष्ठ पक्ष शुक्ल
तिथि सप्तमी 15.21 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पूर्वाफाल्गुनी 09.32 बजे को समाप्त। योग सिद्धि(अमृत) 11.22 बजे को समाप्त।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक
चर	07.23 से	08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक	चर	08.41 से	10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक	रोग	10.14 से	11.46 बजे तक
काल	11.46 से	01.14 बजे तक	काल	11.46 से	01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक	शुभ	04:24 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 7240

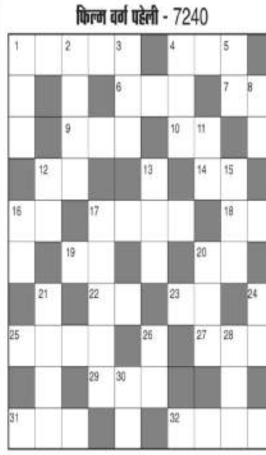

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, शशि, नीतू की 'एक रास्ता है ज़िंदगी' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'ये नैन डरे डरे' गीत वाली विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
६. 'पहला पहला प्यार' गीत वाली सनी, शम्मू, रीमासेन की फिल्म-३
९. संजयदत्त, पूजा भट्ट की 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'कुछ लोग मुहब्बत करके' गीत वाली राजीव कपूर, डिम्पल की फिल्म-२
१२. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की जोड़ी वाली पहली फिल्म-२
१४. 'डाकिया डाक लाया' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानसी की फिल्म-२
१६. आमिर खान, माधुरी की 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'थोड़ा है थोड़े की जरूरत' गीत वाली राकेश रोशन, बिंदिया की फिल्म-२,२
१८. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मैंने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
१९. सनी देओल, सुनील शेट्टी, अजय जडेजा, सोनिया ओहरी की फिल्म-२
२०. 'डकैत' में मीनाक्षी का नायक?-२
२२. फिल्म 'परिंदा' में 'अन्ना' के चरित्र की भूमिका किसने की थी?-२
२३. अमिताभ, जीनत की 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'बीती ना बिताई रैना' गीत वाली जीतेंद्र, जया भादुड़ी की फिल्म-४
२७. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली आफताब, लिसा रे की फिल्म-३
३१. संजीव कुमार, राखी की 'मन मेरा तुझको माँगे' गीत वाली फिल्म-३
३२. 'तारे हैं बाराती' गीत वाली अनिल कपूर, तब्बू की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'कितना प्यारा वादा' गीत वाली फिल्म-३
२. सुनील, किशोर साण्ड्र की फिल्म-४
३. सुनील शेट्टी, करिश्मा, रवीना, सोनाली की 'सुंदरा सुंदरा' गीत वाली फिल्म-३
४. 'देखा तुझे तो' गीत वाली फिल्म जिसमें शाहरुख ने गूंगे की भूमिका की थी-३
५. 'नज़रें मिलीं दिल धड़का' गीत वाली संजयकपूर, माधुरी की फिल्म-२
८. अनिलकपूर, श्रीदेवी की 'कभी मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
११. 'अबके बरस ये हाल है' गीत किस म्यूजिक एलबम का है-२
१२. विश्वजीत, माला सिन्हा की 'मिलते गिरामी दुआ है' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'टक टका टक' गीत वाली संजय कपूर, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-३
१५. ऋषि, सनी, मीनाक्षी की 'बिन साजन झूला झूलूं' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'शोला और शबनम' की नायिका-२
१७. जैकी श्रॉफ, संजयदत्त, माधुरी की 'पालकी में होके सवार' गीत वाली फिल्म-५
२०. संजय, विवेकमुशरन, मनीषा की फिल्म-३
२१. जीतेंद्र, नंदा की 'देखते ही तुझे मेरे दिलने कहा' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
२६. लकी अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
२८. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीतवाली फिल्म-३
३०. मिलिंद, राहुल देव, नताशा सिंह की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 7239

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः संतों की निराली सूझ

किसी जंगल में दो संत रहा करते थे. दुनिया से उन्हें कोई सरोकार नहीं था. एकान्त में रहते थे और अपना पूरा समय प्रभु की आराधना में व्यतीत करते थे. उनकी अपनी चर्या थी, जिसमें किसी प्रकार की विघ्न-बाधा उन्हें पसन्द नहीं थी. एक दिन उन्हें पता चला कि वहां का राजा उनसे मिलने आ रहा है. इस समाचार से वे बड़े हैरान हुए. उनका भोला-भाला मन बेचैन हो गया. दोनों मिलकर विचार करने लगे कि आगे क्या हो? उन्होंने सोचा कि अगर राजा को यह मालूम हो गया कि हम अच्छे लोग हैं तो वह बार-बार यहां आवेगा और हमारे ध्यान आदि में बाधा पड़ेगी. इसलिए हमें कोई ऐसा उपाय करना चाहिए, जिससे राजा समझे कि हम सामान्य व्यक्ति हैं. सोचते-सोचते उन्होंने अपना मार्ग निश्चित कर लिया. जब राजा आने को हुआ तो दोनों संत अपने हाथ में एक-एक डंडा लेकर अपनी कुटिया के बाहर आ खड़े हुए और लगे आपस में झगड़ने. एक ने ऊंचे स्वर में कहा, ''तू अपने को समझता क्या है! मैंने इतना पढ़ा है कि तू तीन जन्म में भी नहीं पढ़ सकता.'' दूसरा आंखें तरेरकर बोला, ''बड़ा आया है अपने ज्ञान की डींग मारनेवाला ! तूने जितना पढ़ा है, उससे ज्यादा तो मेरे चेले पढ़ चुके हैं.'' पहले संत ने और भी तेज होकर कहा, ''तू पेटू है. दिन भर खाता रहता है.'' दूसरा बोला, ''तू मुझे पेटू कहता है! अरे, अपनी ओर देख. तेरा पेट नहीं, भट्टी है.'' राजा थोड़ी दूर पर खड़ा उनकी बातें उनकी बातें सुन रहा था. उसकी समझ में नहीं आ रहा था कि यह क्या हो रहा है. वह जिन्हें ऊंचा संत मानकर आया था, वे तो कुंजड़ों की तरह लड़ रहे थे. राजा को बड़ी निराशा हुई. वह उल्टे पांव लौट गया. राजा के जाने पर संतों ने चैन की सांस ली और अपनी-अपनी साधना में लीन हो गये. संतों की योजना सफल रही. राजा फिर कभी वहां नहीं आया.

सूडोकु नवताल- 7549

★★★★☆ मध्यम

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7548 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

शब्द पहेली - 8764

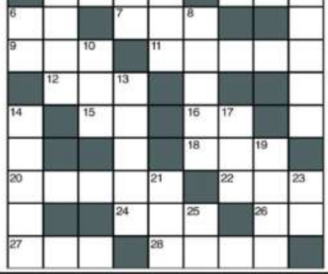

बाएँ से दाएँ

1. सुरक्षित, संरक्षित-4
4. उत्सुकता, जिज्ञासा-3
6. पिता के पिता-2
7. नमस्कार, प्रणाम-3
9. आखेट मंच-3
11. आत्मबलिदानी-5
12. प्लेट, तश्तरी-3
15. रहस्य, भेद-2
16. जी, चित्त-2
18. जुड़वा-3
20. मन का मिलना-5
22. नल, टोंटी-3
24. देवर्षि, देवमुनि-3
26. गुप्तचर, जासूस-2
27. गमन, विदा होना-3
28. ईश्वर, रब-4

ऊपर से नीचे

1. सद्चरित्रता-3
2. इच्छा, मर्जी-2
3. अंधकार, अंधेरा-3
5. धार्मिक आयोजन स्थल तक मंगल कलश ले जाना-5
6. मोल, कीमत, दर-2
8. नरक के समान-5
10. बेकार, अयोग्य-3
13. बुआई करना-2,3
14. विश्वविजेता, संसार जीतने वाला (उर्दू-5)
17. प्रणाम, नमस्कार-3
19. जल में रहने वाला-4
21. स्वर्ग का विलोम-3
23. छोटी सवारी गाड़ी-2
25. कीमत, भाव-2

शब्द पहेली -8763 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

जैन मंदिर के सामने सड़क पर पड़े दो बड़े गड्ढे दे रहे दुर्घटना को आमंत्रण, नगर परिषद की अनदेखी से जनजीवन खतरे में

पद्मेश न्यूज। लांजी । नगर का सबसे व्यस्ततम मार्ग लांजी-बालाघाट रोड पर जैन मंदिर के ठीक सामने हाऊबाग क्षेत्र में सड़क के बीचों-बीच दो बड़े गड्ढे लगभग महीने से बने हुए हैं। जो कि दुर्घटना को आमंत्रण दे रहे हैं। हाल में डिवाइडर बनने के बाद समस्या और बढ़ गई है, लेकिन नगर परिषद की ओर से अब तक कोई ठोस मरम्मत नहीं की गई है। स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों में आक्रोश फैला हुआ है।

गड्ढे बने दुर्घटना का सबब

जानकारी के अनुसार, ये गड्ढे लगभग एक माह से सड़क पर बने हुए हैं। दिनभर भारी वाहनों की आवाजाही वाले इस मार्ग पर गड्ढों के कारण छोटी गाड़ियां और दोपहिया वाहन अक्सर अनियंत्रित हो जाते हैं। रात में तो स्थिति और खतरनाक हो जाती है। स्थानीय लोगों ने बताया कि गड्ढों के पास सिर्फ औपचारिकता के तौर पर स्टापर रख दिए गए हैं, जो किसी भी वाहन के फिसलने या दुर्घटना का कारण बन सकते हैं। लोगों का कहना है कि यह मार्ग दिन भर भारी वाहन और यातायात देखता है। गड्ढे इतने बड़े हैं कि रात में अथवा बारिश होने पर यह दिखाई नहीं देंगे और कोई भी गाड़ी फंस कर पलट सकती है। स्कूल जाने वाले बच्चों और पैदल राहगीरों के लिए यह मार्ग पूरी तरह असुरक्षित हो गया है स्थानीय लोगों का कहना है कि गड्ढे बनने के तुरंत बाद नगर परिषद को सूचना दे दी गई थी, लेकिन अब तक केवल स्टापर रखकर समस्या को टाल दिया गया है। नागरिकों ने नगर परिषद की निष्क्रियता पर सवाल उठाते हुए कहा कि जिम्मेदार अधिकारी सिर्फ फाइलों तक सीमित रह गए हैं, जबकि आम जनता रोजाना जान जोखिम में डालकर गुजर रही है। वार्ड वासियों ने गड्ढों की तुरंत और गुणवत्तापूर्ण मरम्मत (फिलिंग व समतलीकरण) तत्काल किए जाने की मांग की है। स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते गड्ढे नहीं भरे गए तो किसी भी दिन गंभीर दुर्घटना हो सकती है, जिसकी जिम्मेदारी नगर परिषद की होगी।

मंडी टैक्स बढ़ोतरीः किसानों-व्यापारियों पर नया बोझ

एक राष्ट्र एक कर का दोहरा चेहरा - गौरीशंकर सातपुते

पद्मेश न्यूज। लांजी । केंद्र सरकार की 'एक राष्ट्र, एक कर' की बात करने वाली प्रदेश सरकार ने कृषि उपज मंडी में 1 प्रतिशत का मंडी टैक्स बढ़ाकर 1.5 प्रतिशत कर दिया है। इस फैसले से पहले से ही संकट झेल रहे किसानों की कमर और टूट गई है, जबकि व्यापारी वर्ग में आक्रोश फैल गया है। सरकार एक तरफ निःशुल्क शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का वादा करती है, वहीं दूसरी ओर किसानों की मेहनत की उपज पर सीधा टैक्स बढ़ाकर उनके आय को रातोंरात 50 प्रतिशत कम कर दिया है। लांजी व्यापारी संघ के अध्यक्ष गौरीशंकर सातपुते ने मीडिया को दिए विशेष बयान में इस फैसले की तीखी आलोचना की। उन्होंने कहा, किसान पहले ही बढ़ती लागत, गिरते दाम और प्राकृतिक आपदाओं से परेशान हैं। ऐसे में मंडी टैक्स में 0.50 प्रतिशत की बढ़ोतरी करना सरकार की किसान-विरोधी नीति को उजागर करता है। यह फैसला नैतिकता के खिलाफ है। टैक्स का बोझ सीधे किसान पर पड़ता है, क्योंकि मंडी में बिकने वाली उपज का 0.5 प्रतिशत अतिरिक्त हिस्सा अब किसान की जेब से जाएगा।

किसान-व्यापारी दोनों पर मार

व्यापारी नेताओं का कहना है कि यह बढ़ोतरी न केवल किसानों की आय घटाएगी बल्कि व्यापार करने की लागत भी बढ़ाएगी। अनौपचारिक रूप से कई छोटे व्यापारी और आढ़तिये पहले ही संकट का सामना कर रहे थे। नया टैक्स उनके मुनाफे को और सिकोड़ देगा। लांजी व्यापारी संघ ने इस फैसले का पुरजोर विरोध जताते हुए इसे अनावश्यक और असंवेदनशील करार दिया है। सरकार के इस कदम से किसान और व्यापारी वर्ग में गहरा असंतोष व्याप्त है। वहीं कृषि उपज मंडी के कुछ अधिकारियों और कर्मचारियों में अजीब उत्साह दिखाई दे रहा है। गौरीशंकर सातपुते ने व्यंग्य पूर्वक कहा कि बिना लाइसेंस वाले व्यापारियों

के माल को ऊपर से छोड़ने के नाम पर अब ज्यादा चाय-पानी की कमाई होने वाली है। यानी टैक्स बढ़ोतरी का असली फायदा शायद सरकारी तंत्र को ही मिलने वाला है, जबकि असली हितधारक किसान और व्यापारी दोहरी मार झेल रहे हैं।

'एक राष्ट्र एक कर' का विरोधाभास

विपक्षी दलों और किसान संगठनों का आरोप है कि केंद्र 'एक राष्ट्र, एक कर' (तस्त्र) की बात कर रही है, लेकिन राज्य स्तर पर कृषि क्षेत्र में ऐसे कर बढ़ाए जा रहे हैं जो किसान अर्थव्यवस्था को कमजोर करते हैं। कृषि उपज मंडी टैक्स कृषि से जुड़ा कर है और इसे बढ़ाने से पूरे आपूर्ति श्रृंखला पर असर पड़ता है ङ्क खेत से मंडी तक, मंडी से बाजार तक। गौरीशंकर सातपुते ने कहा कि जहां एक ओर सरकार फसल बीमा, सिंचाई और न्यूनतम समर्थन मूल्य की बात करती है, वहीं मंडी में टैक्स बढ़ाकर वही किसानों को जोखिम में डाल दिया जाता है। किसान की उपज पर टैक्स लगाना नैतिक रूप से गलत है। सरकार को राहत देनी चाहिए, बोझ नहीं बढ़ाना चाहिए। व्यापारी संघ ने इस मुद्दे को लेकर उच्च अधिकारियों और कृषि मंत्री तक शिकायत भेजने की तैयारी कर ली है। साथ ही व्यापक विरोध प्रदर्शन और धरना-प्रदर्शन करने की चेतावनी भी दी है। किसान संगठन भी इस फैसले के खिलाफ एकजुट होने लगे हैं।

करो योग, रहो निरोग
आज अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर विद्यालयों में होगा कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। लांजी । करो योग, रहो निरोग के संदेश के साथ 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर नगर के शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय लांजी परिसर में मुख्य कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें बड़ी संख्या में नागरिकों, विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं

विभिन्न विभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों की सहभागिता रहेगी। कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों की उपस्थिति प्रातः 6 बजे सुनिश्चित की जाएगी। इसके पश्चात अतिथियों के उद्बोधन एवं कार्यक्रम के औपचारिक शुभारंभ के साथ राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा जाएगा। इस दौरान प्रधानमंत्री के संबोधन का प्रसारण भी किया जाएगा। इसके बाद निर्धारित योग प्रोटोकॉल के अनुसार सामूहिक योगाभ्यास कराया जाएगा। योग विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कराते हुए योग के महत्व और उसके स्वास्थ्य लाभों की जानकारी भी दी जाएगी। विद्यालय के प्राचार्य ने क्षेत्र के समस्त नागरिकों, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर योग दिवस कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि नियमित योग से शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य बेहतर रहता है तथा अनेक रोगों से बचाव संभव है। योग करो, रोज करो, योग से रोग दूर करो के संदेश के साथ सभी से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया गया है।

सावरी खुर्द स्कूल के सामने हादसे की आशंका

सैकड़ों स्कूली बच्चों के लिए खतरा बने स्कूल गेट के पास 11 केवी लाइन व खड़े ऊंचे पेड़

पद्मेश न्यूज। लांजी । क्षेत्र के ग्राम पंचायत सावरी खुर्द स्थित शासकीय एकीकृत शाला के मुख्य प्रवेश द्वार के पास लगे तीन विशाल लिफ्टन के पेड़ इन दिनों सैकड़ों स्कूली बच्चों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन गए हैं। पेड़ों के बेहद नजदीक से 11 केवी विद्युत लाइन सहित दो घरेलू बिजली तार गुजर रहे हैं। पेड़ों की बढ़ी हुई शाखाएं लगातार विद्युत तारों के संपर्क में टूटकर आ रही हैं, जिससे आए दिन शॉर्ट सर्किट, चिंगारियां निकलने और आग लगने जैसी घटनाएं हो रही हैं। करीब 3-4 बार विद्युत तार टूट गई है। जिससे किसी बड़े हादसे की आशंका लगातार बनी हुई है। ग्रामीणों और अभिभावकों का कहना है कि विद्यालय में प्रतिदिन सैकड़ों छात्र-छात्राएं अध्ययन करने आते हैं। स्कूल का मुख्य प्रवेश द्वार इन्हीं पेड़ों के पास होने के कारण बच्चे सीधे जोखिम वाले क्षेत्र से होकर विद्यालय पहुंचते हैं। यदि स्कूल समय के दौरान कोई विद्युत तार टूटकर गिर जाए या करंट प्रवाहित हो जाए तो बड़ी जनहानि हो सकती है। इसके बावजूद अब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया है। ग्रामीणों ने बताया कि 19 जून को भी पेड़ों की शाखाओं के कारण बिजली लाइन में शॉर्ट सर्किट हुआ था। उस समय स्कूल पहुंचे बच्चे भय के कारण अंदर नहीं जा सके और उन्हें काफी देर तक विद्यालय के बाहर इंतजार करना पड़ा। घटना के दौरान चिंगारियां और धुआं निकलने से बच्चों एवं अभिभावकों में दहशत का माहौल बन गया था। ग्रामीणों का आरोप है कि इस संबंध में विद्युत विभाग को कई बार शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। विभागीय कर्मचारियों द्वारा इसे अपना कार्य नहीं बताया जा रहा है। ग्रामीणों, अभिभावकों और स्कूल प्रबंधन ने प्रशासन से मांग की है कि सैकड़ों बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए स्कूल गेट के पास खड़े खतरनाक पेड़ों की तत्काल कटाई-छंटाई कराई जाए तथा विद्युत लाइनों को सुरक्षित बनाया जाए, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से पहले इस गंभीर समस्या का समाधान हो सके।

पीएम किसान सम्मान निधि की 23वीं किश्त जारी, बालाघाट के 3.36 लाख से अधिक किसानों को मिला लाभ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 20 जून को पश्चिम बंगाल के तारकेश्वर (हुगली) से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 23वीं किश्त का सिंगल क्लिक के माध्यम से देशभर के किसानों के बैंक खातों में अंतरण किया। इस अवसर पर बालाघाट जिले में भी कार्यक्रम का सीधा प्रसारण कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाहॉल में प्रदर्शित किया गया, जिसमें किसानों, जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में अपर कलेक्टर डी.पी. बर्मन, अधीक्षक भू-अभिलेख कृष्णा नायक सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। इसके अलावा जिले की सभी तहसीलों एवं विकासखंड मुख्यालयों में भी कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया, जहां बड़ी संख्या में किसानों ने प्रधानमंत्री का संबोधन सुना। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना तथा मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के माध्यम से पात्र किसान परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। दोनों योजनाओं के अंतर्गत किसानों को प्रतिवर्ष 6-6 हजार रुपये की राशि तीन समान किश्तों में प्रदान की जाती है। इस प्रकार किसानों को सालाना कुल 12 हजार रुपये की आर्थिक सहायता सीधे उनके बैंक खातों में प्राप्त होती है। बालाघाट जिले में इन दोनों योजनाओं के तहत 3 लाख 36 हजार 130 किसान परिवार लाभान्वित हो रहे हैं। 23वीं किश्त जारी होने के साथ ही जिले के किसानों के खातों में राशि पहुंच गई है, जिससे उन्हें खेती-किसानी और अन्य आवश्यक कार्यों में आर्थिक सहायता मिलेगी। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश के अन्य जिलों की तुलना में बालाघाट जिले के सर्वाधिक किसान परिवार प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि एवं मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। इससे किसानों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होने के साथ-साथ कृषि गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिल रहा है। किसानों ने योजनाओं के माध्यम से नियमित रूप से मिल रही आर्थिक सहायता के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि यह राशि कृषि कार्यों में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान कर रही है।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत भूमिपूजन एवं गृहप्रवेश कार्यक्रम संपन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों के लिए स्वीकृत आवासों का भूमिपूजन एवं पूर्ण निर्मित आवासों का गृहप्रवेश कार्यक्रम नगर पालिका परिषद वारासिवनी द्वारा गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, नगर पालिका अधिकारियों एवं बड़ी संख्या में हितग्राहियों की उपस्थिति रही।

शासन द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार 4 मई से 31 जुलाई 2026 तक स्वीकृत आवासों के भूमिपूजन का अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 20 जून 2026 को ऐसे हितग्राहियों, जिनके आवास निर्माण कार्य पूर्ण हो चुके हैं, उनका गृहप्रवेश कराया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत पूजन-अर्चन के साथ किया गया। इस अवसर पर नवीन स्वीकृत आवासों के निर्माण कार्य के लिए हितग्राहियों द्वारा भूमिपूजन संपन्न कराया गया। वहीं पूर्ण निर्मित आवासों के हितग्राहियों को आवास की चाबी सौंपकर गृहप्रवेश कराया गया तथा उनके नए जीवन की शुरुआत पर शुभकामनाएं दी गईं।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री सूर्यप्रकाश उके ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 का उद्देश्य

प्रत्येक पात्र परिवार को सुरक्षित, सम्मानजनक एवं स्थायी आवास उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि यह योजना गरीब एवं निम्न आय वर्ग के परिवारों के जीवन स्तर में सुधार लाने के साथ-साथ उन्हें सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा भी प्रदान कर रही है। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे पात्र हितग्राहियों तक पहुंच रहा है, जिससे पक्के आवास का सपना साकार हो रहा है।

नगर पालिका परिषद द्वारा हितग्राहियों को योजना से संबंधित आवश्यक जानकारी प्रदान की गई तथा निर्माण कार्य को निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्वक पूर्ण करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित हितग्राहियों ने शासन एवं नगर पालिका परिषद के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस योजना के माध्यम से उन्हें अपने परिवार के लिए सुरक्षित एवं सुविधायुक्त आवास प्राप्त हो रहा है।

इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों ने हितग्राहियों से शासन की अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने का भी आह्वान किया। कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं हितग्राही उपस्थित रहे।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

भीड़ प्रबंधन के लिए बनेंगे हाईटेक होल्डिंग एरिया

मप्र के 3 रेलवे स्टेशनों इंदौर, उज्जैन और सीहोर पर क्राउड मैनेजमेंट बड़ा चैलेंज, रेलवे ने निकाला हाईटेक सॉल्यूशन

भोपाल। धार्मिक आयोजन, पर्यटन और व्यापारिक गतिविधियों के कारण मध्य प्रदेश के 3 रेलवे स्टेशनों को अब देश के उन चुनिंदा 72 स्टेशनों में शामिल किया गया है, जहां यात्रियों की भीड़ को हाईटेक तरीके संभालने की तैयारी है. भारतीय रेलवे ने एक साल पहले देशभर के रेलवे स्टेशनों पर क्राउड मैनेजमेंट को लेकर राइट्स(रेल इंडिया टेक्निकल एंड इकोनॉमिक्स सर्विस) के माध्यम से सर्वे कराया था, इसमें सामान्य दिनों के साथ विशेष पर्वों, धार्मिक आयोजनों और बड़े आयोजनों के दौरान यात्रियों की संख्या देखी गई. इनमें उज्जैन, इंदौर और सीहोर रेलवे स्टेशन शामिल हैं।

सर्वे रिपोर्ट के आधार पर ऐसे रेलवे स्टेशन चिह्नित किए गए, जहां आने वाले समय में यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए नई व्यवस्थाएं जरूरी हैं. रेलवे अधिकारियों ने बताया कि रिपोर्ट के बाद उज्जैन, इंदौर और सीहोर रेलवे स्टेशन चुने गए हैं, जहां होल्डिंग एरिया बनाने करने की तैयारी की जा रही है. उज्जैन में प्लेटफॉर्म नंबर 1 और प्लेटफॉर्म नंबर 8 पर यात्रियों के लिए विशेष व्यवस्था प्रस्तावित है. इंदौर और सीहोर में भी होल्डिंग एरिया बनाये जाने हैं.

इन स्टेशनों पर भीड़ की वजह

उज्जैन में महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन और धार्मिक आयोजनों के कारण सालभर बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं. शनिवार-रविवार, महाशिवरात्रि, नागपंचमी, शनि अमावस्या, सोमवती अमावस्या, भूतड़ी अमावस्या, श्रावण-भादौ मास, अधिकमास जैसे मौकों पर यात्रियों की संख्या कई गुना बढ़ जाती है. सीहोर रेलवे स्टेशन पर कुबरेश्वर धाम में होने वाली कथाओं और धार्मिक आयोजनों के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का आवागमन होता है. इंदौर व्यापार, उद्योग, शिक्षा और रोजगार का बड़ा केंद्र होने के साथ-साथ उज्जैन, ओंकारेश्वर सहित धार्मिक स्थलों की यात्रा का प्रमुख मार्ग है. यही कारण है कि इन स्टेशनों पर भविष्य की जरूरतों को देखते हुए भीड़ प्रबंधन की योजना बनाई जा रही है. साल 2028 के सिंहस्थ महापर्व को देखते हुए उज्जैन सहित आसपास के रेलवे स्टेशनों पर यात्री दबाव और बढ़ने की संभावना है.

राइट्स ने कैसे किया सर्वे

रेल इंडिया टेक्निकल एंड इकोनॉमिक्स सर्विस (राइट्स) के सर्वे के दौरान यात्रियों से बातचीत कर उनकी परेशानियों को समझा गया. ड्रोन सर्वे, जिला प्रशासन से समन्वय, भीड़ के आने-जाने के पैटर्न, प्रमुख पर्वों पर यात्रियों की संख्या और ट्रेनों से आने वाले यात्रियों का आकलन किया गया. इसका उद्देश्य यह पता लगाना था कि यात्रियों को कहां परेशानी होती है और आने वाले समय में किस तरह सुविधाएं बढ़ाई जाएं, जिससे कोई दुर्घटना और घटना ना हो.

होल्डिंग एरिया में होंगी कई सुविधाएं

होल्डिंग एरिया बनने के बाद यात्रियों को ट्रेन के इंतजार के लिए प्लेटफॉर्म पर भीड़ लगाने की जरूरत कम होगी. इससे स्टेशन पर अव्यवस्था घटेगी और यात्रियों का सफर ज्यादा सुविधाजनक होगा। होल्डिंग एरिया में बड़ा वेटिंग एरिया और बैठने की पर्याप्त व्यवस्था, कुर्सियां, बेंच और आरामदायक प्रतीक्षा क्षेत्र, महिला, पुरुष और दिव्यांग यात्रियों के लिए वॉशरूम, ट्रेन डिस्प्ले सिस्टम और डिजिटल सूचना व्यवस्था, बेहतर अनाउंसमेंट सिस्टम, पीने के पानी की सुविधा, फूड काउंटर और कैफेटेरिया, मोबाइल चार्जिंग पॉइंट और वाई-फाई सुविधा, सीसीटीवी निगरानी और आरपीएफ सुरक्षा व्यवस्था, बुजुर्गों और दिव्यांग यात्रियों के लिए विशेष सुविधाएं, पर्वों और भीड़ वाले दिनों में यात्रियों को अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर भेजने की व्यवस्थित योजना रहेगी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल ने 59 बच्चों की शिक्षा का उठाया जिम्मा

बच्चों की पढ़ाई के साथ-साथ उनके परिवारों को भी आर्थिक सहयोग प्रदान

भोपाल। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल द्वारा संचालित एक सामाजिक पहल के तहत जिले के 59 जरूरतमंद और अभिभावक-विहीन बच्चों की शिक्षा एवं भविष्य संवारने का संकल्प लिया गया है। इस योजना के माध्यम से बच्चों की पढ़ाई के साथ-साथ उनके परिवारों को भी आर्थिक सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, स्वर्गीय विजय कुमार खंडेलवाल की स्मृति में स्थापित विजय सेवा न्यास द्वारा संचालित बेसहारा को सहारा अभियान के तहत ऐसे बच्चों को सहायता दी जा रही है, जिन्होंने दुर्घटना, बीमारी या अन्य कारणों से अपने माता-पिता अथवा अभिभावकों को खो दिया है। वर्ष 2025 में इस पहल के अंतर्गत 41 बच्चों को सहयोग दिया गया था, जबकि वर्ष 2026 में लाभार्थियों की संख्या बढ़कर 59 हो गई है। योजना के तहत निजी विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों की स्कूल फीस का वहन किया जा रहा है। इसके अलावा प्रत्येक बच्चे को शैक्षणिक सामग्री के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। वहीं, उनके अभिभावकों या परिजनों को भी वार्षिक आर्थिक सहयोग दिया जा रहा है, ताकि बच्चों की शिक्षा प्रभावित न हो। शासकीय विद्यालयों और छात्रावासों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को भी विशेष सहायता प्रदान की जा रही है।

पढ़ाई जारी रखना चुनौतीपूर्ण हो गया था

इस पहल से लाभान्वित बच्चों और उनके परिजनों ने बताया कि आर्थिक कठिनाइयों के कारण पढ़ाई जारी रखना चुनौतीपूर्ण हो गया था, लेकिन इस सहयोग से उन्हें नई उम्मीद मिली है। कई परिवारों ने इसे बच्चों के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण सहारा बताया। जिले में यह सामाजिक प्रयास शिक्षा और सेवा के क्षेत्र में एक सकारात्मक उदाहरण बनकर सामने आया है। स्थानीय लोगों का मानना है कि इस प्रकार की पहल जरूरतमंद बच्चों के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकती है और उन्हें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ा सकती है।

आयुष्मान योजना की लिमिट दोगुनी करे सरकार

कैंसर की दवाओं रेट में में 50 प्रतिशत तक बढ़ोतरी पर नेता प्रतिपक्ष की सरकार से मांग

भोपाल। मध्यप्रदेश के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कैंसर की आवश्यक दवाओं की कीमतों में हुई बेतहाशा बढ़ोतरी को लेकर केंद्र और राज्य सरकार पर तीखा निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की संवेदनहीनता और राज्य सरकार की लाचारी के कारण मध्यप्रदेश के गरीब कैंसर मरीज आज मौत के मुंह में धकेल दिए गए हैं। सिंघार ने सरकार से मांग की है कि जब तक दवाओं के दाम कम नहीं होते, तब तक आयुष्मान योजना के तहत कैंसर मरीजों के इलाज की लिमिट को तुरंत दोगुना किया जाए।

नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने वैश्विक युद्ध का बहाना बनाकर कैंसर की अत्यंत आवश्यक दवाओं के दामों में 50 प्रतिशत तक वृद्धि करने की क्रूर अनुमति दे दी है। इस फैसले के बाद मध्यप्रदेश में जीवन रक्षक दवाएं बेहद महंगी हो चुकी हैं, जिससे आम और गरीब मरीजों की परेशानी दोगुनी हो गई है।

मरीजों पर पड़ा कमरतोड़ आर्थिक बोझ

उमंग सिंघार ने दवाओं की बढ़ी कीमतों से मरीजों पर पड़ने वाले आर्थिक प्रभाव के आंकड़े साझा करते हुए कहा- कीमोथेरेपी का बढ़ा खर्च, दवाओं के दाम बढ़ने से मरीजों की एक बार की कीमोथेरेपी साइकिल का खर्च 2,000 से 3,000 तक बढ़ गया है। जिन गंभीर मरीजों को 6 से 12 कीमो साइकिल की जरूरत होती है, उनके इलाज का कुल खर्च ?15,000 से ?20,000 तक महंगा हो गया है। यह गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों की आर्थिक रीढ़ तोड़ने जैसा है।

बाजार से दवाएं गायब, ब्लैक मार्केटिंग का खेल

सिंघार ने स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि सबसे शर्मनाक स्थिति यह है कि दामों में 50 प्रतिशत की वृद्धि किए जाने के बावजूद बाजार से 'प्लैटिनम-बेस्ड' जैसी बेहद जरूरी दवाइयां गायब हैं। बाजार में इन दवाओं की भारी किल्लत है और बैकग्राउंड में ब्लैक मार्केटिंग (कालाबाजारी) का गंदा खेल धड़ल्ले से चल रहा है, जिसे रोकने में सरकार पूरी तरह नाकाम रही है। विपक्ष ने सरकार के सामने मांगें रखी है कि जब तक दवा कंपनियां बढ़ी हुई कीमतें वापस नहीं लेतीं और बाजार में दवाओं की किल्लत दूर नहीं होती, तब तक सरकार आयुष्मान योजना के तहत कैंसर इलाज की तय सीमा (लिमिट) को तत्काल दोगुना करे। पैसों या दवाओं की कमी के कारण किसी भी मरीज का इलाज बीच में नहीं छूटना चाहिए। अपनी कुर्सी बचाने में व्यस्त सरकार को अब विज्ञापनों की दुनिया से बाहर आना चाहिए और प्रदेश में उपजे इस गंभीर स्वास्थ्य संकट पर तुरंत ध्यान देना चाहिए।

जुलाई-अगस्त में हो सकती है शिक्षक पात्रता परीक्षा

भोपाल। मध्य प्रदेश में शिक्षक पात्रता परीक्षा को लेकर स्कूल शिक्षा विभाग ने तैयारियां तेज कर दी हैं। विभाग जुलाई या अगस्त में टीईटी आयोजित करने की योजना बना रहा है, जिसमें प्रदेश के डेढ़ लाख से अधिक शिक्षकों के शामिल होने की संभावना है। लोक शिक्षण संचालनालय के आयुक्त ने शिक्षक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक में भरोसा दिलाया है कि परीक्षा की तैयारी के लिए आवश्यक अध्ययन सामग्री ऑनलाइन उपलब्ध कराई जाएगी। इससे शिक्षक घर बैठे ही अध्ययन कर सकेंगे और परीक्षा की बेहतर तैयारी कर पाएंगे। विभाग सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुरूप टीईटी से संबंधित नई गाइडलाइन जारी करने की तैयारी में भी जुटा है। साथ ही वर्ष 2005 से 2009 के बीच व्यापमं के माध्यम से चयनित शिक्षकों को टीईटी के दायरे में शामिल किया जाए या नहीं, इस पर भी मंथन चल रहा है। इस संबंध में विधि विशेषज्ञों से राय ली जा रही है।

टीईटी को लेकर बढ़ी शिक्षकों की चिंता

सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले के बाद मध्य प्रदेश समेत देशभर के शिक्षक संगठनों में चिंता का माहौल है। अध्यापक-शिक्षक संयुक्त मोर्चा ने इस मुद्दे को लेकर 5 सितंबर, शिक्षक दिवस के अवसर पर दिल्ली में राष्ट्रीय स्तर पर आंदोलन करने की घोषणा की है। मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. क्षत्रवीर सिंह राठौर और प्रदेश महामंत्री राकेश गुप्ता ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय के 29 मई 2026 के फैसले के अनुसार कक्षा 1 से 8 तक पढ़ाने वाले सभी शिक्षकों के लिए टीईटी उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा।

शिक्षक संगठनों का कहना है कि वर्ष 2010 से पहले नियुक्त शिक्षकों की भर्तियां उस समय लागू नियमों के तहत वैध रूप से हुई थीं। ऐसे में उनके सेवा अधिकारों और भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संसद में आवश्यक कानूनी संशोधन किए जाने चाहिए। इसी मांग को लेकर 18 जून को जिलों में कलेक्टरों के माध्यम से प्रधानमंत्री और केंद्रीय शिक्षा मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया है। शिक्षक संगठनों का कहना है कि यदि उनकी मांगों पर विचार नहीं किया गया, तो बड़े स्तर पर आंदोलन किया जाएगा।

नईम अब्दुल्ला और शाकिर मेव को भेजा गया जेल

भोपाल। भोपाल में एटीएस द्वारा संदिग्ध आतंकी गतिविधियों से जुड़े मामले में गिरफ्तार नईम अब्दुल्ला और शाकिर मेव को कड़ी सुरक्षा के बीच शनिवार को कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने दोनों आरोपियों को ज्यूडिशियल रिमांड पर जेल भेज दिया है। वहीं मामले में आरोपी इजहार उल हक को कोर्ट ने 22 जून तक एटीएस रिमांड पर सौंपा है। जॉच एंजेसी अब इन आरोपियों से जुड़े नेटवर्क, संपर्कों और गतिविधियों की जांच कर रही है। सूत्रों के मुताबिक पूछताछ के दौरान आरोपियों से कई अहम जानकारियां सामने आने पर एटीएस की जांच का दायरा बढ़ गया है। जानकारी के मुताबिक एटीएस की कार्रवाई में संदिग्ध आतंकी नेटवर्क से जुड़े अब तक चार लोगों की गिरफ्तारी की जा चुकी है। जांच एजेंसी ने सबसे पहले भोपाल से मोहम्मद फराज उर्फ खालिद सैफुल्ला को हिरासत में लिया था। इसके बाद सहारनपुर से नईम अब्दुल्ला कुरैशी और राजस्थान के अलवर इलाके से शाकिर मेव को गिरफ्तार किया।

वहीं मामले में बिहार के मधुबनी से इजहार उल हक को भी पकड़ा गया है। जॉच एंजेसी ने सभी आरोपियों से पूछताछ शुरू की, जिसमें नेटवर्क, संपर्कों और गतिविधियों से जुड़े कई अहम इनपुट मिलने की बात सामने आई है। रिमांड पर लिये गये इजहार उल हक से संदिग्ध आतंकी नेटवर्क से जुड़े होने, कट्टरपंथी गतिविधियों में शामिल होने और प्रतिबंधित संगठनों से संपर्क के संबध में पूछताछ की जायेगी।

भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत के दौरान टूटा मंच

कई घायल, मची अफरा-तफरी

भोपाल । राजगढ़ में शनिवार को बड़ा हादसा हो गया। भाजपा युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर के स्वागत कार्यक्रम के लिए बनाया गया मंच अचानक भरभराकर टूट गया। जिस दौरान दुर्घटना हुई, उस वक्त प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर मंच पर मौजूद थे। उनके साथ राजगढ़ जिला अध्यक्ष समेत कई कार्यकर्ता भी मौजूद थे जो मंच गिरने के बाद गिर गए।

हादसे में कई कार्यकर्ता चोटिल हो गए हैं। बता दें कि प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद श्याम टेलर पहली बार राजगढ़ दौरे पर पहुंचे थे। उनके स्वागत के लिए जगह-जगह कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे थे। इसी दौरान एक स्वागत कार्यक्रम में मंच पर प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर, राजगढ़ जिला अध्यक्ष समेत कई कार्यकर्ता मौजूद थे। घटना के बाद कार्यक्रम स्थल पर अफरा-तफरी मच गई।

कार्यक्रम के दौरान अचानक मंच टूट गया और उस पर मौजूद लोग नीचे गिर गए। हादसे में कई कार्यकर्ताओं को मामूली चोटें आई हैं। घटना के बाद मौके पर मौजूद कार्यकर्ताओं ने स्थिति संभाली हादसे के बाद कुछ समय के लिए कार्यक्रम स्थल पर अफरा-तफरी की स्थिति बनी रही। हालांकि राहत की बात यह रही कि किसी के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना नहीं है। फिलहाल घटना को लेकर जानकारी जुटाई जा रही है।

विनोद/ 20 जून /2026

भोपाल, रानी कमलापति और निशातपुरा यार्ड में बनेगा हाईटेक ड्रेनेज सिस्टम

भोपाल। रेलवे संचालन को अधिक सुरक्षित, सुचारु और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप बनाने के लिए भोपाल रेल मंडल अपने प्रमुख रेलवे यार्डों के उन्नयन की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रहा है। इसके तहत रानी कमलापति, भोपाल और निशातपुरा रेलवे यार्ड में नई ड्रेनेज (जल निकासी) व्यवस्था विकसित की जाएगी और अन्य जरूरी सुधार कार्य किए जाएंगे। इस परियोजना पर लगभग 18.45 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे और इसे नौ महीने में पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

जलभराव कम होने से ट्रैक, सिग्नल और अन्य उपकरण सुरक्षित रहेंगे रेलवे यार्ड में हर साल बारिश के दौरान जलभराव की समस्या सामने आती है। कई जगह पानी लंबे समय तक जमा रहने से ट्रैक, पाइंट्स, सिग्नल सिस्टम और अन्य रेलवे उपकरणों को नुकसान पहुंचने का खतरा बना रहता है। इसके कारण ट्रेनों के रखरखाव और परिचालन कार्यों में भी परेशानी होती है। इसी समस्या को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने नई ड्रेनेज व्यवस्था तैयार करने का निर्णय लिया है। परियोजना के तहत यार्ड में ऐसी नालियां बनाई जाएंगी, जिनसे बारिश का पानी तेजी से बाहर निकल सके। इसके अलावा जरूरत के अनुसार अन्य आधारभूत सुविधाओं में भी सुधार किया जाएगा। इससे ट्रैक के आसपास पानी जमा नहीं होगा और रेलवे के महत्वपूर्ण उपकरण सुरक्षित रहेंगे।

रेलवे अधिकारियों का मानना है कि इस काम के पूरा होने के बाद यार्ड की कार्यक्षमता बढ़ेगी और ट्रेनों के रखरखाव संबंधी काम पहले से अधिक सुचारू तरीके से किए जा सकेंगे। जलभराव कम होने से कर्मचारियों को भी काम करने में सुविधा मिलेगी और आपात स्थिति में ट्रैक व उपकरणों तक पहुंच आसान होगी। 18.45 करोड़ रुपये की यह परियोजना सिर्फ नालियां बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि रेलवे यार्ड की सुरक्षा, ट्रैक की मजबूती और ट्रेनों के निर्बाध संचालन के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। इसके पूरा होने से भोपाल रेल मंडल के प्रमुख यार्डों में आधुनिक और बेहतर जल निकासी व्यवस्था विकसित हो सकेगी, जिससे भविष्य में बारिश के मौसम में होने वाली परेशानियां काफी हद तक कम होने की उम्मीद है।

विनोद/ 20 जून /2026

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु के मुख्य आतिथ्य में जबलपुर में होगा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आयोजन

भोपाल। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के मुख्य आतिथ्य में 21 जून को जबलपुर के सदर स्थित गैरिसन ग्राउंड में 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। 卐स्वस्थ आयु के लिए योग卐 थीम पर आधारित इस कार्यक्रम में लगभग 5 हजार नागरिक और 31 स्कूलों के 3,400 से अधिक छात्र-छात्राएं सामूहिक योगाभ्यास करेंगे। कार्यक्रम में राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा तथा अन्य मंत्रीगण भी शामिल होंगे।

इसके पश्चात राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के 36वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल पटेल करेंगे, जबकि मुख्यमंत्री डॉ. यादव और उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार विशिष्ट अतिथि रहेंगे।

दीक्षांत समारोह में 141 मेधावी विद्यार्थियों को 240 स्वर्ण पदक प्रदान किए जाएंगे, जिनमें से 20 स्वर्ण पदक राष्ट्रपति स्वयं प्रदान करेंगी। इसके अलावा 182 शोधार्थियों को पीएचडी उपाधि दी जाएगी। समारोह का विशेष आकर्षण राष्ट्रपति, राज्यपाल, मुख्यमंत्री और अन्य विशिष्ट अतिथियों के साथ स्वर्ण पदक विजेताओं एवं उपाधि प्राप्तकर्ताओं का ग्रुप फोटो रहेगा।

जुताई और बुवाई के लिए बारिश का इंतजार कर रहे किसान

मप्र के मौसम पर अल नीनो का प्रहार, तेलंगाना में अटके मानसून से सूखे का संकट

भोपाल । लगातार अवर्षा से जूझ रहे पश्चिम मध्य प्रदेश में इस बार फिर मानसून पर अल नीनो का खतरा मंडरा रहा है। लिहाजा मॉनसून सीजन शुरू होने के बावजूद, यहां बादल बरसने की स्थिति में नहीं हैं। माना जा रहा है कि इस बार औसत से कम बारिश के कारण यहां सूखे जैसी स्थिति बन सकती है। जिसका असर स्थानीय कृषि और आम जन-जीवन के अलावा महंगाई के रूप में पड़ने की आशंका है। वहीं किसान जुताई और बुवाई के लिए बारिश का इंतजार कर रहे हैं। जहां तक खरीफ फसल के लिए खेत की जुताई का सवाल है, तो किसान फसल की बुवाई के लिए बारिश का इंतजार कर रहे हैं। किसान संतोष सोमतिया का कहना है कि खेतों में खाद डालने और बुवाई के लिए बारिश का इंतजार है।

अल नीनो प्रशांत महासागर में होने वाली एक ऐसी प्राकृतिक घटना है, जिसमें समुद की सतह असामान्य रूप से गर्म हो जाती है। ऐसी स्थिति में समुद्री तल से भारत की ओर आने वाली मानसूनी हवाएं भी गर्म हो जाती हैं, जो अपने साथ नमी को मानसून के रूप में आगे नहीं बढ़ा पाती है। ऐसी स्थिति में दक्षिण पश्चिम मानसून कमजोर पड़ जाता है और मानसून में होने वाली बारिश भी औसत या कमजोर हो जाती है। इधर भारत में अल नीनो का यही असर जून माह में मानसून का सीजन शुरू होने के साथ ही नजर आ रहा है। 15 जून के बाद जहां प्रदेश के विभिन्न इलाकों में बारिश का दौर शुरू होना था, उस समय यहां भीषण गर्मी का दौर जारी है। चौंकाने वाली स्थिति यह है कि दिन का तापमान अधिक रहने के साथ रात के तापमान में भी वृद्धि हो चुकी है। ऐसी स्थिति में दिन के अलावा रातें भी गर्म हो रही हैं।

सामान्य से कम बारिश होने की आशंका

आधा जून का महीना बीत जाने के बाद प्रदेश में जो प्री मानसून की आंशिक बारिश हुई, वह भी असामान्य रूप से अलग-अलग क्षेत्र में कुछ देर के लिए हुई। इस स्थिति के चलते अब माना जा रहा है कि इस साल का मानसून औसत रूप से कमजोर रहने वाला है। इसके चलते मालवा निमाड़ अंचल में सामान्य से कम बारिश होने की आशंका है।

खरीफ फसल की सिंचाई के लिए करनी होगी व्यवस्था

मौसम विज्ञानी और कृषि विशेषज्ञ बताते हैं कि अल नीनो के कारण इस बार मानसून 90 से 92 प्रतिशत रहेगा। इसके अलावा बारिश के सीजन में भी कई-कई दिनों तक बारिश नहीं होने की आशंका रहेगी। ऐसी स्थिति में खरीफ की फसल को बचाने के लिए किसानों को फसल में सिंचाई की समानांतर व्यवस्था करनी पड़ेगी। वहीं, अब किसानों को कम पानी वाली फसल बुवाई की गाइडलाइन जारी की गई है।

कृषि उत्पादन होगा प्रभावित, बढ़ेगी महंगाई

प्रदेश का पश्चिमी हिस्सा कृषि आधारित है यहां की कृषि आमतौर पर मानसून पर निर्भर है। ऐसी स्थिति में यदि यहां बारिश सामान्य नहीं हो पाती है, तो खरीफ की फसल सोयाबीन, धान और मक्का की फसल के उत्पादन में भारी गिरावट आ सकती है। ऐसी स्थिति में किसानों पर भी मौसम की मार पड़ने की आशंका है। यही वजह है कि अब कृषि विभाग भी किसानों को कम पानी वाली फसल की बुवाई की सलाह दे रहा है। ऐसी स्थिति में कृषि उत्पादन कम होने से बाजार में खाद्यान्न की कीमत भी बढ़ जएगी। जिससे देश की अर्थव्यवस्था पर भी दबाव पड़ेगा।

कई राज्यों में सूखे का संकट

मानसून के सीजन में इस बार अल नीनो के प्रभाव से भारत में मानसून की गति कमजोर पड़ गई है। केरल, तमिलनाडु होते हुए मानसून तेलंगाना, ओडिशा, झारखंड के अलावा बिहार और महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों तक पहुंच गया है। लेकिन इसके आगे बढ़ने के लिए मानसून की गति धीमी हो गई है। इस कारण मौसम और कृषि वैज्ञानिक चिंता में हैं।

सचिव अब बिना मंजूरी नहीं कर सकेंगे बाहर यात्रा

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग और ऊर्जा संरक्षण के आह्वान के बाद मध्य प्रदेश सरकार ने प्रशासनिक खर्चों में कटौती और कार्यप्रणाली में मितव्ययता बढ़ाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। अब विभागीय सचिवों को प्रदेश के बाहर सरकारी यात्रा करने से पहले मुख्य सचिव की अनुमति लेना अनिवार्य होगा। साथ ही अधिकारियों और कर्मचारियों की अनावश्यक यात्राओं पर भी नियंत्रण रखा जाएगा।

सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी निर्देशों में कहा गया है कि बैठकों, कार्यशालाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और सेमिनारों का आयोजन यथासंभव वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया जाए, ताकि समय और संसाधनों दोनों की बचत हो सके। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पहले ही अपने सरकारी काफिले में वाहनों की संख्या घटाकर उसे सीमित कर चुके हैं और उसमें इलेक्ट्रिक वाहनों को भी शामिल किया गया है। सरकारी कार्यक्रमों में वाहनों के सीमित उपयोग के निर्देश पहले से लागू हैं।

सार्वजनिक परिवहन और कार-पूलिंग को बढ़ावा

नई व्यवस्था के तहत अधिकारियों और कर्मचारियों को कार्यालय आने-जाने के लिए सार्वजनिक परिवहन, कार-पूलिंग और इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। केंद्र सरकार से जुड़े मामलों में नई दिल्ली और मुंबई स्थित आवासीय आयुक्त कार्यालयों की सहायता लेने पर भी जोर दिया गया है।

ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण पर फोकस

सरकार ने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने, रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग, पाइप्ड नेचुरल गैस नेटवर्क के विस्तार और उज्ज्वला योजना के डुप्लीकेट एवं अपात्र कनेक्शनों की पहचान के लिए अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। निर्माण विभागों को पर्यावरण-अनुकूल निर्माण सामग्री के उपयोग और उसके प्रचार-प्रसार की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है।

सोलर पैनल और जन-जागरूकता अभियान

सभी विभागों को प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के तहत घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाने के लिए लोगों को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए गए हैं। जनसंपर्क विभाग ऊर्जा संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण और संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग को लेकर व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाएगा।

रणनीतिक खनिजों पर विशेष ध्यान

खनिज साधन विभाग को लिथियम, कोबाल्ट, रेयर अर्थ, कॉपर और कोयला जैसे रणनीतिक खनिजों की स्वीकृतियों और लीज प्रक्रिया को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि आयात पर निर्भरता कम की जा सके।

यशस्वी का शतक, प्रसिद्ध का पंजा; भारत ने अफगानिस्तान को 9 विकेट से हराकर सीरीज 3-0 से जीती

चेन्नई। भारतीय क्रिकेट टीम ने अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज का शानदार समापन करते हुए तीसरे और अंतिम मुकाबले में 9 विकेट से एकतरफा जीत दर्ज की। एमए चिदंबरम स्टेडियम (चेपॉक) में शनिवार को खेले गए मैच में भारत ने 219 रनों का लक्ष्य महज 28.4 ओवर में हासिल कर लिया। इस जीत के साथ शुभमन गिल की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने तीन मैचों की वनडे सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली।

भारत की जीत के नायक युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा रहे। यशस्वी ने नाबाद 110 रन की शानदार पारी खेलते हुए अपने वनडे करियर का दूसरा शतक जड़ा, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा ने घातक गेंदबाजी करते हुए 23 रन देकर 5 विकेट हासिल किए।

यशस्वी-रोहित ने आसान बनाया लक्ष्य

219 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को कप्तान रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल ने तेज शुरुआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों ने अफगान गेंदबाजों पर दबाव बनाते हुए पहले विकेट के लिए मजबूत साझेदारी की।

रोहित शर्मा ने 69 गेंदों में 79 रन बनाए, जिसमें 9 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। उन्हें मोहम्मद नबी ने सेदिकुल्लाह अटल के हाथों कैच कराया। इसके बाद यशस्वी जायसवाल और श्रेयस अय्यर ने कोई जोखिम नहीं लिया और टीम को जीत तक पहुंचाया।

यशस्वी ने 86 गेंदों में नाबाद 110 रन की पारी खेली, जिसमें 14 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। वहीं श्रेयस अय्यर 20 रन बनाकर नाबाद लौटे।

प्रसिद्ध कृष्णा ने अफगान बल्लेबाजी की कमर तोड़ी

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने दूसरे ही ओवर में रहमानुल्लाह गुरबाज (5) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद प्रसिद्ध कृष्णा ने लगातार झटके देते हुए रहमत शाह (5), इब्राहिम जादरान (11) और दरविश रसूली (11) को भी पवेलियन भेज दिया। महज 36 रन पर चार विकेट गंवाकर अफगानिस्तान संकट में आ गया था।

हालांकि कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी और अजमतुल्लाह उमरजई ने पांचवें विकेट के लिए 105 रनों की साझेदारी कर टीम को संभालने की कोशिश की। उमरजई ने 56 गेंदों में 50 रन बनाए, जिसमें 5 चौके और 2 छक्के शामिल थे।

उमरजई के आउट होने के बाद अफगानिस्तान की पारी फिर लड़खड़ा गई। मोहम्मद नबी 21 रन बनाकर आउट हुए, जबकि राशिद खान केवल 5 रन ही बना सके।

शाहिदी का पहला वनडे शतक भी नहीं बचा सका टीम को

एक छोर पर डटे कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए अपने वनडे करियर का पहला शतक पूरा किया। उन्होंने 131 गेंदों पर 102 रन बनाए, जिसमें 13 चौके और एक छक्का शामिल था। शाहिदी की इस जुझारू पारी की बदौलत अफगानिस्तान 44.2 ओवर में 218 रन तक पहुंच सका।

भारत की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा ने सबसे सफल गेंदबाज रहते हुए 5 विकेट लिए। वहीं हर्ष दुबे, गुरनूर बरार और प्रिंस यादव को एक-एक सफलता मिली।

भारत ने पूरे दौरे में दिखाया दबदबा

भारतीय टीम इससे पहले धर्मशाला में खेले गए पहले वनडे में 7 विकेट और लखनऊ में दूसरे मुकाबले में 170 रनों से जीत दर्ज कर चुकी थी। चेपॉक में मिली जीत ने सीरीज में भारत का दबदबा पूरी तरह साबित कर दिया।

इस मैच में भारत ने अर्शदीप सिंह, केएल राहुल और कुलदीप यादव को आराम दिया था, जबकि नीतीश कुमार रेड्डी, प्रसिद्ध कृष्णा और हर्ष दुबे की प्लेइंग इलेवन में वापसी हुई।

अफगानिस्तान के खिलाफ भारत का रिकॉर्ड और मजबूत

वनडे क्रिकेट में भारत और अफगानिस्तान के बीच अब तक 7 मुकाबले खेले जा चुके हैं। इनमें भारत ने 6 मैच जीते हैं, जबकि एक मुकाबला टाई रहा। अफगानिस्तान अब भी भारत के खिलाफ अपनी पहली वनडे जीत की तलाश में है। चेपॉक में मिली हार के बाद यह इंतजार और लंबा हो गया है।

संन्यास के बाद भारतीय विकेटकीपर केएस भरत ने छोड़ा देश

दुबई में तलाश रहे नए क्रिकेटिंग अवसर

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज केएस भरत, जिन्होंने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी, अब नए अवसरों की तलाश में दुबई शिफ्ट हो गए हैं। उनके संन्यास के दो सप्ताह बाद यह खबर आई है कि वह संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में अपने करियर की एक नई शुरुआत कर सकते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत के इस 32 वर्षीय पूर्व क्रिकेटर ने दुबई का रुख कर लिया है और वह फिलहाल इस अमीरात के क्रिकेट इकोसिस्टम में खुद के लिए संभावनाओं की तलाश कर रहे हैं। यह कदम भारतीय क्रिकेटरों के बीच बढ़ती प्रवृत्ति को दर्शाता है, जहाँ खिलाड़ी संन्यास के बाद विदेशों में क्रिकेट करियर के विकल्प तलाशते हैं।

शुरुआत के तौर पर, केएस भरत को एमिरेट्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) द्वारा आयोजित किए जा रहे एक स्थानीय टूर्नामेंट की टीम में शामिल किया गया है। यह प्रतियोगिता शुक्रवार को दुबई के आईसीसी एकेडमी ओवल-1 में शुरू हुई, जिसमें भरत को टीम स्टैलियंस के स्क्वाड का हिस्सा बनाया गया है। टीम स्टैलियंस उन चार टीमों में से एक है जो सात मैचों के दो दिवसीय व्हाइट-बॉल टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा कर रही हैं। ईसीबी के अनुसार, इस प्रतियोगिता को क्रिकेट के लंबे प्रारूप के लिए आवश्यक मानसिकता और कौशल विकसित करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। इसमें भाग लेने वाली अन्य टीमें टीम फाल्कन्स, टीम लेपर्ड्स और टीम ईगल्स हैं। भरत ने क्रिकबज के सवालों का तुरंत कोई जवाब नहीं दिया, लेकिन समझा जाता है कि वह यूएई की फ्रेंचाइजी लीग आईएलटी20 (आईएलटी20) में भी अवसरों की तलाश कर सकते हैं, जो नवंबर और दिसंबर में आयोजित होने वाली है।

आईएलटी20 खिलाड़ियों की नीलामी अक्टूबर में होने की उम्मीद है, और भरत के पास नीलामी के लिए पंजीकरण कराने का पर्याप्त समय है। अमीरात क्रिकेट के एक अधिकारी ने क्रिकबज को बताया, वह विभिन्न देशों के कई अन्य अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटरों की तरह दुबई आ गए हैं, और यहां अल्पकालिक और दीर्घकालिक दोनों तरह के अवसरों की तलाश कर रहे हैं। भरत ने भारत के लिए कुल सात टेस्ट मैच खेले हैं और एक विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में अपनी पहचान बनाई थी। इस महीने की शुरुआत में अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट से संन्यास लेने का उनका फैसला कई लोगों के लिए चौंकाने वाला था। उनका यह कदम विजय शंकर के इसी तरह के फैसले के बाद आया है, जिन्होंने हाल ही में लंका प्रीमियर लीग में खेलने के अवसर को स्वीकार किया था। यह प्रवृत्ति संकेत देती है कि भारतीय क्रिकेटरों के लिए अब संन्यास के बाद भी क्रिकेट से जुड़े रहने के लिए विदेशी लीग एक आकर्षक विकल्प बन रहे हैं, जिससे वे अपने खेल करियर को एक नया आयाम दे सकते हैं।

चोट के बाद नीरज चोपड़ा की शानदार वापसी

नई दिल्ली। चोट की मार, आठ महीने का लंबा इंतजार और फिर दुनिया के सबसे बड़े मंचों में से एक पर वापसी भारतीय जैवलीन थ्रो के पोस्टर बॉय नीरज चोपड़ा के लिए दोहा डायमंड लीग 2026 केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि उनके अदम्य साहस और जुझारूपन की एक नई कहानी थी। लगभग आठ महीने तक पीठ की चोट से जूझने के बाद, 28 वर्षीय पूर्व ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता ने एक बार फिर मैदान पर कदम रखा। हालांकि यह वापसी वैसी नहीं रही जैसी उनके करोड़ों प्रशंसक उम्मीद कर रहे थे, लेकिन खेल के प्रति उनका समर्पण और तकनीक आज भी उतनी ही लाजवाब दिखी। नीरज चोपड़ा प्रतियोगिता में चौथे स्थान पर रहे, लेकिन उन्होंने आगामी राष्ट्रमंडल खेलों के लिए क्वालीफाई करके यह साबित कर दिया कि शेर भले ही कुछ समय के लिए शांत था, लेकिन वह शिकार करना भूला नहीं है।

दोहा की सुहानी शाम और खचाखच भरे स्टेडियम में जब नीरज चोपड़ा ने अपने हाथ में भाला थामा, तो पूरे देश की धड़कनें थमी हुई थीं। एक लंबे अंतराल के बाद मैदान पर उतरने का दबाव साफ दिख रहा था, जिसका असर उनके पहले प्रयास पर पड़ा। नीरज का पहला थ्रो फाउल रहा, जो किसी भी एथलीट के लिए चोट के बाद वापसी करते हुए पहली ही कोशिश में मानसिक रूप से परेशान कर सकता है। ऐसा लगा कि शायद शरीर के जंग को साफ होने में अभी थोड़ा और वक्त लगेगा। लेकिन नीरज चोपड़ा आम खिलाड़ियों से अलग मिट्टी के बने हैं। वे जानते हैं कि दबाव को कैसे अपनी ताकत बनाना है। दूसरे प्रयास के बाद, खेल के तीसरे दौर में पूर्व विश्व नंबर 1 खिलाड़ी ने अपने चिर-परिचित अंदाज की झलक दिखाई। उन्होंने पूरी ताकत और सटीक कोण के साथ भाला हवा में लहराया, जिसने 85.69 मीटर की दूरी तय की। इस शानदार थ्रो के साथ ही नीरज ने अंक तालिका में लंबी छलांग लगाई और तीसरे स्थान पर पहुंच गए। स्टेडियम में मौजूद भारतीय प्रशंसक झूम उठे और ऐसा लगा कि नीरज अपने पुराने रंग में लौट आए हैं। चोट के बाद इस स्तर की दूरी हासिल करना यह दिखाता है कि उनकी मांसपेशियों की ताकत और तकनीक अभी भी कितनी मजबूत है।

इसके बाद चौथे दौर में नीरज ने अपनी निरंतरता बनाए रखने की कोशिश की। उन्होंने 83.45 मीटर का एक और मजबूत थ्रो फेंका। हालांकि यह उन्हें और ऊपर ले जाने के लिए काफी नहीं था, लेकिन इसने उनको लय को बनाए रखा। प्रतियोगिता के पांचवें दौर में समीकरण बदल चुके थे। शीर्ष तीन में बने रहने और अंतिम शूटआउट (फाइनल राउंड) के लिए क्वालीफाई करने के लिए नीरज को हर हाल में 86 मीटर से अधिक की दूरी नापनी थी। दबाव एक बार फिर बढ़ रहा था। नीरज ने अपनी पूरी जान झोंक दी, लेकिन बदकिस्मती से उनका यह प्रयास भी फाउल थ्रो में बदल गया। इस फाउल के साथ ही वह तीसरे स्थान से खिसककर चौथे स्थान पर आ गए और दोहा डायमंड लीग में उनका सफर यहीं समाप्त हो गया।

भले ही नीरज इस बार पोडियम पर जगह बनाने से चूक गए और यह वह परिणाम नहीं था जिसकी उन्होंने कल्पना की होगी, लेकिन इस प्रदर्शन के पीछे छिपे सकारात्मक पहलुओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इस प्रतियोगिता का सबसे बड़ा हासिल यह रहा कि नीरज चोपड़ा ने 2026 राष्ट्रमंडल खेलों के लिए निर्धारित 82.61 मीटर के कड़े क्वालिफिकेशन मार्क को बेहद आसानी से पार कर लिया। एक एथलीट के लिए चोट के बाद अपनी पहली ही अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में बड़े टूर्नामेंट का टिकट पक्का करना एक बहुत बड़ी कामयाबी माना जाता है। इस बार भाला फेंक की दुनिया में जबरदस्त प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। रोम डायमंड लीग में 92.62 मीटर का हैरतअंगेज थ्रो फेंककर तहलका मचाने वाले श्रीलंका के उभरते सितारे रुमेश थरंगा पथिरागे ने दोहा में भी अपना दबदबा कायम रखा। श्रीलंकाई सनसनी ने 88.68 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वहीं, ग्रेनाडा के अनुभवी और पूर्व विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स ने 86.38 मीटर की दूरी तय कर दूसरा स्थान हासिल किया। अमेरिका के कर्टिस थॉम्पसन ने भी नीरज को कड़ी टक्कर दी और 85.99 मीटर के थ्रो के साथ तीसरे स्थान पर कब्जा जमाया। दोहा डायमंड लीग की यह कहानी नीरज चोपड़ा के लिए एक नई शुरुआत जैसी है। आठ महीने तक ट्रैक से दूर रहने के बाद 85 मीटर से अधिक का थ्रो फेंकना यह दर्शाता है कि उनका 'गोल्डन आर्म' अभी भी पूरी तरह सुरक्षित है। यह प्रतियोगिता उनके लिए अपनी कमियों को परखने और शरीर की फिटनेस को आंकने का एक बेहतरीन जरिया साबित हुई है। राष्ट्रमंडल खेल 2026 अब ज्यादा दूर नहीं हैं, और नीरज के इस प्रदर्शन ने यह साफ कर दिया है कि वे आने वाले समय में अपने खेल को धार को और तेज करेंगे। चौथे स्थान की यह निराशा निश्चित रूप से उनके भीतर एक नई आग फूंकेगी, और दुनिया बहुत जल्द 'जैवलीन किंग' को फिर से सोने पर निशाना लगाते हुए देखेगी।

90 मिनट तक मूर्ति बनकर टीम का हौसला बढ़ाता है कांगो का अनोखा सुपर फैन

नई दिल्ली। फुटबॉल के मैदान में खिलाड़ियों के साथ-साथ दर्शकों का उत्साह भी किसी मैच को यादगार बना देता है। लेकिन लोकतांत्रिक गणराज्य कांगो का एक समर्थक ऐसा है, जिसने अपने अनोखे अंदाज से पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। मिशेल नकुका म्बोलाडिंगा, जिन्हें लोग 'लुमुम्बा वेआ' के नाम से जानते हैं, आज कांगो फुटबॉल की पहचान बन चुके हैं। हाल ही में विश्व कप में पुर्तगाल के खिलाफ कांगो के ऐतिहासिक मुकाबले के दौरान उनकी अनुपस्थिति चर्चा का विषय बनी रही। विश्व कप में 52 वर्षों बाद वापसी कर रही कांगो की टीम ने पुर्तगाल जैसी मजबूत टीम को 1-1 की बराबरी पर रोककर सबको चौंका दिया।

भारत-साउथ अफ्रीका की ऐतिहासिक भिड़ंत, भारत की हैट्रिक पर नजरें

मैनचेस्टर । विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत रविवार को एमिरेट्स ओल्ड ट्रैफर्ड में साउथ अफ्रीका से भिड़ेगा। लगातार दो मैच जीतने के बाद विमेन इन ब्लू की नजरें हैट्रिक लगाने पर हैं। यह मैच ऐतिहासिक है क्योंकि विमेंस टी20 वर्ल्ड कप में दोनों टीमें पहली बार आमने-सामने होंगी। यह मुकाबला पिछले साल के वनडे वर्ल्ड कप फाइनल की यादें भी ताजा करता है, जहां भारत ने साउथ अफ्रीकी टीम को हराकर ट्रॉफी जीती थी। हालांकि, रविवार का मुकाबला टी20 वर्ल्ड कप का सिर्फ एक ग्रुप-स्टेज मैच है, लेकिन यह प्रोटियाज टीम के लिए बदला लेने और नॉकआउट स्टेज की ओर एक निर्णायक कदम उठाने का मौका है। हाल के वर्षों में महिला क्रिकेट में साउथ अफ्रीका और भारत के बीच एक जबरदस्त प्रतिद्वंद्विता देखने को मिली है, और रविवार को मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में ग्रुप 1 के इस अहम मुकाबले में इस प्रतिद्वंद्विता का एक और अध्याय लिखा जाएगा।

भारत ने इस वर्ल्ड कप में दमदार शुरुआत की है। अपने पहले मैच में पाकिस्तान को 64 रन से हराया, और फिर नीदरलैंड को 95 रन से मात दी। इन दो लगातार जीत के साथ भारतीय टीम ने टूर्नामेंट के शुरुआती दावेदारों में खुद को मजबूती से स्थापित कर लिया है। टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों ही विभागों ने शानदार प्रदर्शन किया है, जिससे उनका आत्मविश्वास काफी बढ़ा हुआ है।

वहीं, दूसरी ओर साउथ अफ्रीका की शुरुआत मिली-जुली रही है। उन्हें ऑस्ट्रेलिया के हाथों 65 रन से हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए पाकिस्तान के खिलाफ कड़े मुकाबले में 2 विकेट से जीत दर्ज की। यह जीत उनके लिए काफी अहम थी और अब उन्हें ग्रुप 1 में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए भारत के खिलाफ भी जीत दर्ज करनी होगी।

हालांकि दोनों देश विमेंस टी20 वर्ल्ड कप के सभी 10 संस्करण में खेले हैं, लेकिन हैरानी की बात है कि टूर्नामेंट में यह उनका पहला मुकाबला होगा। दोनों देशों के बीच टी20 फॉर्मेट में कुल 24 मैच खेले गए हैं, जिसमें भारत ने 11 और साउथ अफ्रीका ने 10 मैच जीते हैं, जबकि तीन मैच बेनतीजा रहे हैं। हालांकि, हाल के मुकाबलों में साउथ अफ्रीका को ज्यादा सफलता मिली है, उन्होंने पिछले 15 टी20 मुकाबलों में से 9 में जीत हासिल की है। यह आंकड़ा इस बात का सबूत है कि भले ही भारत का पलड़ा भारी दिखता हो, लेकिन प्रोटियाज टीम कड़ी चुनौती पेश करने में सक्षम है।

इस महत्वपूर्ण मुकाबले में दोनों टीमों के प्रमुख खिलाड़ियों पर सभी की निगाहें होंगी। भारत की ओर से सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना जबरदस्त फॉर्म में हैं। उन्होंने इस वर्ल्ड कप में लगातार दो अर्धशतक जड़े हैं और टीम को मजबूत शुरुआत दी है। वहीं, साउथ अफ्रीका की लौरा वोल्वार्ड्ट उस फॉर्म को फिर से हासिल करने के लिए उत्सुक होंगी, जिसकी बदौलत वह भारत के खिलाफ हालिया घरेलू सीरीज के पांच मुकाबलों में 330 रन बनाकर साउथ अफ्रीका की सबसे बेहतरीन खिलाड़ी रही थीं। उनकी बल्लेबाजी साउथ अफ्रीकी टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण होगी। भारत की गेंदबाजी ने उसकी मजबूत बल्लेबाजी का बखूबी साथ दिया है। स्पिन जोड़ी दीप्ति शर्मा और श्री चरणी ने शुरुआती दो मुकाबलों में मिलकर 9 विकेट लिए हैं और बीच के ओवरों में लगातार दबाव बनाए रखा है। दूसरी ओर, साउथ अफ्रीकी टीम को इस मुकाबले में एनेरी डर्कसेन से खासा उम्मीदें होंगी, जिन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ अर्धशतक लगाकर स्पिन के खिलाफ अपनी काबिलियत दिखाई थी। उनका प्रदर्शन साउथ अफ्रीका के लिए निर्णायक साबित हो सकता है। रविवार के मैच का नतीजा ग्रुप 1 के शेष मुकाबलों की दिशा तय कर सकता है। दोनों टीमों के लिए नॉकआउट स्टेज में जगह बनाने के लिए यह मुकाबला बेहद अहम है।

भारतीय टीम- हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिगेज, भारती फुलमाली, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष, श्री चरणी, यास्तिका भाटिया, नंदिनी शर्मा, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह, क्रांति गौड़, प्रेमा रावत, राधा यादव।

साउथ अफ्रीकी टीम- लौरा वोल्वार्ड्ट (कप्तान), ताजमिन ब्रिट्स, नादिन डी क्लर्क, एनेरी डर्कसेन, शबनीम इस्माइल, सिनालो जाफ्टा, मारिजैन कैप, अयाबोंगा खाका, सुने लूस, कराबो मेसो, नॉनकुलुलेको म्लाबा, कायला रेनेके, तुमी सेखुखुने, क्लोए ट्रायन, डेन वैन नीकेर्क।

फीफा विश्व कप में पहली बार- मुंह ढकने पर खिलाड़ी को मिला रेड कार्ड

नई दिल्ली। फीफा विश्व कप 2026 के लीग स्टेज में अप्रत्याशित घटनाक्रमों का सिलसिला जारी है। हाल ही में तुर्की और परागुआ के बीच खेले गए एक रोमांचक मुकाबले में एक ऐसी घटना घटी जिसने फुटबॉल जगत को स्तब्ध कर दिया। परागुआ के एक खिलाड़ी को सिर्फ इसलिए मैदान से बाहर कर दिया गया क्योंकि उसने बहस के दौरान अपना मुंह ढका था। फीफा विश्व कप के इतिहास में यह पहली बार है जब किसी खिलाड़ी को मुंह पर हाथ रखने के लिए रेड कार्ड दिखाया गया है, जिसने खेल के नए नियमों की गंभीरता को उजागर किया है।

यह अनूठी घटना तब हुई जब परागुआ के स्टार खिलाड़ी इसिड्रो पिट्टा एक प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी से टकराने के बाद चोटिल होकर मैदान पर गिर गए। तुर्की के खिलाड़ियों ने तुरंत आरोप लगाया कि पिट्टा नाटक कर रहे हैं और उन्होंने गुस्से में उन्हें उठने के लिए कहा। इस पर, स्ट्राइकर पिट्टा के साथी खिलाड़ी उनके बचाव में आ गए, जिससे दोनों पक्षों के बीच मैदान पर तीखी बहस शुरू हो गई और तनाव बढ़ गया।

खिलाड़ियों के बीच हो रहे इस गर्मागर्म बवाल के दौरान, अचानक तुर्की के मर्ट मुल्दुर ने रेफरी इवान बार्टन को इशारा किया और उनसे वीएआर (वीडियो असिस्टेंट रेफरी) मॉनिटर की जांच करने की मांग कर दी। मुल्दुर ने यह मांग इसलिए की क्योंकि इस गहमागहमी के दौरान परागुआ के मिगुएल अल्मिरोन ने अपना मुंह छिपाकर तुर्की के खिलाड़ियों से कुछ कहा था। मुल्दुर ने फीफा के एक नए नियम का हवाला दिया, जो कई नए नियमों में से एक है। इस नियम के तहत, किसी भी विवाद या टकराव के दौरान खिलाड़ियों को अपना मुंह ढककर विरोधियों से बात करने की स्पष्ट मनाही है।

रेफरी बार्टन ने मुल्दुर की मांग पर वीएआर मॉनिटर की जांच की और घटना को दोबारा देखने के बाद उन्होंने बिना किसी देरी के न्यूकैसल के पूर्व स्टार अल्मिरोन को सीधे रेड कार्ड दिखा दिया। यह निर्णय मैदान पर मौजूद खिलाड़ियों और दर्शकों दोनों के लिए चौंकाने वाला था। जब यह घटना हुई, तब मटियास गैलार्जा द्वारा मैच के दूसरे मिनट में ही किए गए शुरुआती गोल की बदौलत परागुआ 1-0 से आगे चल रहा था। अल्मिरोन के मैदान से बाहर जाने का मतलब था कि परागुआ को बाकी का मैच दस खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा, जिससे उनकी टीम की जीत की उम्मीदों को करारा झटका लगा।

बता दें कि अप्रैल में इंटरनेशनल फुटबॉल एसोसिएशन बोर्ड (आईएफएबी) की एक विशेष बैठक में विवाद के दौरान मुंह ढकने को एक रेड कार्ड अपराध बनाया गया था। फीफा विश्व कप 2026 में इस नियम में कुछ संशोधन कर इसे सख्ती से लागू करने का फैसला किया गया है। यह नया नियम, जो गाली-गलौज और दुर्व्यवहार को रोकने के उद्देश्य से लाया गया है, फरवरी में रियल मैड्रिड और बेनफिका के बीच चैंपियंस लीग के एक रोमांचक नॉकआउट मैच के बाद पेश किया गया था। उस मैच में रियल मैड्रिड के सुपरस्टार विनीसियस जूनियर ने दावा किया था कि प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी जियानलुका प्रेस्टियानी ने एस्टादियो दा लूज में मैड्रिड को जीत दिलाने वाला गोल करने के तुरंत बाद अपना मुंह ढककर उन पर नस्लीय टिप्पणी की थी।

टीम इंडिया को बड़ा झटका- हार्दिक पंड्या इंग्लैंड दौरे से बाहर, विराट कोहली की फिटनेस पर भी सवाल

नई दिल्ली (ईएमएस)। इंग्लैंड के खिलाफ आगामी लिमिटेड ओवरों की सीरीज से पहले टीम इंडिया को एक बड़ा झटका लगा है। भारत के प्रमुख ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या चोटिल होने के कारण इस महत्वपूर्ण दौरे से बाहर हो गए हैं। इसके अलावा, टीम के सबसे अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की फिटनेस को लेकर भी अनिश्चितता बनी हुई है, जिसने चयनकर्ताओं और टीम प्रबंधन की चिंताएं बढ़ा दी हैं। हार्दिक की अनुपस्थिति निश्चित रूप से टीम के संतुलन को प्रभावित करेगी, विशेष रूप से ऐसे समय में जब टीम एक व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम का सामना कर रही है।

हार्दिक पंड्या हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज में भी नहीं खेल पाए थे, जो उनकी चोट की गंभीरता को दर्शाता है। उन्हें यह चोट आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए लगी थी। हार्दिक, जो अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी और उपयोगी मध्यम गति की गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं, टीम के लिए एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं, खासकर सीमित ओवरों के प्रारूप में। उनकी अनुपस्थिति का मतलब है कि टीम को उनकी जगह किसी ऐसे खिलाड़ी को ढूंढना होगा जो उनकी ऑलराउंड क्षमता की भरपाई कर सके, जो एक बड़ी चुनौती होगी। उनकी लगातार चोटें न केवल उनके व्यक्तिगत प्रदर्शन को बाधित कर रही हैं, बल्कि टीम के दीर्घकालिक योजनाओं पर भी असर डाल रही हैं।

दूसरी ओर, विराट कोहली की फिटनेस पर संदेह ने भी टीम प्रबंधन को विचार करने पर मजबूर कर दिया है। हालांकि उनकी चोट की प्रकृति के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन यह चिंता का विषय है क्योंकि कोहली टीम की बल्लेबाजी रीढ़ की हड्डी हैं। उनके अनुभव और मैच जिताने की क्षमता को देखते हुए, उनकी किसी भी तरह की अनुपस्थिति या कम फिटनेस टीम के प्रदर्शन पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। चयनकर्ता संभवतः उनकी स्थिति पर बारीकी से नजर रखे हुए होंगे और अंतिम निर्णय से पहले उनकी फिटनेस रिपोर्ट का इंतजार करेंगे।

हालांकि, टीम के लिए कुछ राहत भरी खबर भी है। युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल, अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल, वापसी कर रहे विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत और प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इंग्लैंड के लिए चुनी जाने वाली वनडे टीम के लिए पूरी तरह से फिट घोषित किए गए हैं। इन सभी फिट खिलाड़ियों की सीओई (सेंटर ऑफ एक्सीलेंस) रिपोर्ट चयनकर्ताओं को भेज दी गई है। राहुल और पंत की वापसी टीम को बल्लेबाजी में गहराई और अनुभव प्रदान करेगी, जबकि बुमराह की तेज गेंदबाजी टीम के आक्रमण को धार देगी। ध्रुव जुरेल, जिन्होंने हाल ही में शानदार प्रदर्शन किया है, अपनी युवा ऊर्जा और प्रतिभा के साथ टीम में एक नया आयाम जोड़ सकते हैं।

इन फिटनेस अपडेट्स के साथ, चयनकर्ताओं को अब हार्दिक पंड्या की जगह एक उपयुक्त ऑलराउंडर और विराट कोहली की स्थिति के अनुसार बल्लेबाजी क्रम में संभावित बदलावों पर विचार करना होगा। इंग्लैंड दौरा हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है, और ऐसे में प्रमुख खिलाड़ियों की अनुपस्थिति या फिटनेस संबंधी चिंताएं टीम के लिए एक कठिन परीक्षा पेश करती हैं। टीम प्रबंधन और कोच राहुल द्रविड़ को इन चुनौतियों का सामना करते हुए एक संतुलित और मजबूत टीम का चयन करना होगा जो इंग्लैंड में अच्छा प्रदर्शन कर सके।

श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में वैभव सूर्यवंशी पर होगी सबकी नजर

दांबुला। 21 जून इंडिया ए और श्रीलंका ए के बीच ट्राई नेशन ए सीरीज का बहुप्रतीक्षित फाइनल रविवार को दांबुला में खेला जाएगा। इस मुकाबले में एक बार फिर सभी की निगाहें युवा भारतीय सनसनी 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी पर टिकी होंगी। इस फाइनल से पहले, पिछली बार जब ये दोनों टीमें आमने-सामने आई थीं, तो वैभव और श्रीलंकाई खिलाड़ियों के बीच एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया था। वह मुकाबला सुपर ओवर तक खिंचा था, जिसमें टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा था, और उसी दौरान मैदान पर खिलाड़ियों के बीच तीखी बहस हुई थी। ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या फाइनल में श्रीलंकाई खिलाड़ी एक बार फिर वैभव को निशाने पर लेंगे? इस सवाल का जवाब खुद श्रीलंका ए के कप्तान ने दिया है।

पिछली भिड़ंत में, इंडिया ए की सुपर ओवर में हार के बाद, वैभव सूर्यवंशी और श्रीलंका ए के खिलाड़ी विशेन हालंबगे के बीच तीखी बहस हुई थी, जिसमें वैभव ने हालंबगे को धक्का भी दे दिया था। इस घटना के बाद, कई रिपोर्टों में सामने आया कि हालंबगे लगातार वैभव को चिढ़ा रहे थे और ट्राई-नेशन सीरीज की शुरुआत से ही दोनों खिलाड़ियों के बीच मौखिक झड़पें हो रही थीं। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, हालंबगे ने भारतीय बल्लेबाज से कई बातों के अलावा यह भी कहा था, घर जाओ, यह आईपीएल नहीं है। या कुछ इसी तरह के शब्दों का इस्तेमाल किया था, जिसने स्थिति को और गरमा दिया था।

हालांकि, ट्राई-नेशन ए सीरीज के फाइनल से पहले, श्रीलंका ए के कप्तान सहान अराचिगे ने स्पष्ट रूप से वैभव सूर्यवंशी को निशाना बनाने से इनकार किया है। उन्होंने स्पोर्टस्टार से बात करते हुए कहा कि पिछली बार जो कुछ भी हुआ, वह खेल के जोश में हुआ था। अराचिगे ने कहा, हमारे लड़के किसी को या किसी चीज को निशाना नहीं बना रहे हैं। वे बस खेल का आनंद ले रहे हैं। सुपर ओवर जैसे करीबी मुकाबले में, भावनाएं अक्सर बाहर आ जाती हैं। यह पूरी तरह से सामान्य है। उन्होंने आगे जोर दिया कि इस टीम में बहुत सारे अनुभवी खिलाड़ी हैं। वे जानते हैं कि उन्हें क्या करना है, और वे जानते हैं कि कैसे खेलना है, यह दर्शाता है कि टीम अनुशासित होकर खेलेगी।

वैभव सूर्यवंशी द्वारा श्रीलंकाई खिलाड़ी को धक्का देने की तस्वीर पर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं आई थीं। भारत के पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने तो यहां तक कहा था कि अगर वह भारत ए के मैनेजर या कोच होते, तो युवा खिलाड़ी को सबक सिखाने के लिए उसे अफगानिस्तान ए के खिलाफ अगले मैच से बाहर कर देते। हालांकि, टीम इंडिया ने ऐसा कोई कदम नहीं उठाया और भारत ने अफगानिस्तान ए को अगले मुकाबले में बड़े अंतर से हराकर आत्मविश्वास के साथ फाइनल में अपनी जगह बनाई। इस सीरीज में वैभव सूर्यवंशी का बल्ला उस अंदाज में नहीं बोला है जिसके लिए वह जाने जाते हैं, लेकिन अब उनके सामने फाइनल जैसा एक बड़ा मंच है, जहां वह पिछले रिकॉर्ड को भुलाकर धमाकेदार प्रदर्शन करना चाहेंगे और अपनी टीम को जीत दिलाना चाहेंगे।

ई20 पेट्रोल पर बढ़ा विवाद...

20 फीसदी इथेनॉल मिले फ्यूल को लेकर ग्राहकों और गाड़ी कंपनियों में गहराती जा रही है चिंता, माइलेज कम होने से लेकर इंजन डैमेज तक की शिकायतें आ रही हैं सामने

इथेनॉल गाड़ियों को बना रहा कबाड़!

नई दिल्ली। पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल (ई20) मिलाने के सरकारी फैसले का देशभर में विरोध हो रहा है। वाहन चालकों की शिकायत है कि इससे गाड़ियों का माइलेज घट रहा है, फ्यूल टैंक में गाद जम रही है, और ईंधन पंप व सेंसर खराब हो रहे हैं? यानी गाड़ियों का इंजन कबाड़ हो रहा है। गौरतलब है कि देश में तेल आयात पर निर्भरता कम करने और किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से लागू किए गए ई20 पेट्रोल को लेकर अब नई बहस छिड़ गई है। केंद्र सरकार ने अप्रैल 2026 में तय समय से पहले ही देशभर के पेट्रोल पंपों पर ई20 पेट्रोल उपलब्ध करा दिया था। हालांकि इसके इस्तेमाल के बाद कई वाहन चालकों ने माइलेज में कमी और वाहन प्रदर्शन पर असर पड़ने की शिकायतें दर्ज कराई हैं। कुछ वाहन मालिकों का दावा है कि ई20 पेट्रोल के उपयोग के बाद उनके वाहनों का माइलेज 20 से 30 फीसदी तक घट गया है। इसके साथ ही स्पार्क प्लग खराब होने और इंजन पर अतिरिक्त दबाव जैसी समस्याओं की भी शिकायतें सामने आ रही हैं।

ई20 पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल और 80 प्रतिशत पेट्रोल का मिश्रण होता है। सरकार ने इसे देश में ईंधन आयात पर होने वाले भारी खर्च को कम करने और किसानों को आर्थिक लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से लागू किया है। एथेनॉल मुख्य रूप से गन्ने और अन्य कृषि उत्पादों से तैयार किया जाता है। सरकार का मानना है कि एथेनॉल मिश्रित ईंधन के बढ़ते इस्तेमाल से विदेशी मुद्रा की बचत होगी और किसानों की आय बढ़ाने में मदद मिलेगी। इसी रणनीति के तहत पूरे देश में ई20 पेट्रोल को तेजी से लागू किया गया है।

माइलेज घटने की शिकायतों ने बढ़ाई टेंशन

ई20 पेट्रोल लागू होने के बाद कई वाहन मालिकों ने माइलेज कम होने की शिकायत की है। कुछ लोगों का कहना है कि पहले की तुलना में उनके वाहन कम दूरी तय कर रहे हैं, जिससे ईंधन खर्च बढ़ गया है। हालांकि सरकारी अनुमान इसके उलट तस्वीर पेश करते हैं। अधिकारियों के अनुसार ई20 के अनुकूल वाहनों में माइलेज पर केवल 2 से 6 प्रतिशत तक असर पड़ना चाहिए। विशेषज्ञों का मानना है कि पुराने वाहनों में यह प्रभाव अधिक महसूस हो सकता है क्योंकि उन्हें ई20 ईंधन को ध्यान में रखकर डिजाइन नहीं किया गया था।

पुराने वाहनों पर ज्यादा असर की आशंका

ऑटोमोबाइल विशेषज्ञों के अनुसार ई20 पेट्रोल का प्रभाव वाहन की तकनीक और इंजन डिजाइन पर भी निर्भर करता है। जिन वाहनों को ई20 संगत तकनीक के साथ तैयार किया गया है, उनमें प्रदर्शन और माइलेज पर सीमित असर देखने को मिल सकता है। वहीं पुराने मॉडल के वाहनों में ईंधन दक्षता कम होने, इंजन के कुछ हिस्सों पर अतिरिक्त दबाव पड़ने और रखरखाव खर्च बढ़ने जैसी समस्याएं सामने आ सकती हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि अप्रैल 2023 से पहले बनी कई गाड़ियां ई20 पेट्रोल के लिए पूरी तरह तैयार नहीं हैं। ऐसे वाहनों में लंबे समय तक इस ईंधन का इस्तेमाल करने से इंजन और उससे जुड़े कई हिस्सों पर असर पड़ सकता है। यही वजह है कि लाखों वाहन मालिक अब इस बात को लेकर चिंतित हैं कि यदि उनकी गाड़ी खराब होती है तो क्या इंश्योरेंस कंपनी उसका खर्च उठाएगी।

ऑटो मेकर में चिंता

गाड़ी बनाने वाली कंपनियों का कहना है कि उनके पुराने मॉडल सिर्फ 101 फीसदी इथेनॉल मिले पेट्रोल के लिए बनाए गए थे और 20 फीसदी इथेनॉल मिले पेट्रोल का इस्तेमाल गाड़ी के इंजन, गास्केट और फ्यूल सिस्टम को नुकसान पहुंचा सकता है। कई कंपनियों ने यहां तक कहा है कि 20 फीसदी इथेनॉल मिले पेट्रोल से होने वाला नुकसान वारंटी के तहत कवर नहीं होगा। कुछ नए मॉडल्स जरूर ऐसे हैं जिनमें इथेनॉल-रेसिस्टेंट पार्ट्स और एडवांस इंजन सॉफ्टवेयर लगे हैं, लेकिन भारत की अधिकतर गाड़ियां अभी भी इस बदलाव के लिए तैयार नहीं हैं।

ग्राहकों से लगातार शिकायत

असली जमीनी अनुभवों की बात करें, तो 20 फीसदी इथेनॉल मिले पेट्रोल का इस्तेमाल करने वाले ग्राहक लगातार शिकायतें कर रहे हैं। इन शिकायतों में माइलेज में गिरावट, इंजन की खडखड़ाहट, धीमा पिकअप, और गाड़ी की सामान्य परफॉर्मेंस पर बुरा असर पड़ना शामिल है। चौंकाने वाली बात यह भी है कि कई पंपों पर साफ लिखा नहीं होता कि कौन-सा पेट्रोल ई10 है और कौन-सा ई20। ऐसे में बिना जानकारी के ही लोग अपनी गाड़ियों में ई20 भरवा रहे हैं और फिर अनजाने में नुकसान झेल रहे हैं।

इंजन खराब होने पर इंश्योरेंस क्लेम खारिज

भारत में अब पेट्रोल पंपों पर ई20 पेट्रोल तेजी से उपलब्ध कराया जा रहा है। इस ईंधन में 80 प्रतिशत पेट्रोल और 20 प्रतिशत इथेनॉल मिलाया जाता है। सरकार इसे प्रदूषण कम करने और पर्यावरण को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मान रही है। नई गाड़ियों के लिए यह कोई बड़ी समस्या नहीं है, क्योंकि उन्हें ई20 ईंधन को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है। लेकिन पुरानी गाड़ियों के मालिकों की चिंता लगातार बढ़ रही है। देश की बड़ी निजी बीमा कंपनी आईसीसीलोंबार्ड ने इस मुद्दे पर अपनी स्थिति साफ कर दी है। कंपनी का कहना है कि यदि किसी ऐसी गाड़ी में ई20 पेट्रोल का इस्तेमाल किया जाता है, जो इसके लिए उपयुक्त नहीं है, और उससे नुकसान होता है, तो इंश्योरेंस क्लेम खारिज किया जा सकता है।

सरकार जल्दबाजी तो नहीं कर रही

अब बात आती है कि आखिरकार सरकार ई20 या ई85 या ई100 फ्यूल को लेकर इतना जो जोर दे रही है, कहीं यह जल्दबाजी का फैसला तो नहीं है। माना कि दुनियाभर में तेल संकट है, लेकिन इथेनॉल की उपलब्धता फिलहाल सीमित है और सरकार भले इसपर काफी जोर दे रही है, लेकिन लोगों के पास विकल्प हमेशा खुले रहने चाहिए और सरकार को आगे आकर स्पष्ट करना चाहिए कि इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल को लेकर उसकी भविष्य की क्या योजनाएं हैं?

मप्र, छत्तीसगढ़, ओडिशा के ऊपर चक्रवाती सिस्टम एक्टिव; उज्जैन में 2.4 इंच गिरा पानी, कई इलाकों की सड़कें डूबीं

मप्र में मानसून की दस्तक में 10 दिन की देरी

नई दिल्ली/भोपाल। 12 दिनों से तेलंगाना में अटका मानसून अब आगे बढ़ सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक, 23 जून तक इसके छत्तीसगढ़ पहुंचने की संभावना है। महाराष्ट्र, तेलंगाना, ओडिशा, झारखंड, बिहार और छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में मानसून के लिए जरूरी सिस्टम सक्रिय हो गया है। इससे मध्य भारत में चक्रवातीय घेरा बना हुआ है, जिससे मानसून के बादल उत्तर भारत की तरफ आ सकते हैं। बिहार में शुक्रवार को बिजली गिरने से 6 लोगों की और झारखंड में 8 लोगों की जान गई। राजस्थान के 12 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मध्य प्रदेश में शनिवार को तेज आंधी और बारिश का दौर जारी रहा। उज्जैन में तेज बारिश हुई। यहां शाम तक 2.4 इंच बारिश रिकॉर्ड की गई। भोपाल में 1.3 इंच पानी गिरा। इंदौर, ग्वालियर, श्योपुर, सीहोर और धार के पीथमपुर में तेज बारिश हुई। आंधी-बारिश की वजह से दिन के तापमान में खासी गिरावट हुई है। इस बार मध्य प्रदेश में दक्षिण-पश्चिम मानसून 8 से 10 दिन लेट हो सकता है। मौसम केंद्र ने प्रदेश में 25 जून तक मानसून की एंट्री का अनुमान जताया है। इससे पहले प्री-मानसून की एक्टिविटी जारी रहेगी। मौसम विभाग के मुताबिक, प्रदेश में आमतौर पर 15 जून के आसपास मानसून की एंट्री हो जाती है, लेकिन इस बार 20 जून तक मानसून का कोई संकेत नहीं मिला है। तेलंगाना में 8 जून से ही मानसून ठहरा हुआ है। यदि एक-दो दिन में यह आगे बढ़ता है और इसकी रफ्तार तेज रहती है, तो मध्य प्रदेश में 25 जून के आसपास पहुंच सकता है।

मानसून के लेट होने से किसान सबसे ज्यादा चिंता में है। वे खरीफ सीजन की फसल जैसे- सोयाबीन, उड़द, मूंग, तूअर आदि की बुवाई नहीं कर पा रहे हैं। शाजापुर कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एसएस धाकड़ बताते हैं कि बोवनी के लिए कम से कम 4 इंच बारिश जरूरी है। इससे जमीन में पर्याप्त नमी आती है। इतनी बारिश होने के बाद ही किसान बोवनी करें।

बीज खराब होने का खतरा बढ़ा

मानसून के समय पर आने की संभावना के चलते प्रदेश के कई जिलों में किसानों ने सोयाबीन की बोवनी कर दी। उन पर बीज खराब होने का खतरा मंडरा रहा है, क्योंकि पानी के आभाव में बीज खराब हो सकता है। ऐसे में किसानों को दोबारा बोवनी करना पड़ेगी। हालांकि, उन किसानों के लिए राहत है, जिनके पास सिंचाई के लिए पानी है।

शिक्षा मंत्री प्रधान दें इस्तीफा, हम हट जाएंगे

नई दिल्ली। नीट पेपर लीक और परीक्षा रद्द मामले को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने शनिवार को राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर दूसरा बड़ा प्रदर्शन किया। पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने कहा कि जब तक केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा नहीं देते, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

जंतर-मंतर खाली कराने पहुंची दिल्ली पुलिस ने कहा, प्रदर्शन के लिए शनिवार शाम 5 बजे तक की अनुमति दी गई थी। निर्धारित समय समाप्त होने के बाद भी प्रदर्शन जारी रहने पर पुलिस अधिकारी मंच के पास पहुंचे और प्रदर्शनकारियों से स्थल खाली करने का अनुरोध किया। पुलिस का कहना था कि प्रदर्शन की अवधि बढ़ाने की कोई अतिरिक्त अनुमति नहीं दी गई है। इससे पहले प्रदर्शन के दौरान अभिजीत दीपके महात्मा गांधी और डॉ. भीमराव अंबेडकर की तस्वीरें लेकर मंच पर पहुंचे थे। उन्होंने केंद्र सरकार और शिक्षा मंत्रालय पर निशाना साधते हुए कहा कि लाखों छात्रों के भविष्य के साथ अन्याय हुआ है और इसके लिए जवाबदेही तय होनी चाहिए। उन्होंने व्यंग्यात्मक अंदाज में कहा कि यदि थाली बजाने से कोरोना वायरस को हराने का संदेश दिया जा सकता है, तो शिक्षा मंत्री को पद से हटाने के लिए भी प्रतीकात्मक रूप से थाली बजाई जानी चाहिए।

इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने थालियां बजाकर शिक्षा मंत्री के खिलाफ नारेबाजी की। मंच पर उन नीट छात्रों के पोस्टर भी लगाए गए, जिन्होंने विवाद के बाद आत्महत्या कर ली थी। प्रदर्शनकारियों ने परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता, जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई और छात्रों को न्याय दिलाने की मांग उठाई।

मीडिया से बातचीत में अभिजीत दीपके ने कहा कि उनका आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण है और इसका उद्देश्य छात्रों की आवाज को सरकार तक पहुंचाना है। उन्होंने आरोप लगाया कि नीट परीक्षा में हुई कथित अनियमितताओं से करोड़ों छात्रों का विश्वास प्रभावित हुआ है। दीपके ने बताया कि प्रदर्शन की अवधि बढ़ाने के लिए पुलिस प्रशासन से अनुमति मांगी गई है। उन्होंने मीडिया से कहा शीक्षा मंत्री के इस्तीफे तक प्रदर्शन जारी रहेगा, वो इस्तीफा दे दें हम उठ जाएंगे।

निपुन और विनोद बन सकते है एयर इंडिया के भारतीय सीईओ

नई दिल्ली। टाटा समूह द्वारा एयर इंडिया का अधिग्रहण करने के बाद से, एयरलाइन को लगातार चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। पिछले दिनों कंपनी के सीईओ के अचानक इस्तीफे के बाद से ही नए मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) की तलाश जारी है। अब खबर है कि एयर इंडिया का अगला सीईओ भारतीय ही होगा, और वह भी कंपनी के भीतर से ही चुना जा सकता है। फिलहाल इस दौड़ में दो नाम सबसे आगे हैं- निपुन अग्रवाल और विनोद कन्नन।

रिपोर्ट के अनुसार, टाटा समूह अपनी इस एविएशन कंपनी को मुश्किलों से निकालने की हरसंभव कोशिश कर रहा है। एयर इंडिया को पिछले वित्त वर्ष में भारी घाटे का सामना करना पड़ा है। पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र के बंद होने से उसकी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर काफी असर पड़ा, और इसके बाद ईरान संकट ने कंपनी का घाटा और बढ़ा दिया, जिसके परिणामस्वरूप कंपनी को 20 प्रतिशत उड़ानों में कटौती करनी पड़ी है। ये सभी कारक एयरलाइन के लिए एक मजबूत और दूरदर्शी नेतृत्व की आवश्यकता को रेखांकित करते हैं। फिलहाल एयर इंडिया में चीफ कॉमर्शियल ऑफिसर के पद पर कार्यरत निपुन अग्रवाल को सीईओ पद के लिए सबसे मजबूत दावेदार माना जा रहा है। वे कंपनी में चल रहे बदलावों में एक महत्वपूर्ण कड़ी रहे हैं और उन्हें अनुशासन, वित्तीय नियंत्रण तथा परिचालन दक्षता पर मजबूत पकड़ रखने वाला व्यक्ति बताया जाता है। उनके समर्थकों का मानना है कि ये गुण एयर इंडिया को मौजूदा संकट से निकालने में सहायक होंगे। हालांकि, कुछ आलोचकों का मानना है कि उनके पास वैश्विक स्तर की इतनी बड़ी एयरलाइन को संभालने का पर्याप्त अनुभव नहीं है, जबकि एक वैश्विक एयरलाइन चलाने के लिए व्यापक अनुभव की जरूरत होती है। दूसरी ओर, विनोद कन्नन भी सीईओ पद के लिए एक प्रमुख दावेदार हैं, जिनके पास विस्तारा जैसी एयरलाइंस को सफलतापूर्वक चलाने का अच्छा-खासा अनुभव है। वह विस्तारा के मुख्य कार्यकारी रह चुके हैं और उनके पास एक बड़ी एयरलाइन के संचालन का सीधा अनुभव है, जो उन्हें इस पद के लिए एक मजबूत विकल्प बनाता है। उनके अनुभव को एयर इंडिया जैसी जटिल और विशाल एयरलाइन के लिए बेहद अहम माना जा रहा है।

यह तलाश पिछले अप्रैल महीने में तब शुरू हुई जब न्यूजीलैंड के कैंपबेल विल्सन ने अचानक अपने पद से इस्तीफा दे दिया। टाटा संस पर भविष्य के नेतृत्व को लेकर काफी दबाव है, और सीईओ के नाम पर अंतिम फैसला बेहद सोच-समझकर लिया जाना तय है। यहां तक कि एन चंद्रशेखरन के खुद के भविष्य को लेकर भी अनिश्चितताएं चल रही हैं, लिहाजा वे अंतिम फैसला करने से पहले काफी सोच-विचार करेंगे। एयर इंडिया को मौजूदा मुश्किलों से निकालने और उसे एक लाभदायक इकाई में बदलने के लिए एक कुशल और अनुभवी नेतृत्व की आवश्यकता है। आने वाले दिनों में टाटा समूह द्वारा इस महत्वपूर्ण नियुक्ति पर अंतिम घोषणा का इंतजार है।

मोदी सरकार के पेपर लीक मॉडल पर कांग्रेस का प्रहार- 15 छात्रों ने की आत्महत्या

नई दिल्ली। नीट परीक्षा से जुड़े विवादों और लगातार सामने आ रहे पेपर लीक के मामलों के कारण छात्रों की बढ़ती आत्महत्याओं पर कांग्रेस पार्टी ने केंद्र की मोदी सरकार पर हमलावार है। कांग्रेस पार्टी ने इन दर्दनाक मौतों को हत्या करार देकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के तत्काल इस्तीफे और पूरी परीक्षा प्रक्रिया में आमूल-चूल सुधार की मांग कर दी है। कांग्रेस ने गंभीर आरोप लगाकर कहा है कि पेपर लीक के चलते अब तक करीब 15 बच्चों ने जान गंवा दी है, लेकिन सत्ता में बैठे नाकारा लोगों के चेहरे पर ज़रा भी शिकन तक नहीं दिख रही है।

हाईकोर्ट ने जूनियर अफसर की सजा 'कंपल्सरी रिटायरमेंट' में बदलने का दिया आदेश

कोर्ट ने कहा सीनियर ऑफिसर ने ही जूनियर को गलत काम के लिए मजबूर किया

शिमला। हिमाचल हाईकोर्ट ने जूनियर अफसर को नौकरी से हटाने की सजा को ज्यादा कठोर बताते हुए 'कंपल्सरी रिटायरमेंट' में बदलने के आदेश दिए हैं। कोर्ट ने कहा कि जब सीनियर ऑफिसर ने ही जूनियर को गलत काम के लिए मजबूर किया, तो जूनियर को नौकरी से बर्खास्त करना उचित नहीं है। यह फैसला चीफ जस्टिस गुरमीत सिंह संधावालिया और जस्टिस बीसी नेगी की बैंच ने जूनियर अफसर की अपील पर सुनवाई करते हुए सुनाया।

जानकारी के मुताबिक यह मामला साल 2008 का आईटीबीपी से जुड़े अधिकारी और उसके सिक्योरिटी असिस्टेंट से जुड़ा हुआ है। दरअसल, याचिका में कहा गया कि सीनियर ऑफिसर ने अपने लैपटॉप में अपनी पत्नी और जूनियर अफसर की अश्लील वीडियो रिकॉर्ड की थी। कोर्ट ने पाया कि सीनियर ऑफिसर ने ही जूनियर अफसर को इस गलत काम के लिए मजबूर किया। सुनवाई में कोर्ट ने पाया कि सीनियर ऑफिसर को इस मामले में केवल दो साल तक वेतन वृद्धि रोकने की सजा दी गई थी, जबकि जूनियर अफसर को नौकरी से हटा दिया गया। कोर्ट ने इसे सेवा नियमों के तहत भेदभावपूर्ण माना।

कोर्ट ने सीनियर अधिकारी की पत्नी के बयान का भी उल्लेख किया। पत्नी ने आरोप लगाया था कि उसके पति ने उसे शराब पिलाई, उसकी इच्छा के खिलाफ जूनियर अफसर के साथ गलत संबंध बनाने के लिए मजबूर किया और उसकी वीडियो रिकॉर्ड की। साथ ही उसे यह बात किसी को बताने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी। हाईकोर्ट की डबल बैंच ने कहा कि रिकॉर्ड से स्पष्ट है कि जूनियर अफसर और सीनियर अधिकारी की पत्नी के बीच हुए गलत संबंधों के पीछे सीनियर अधिकारी की भूमिका थी और इसी कारण जूनियर अफसर को भी दोषी ठहराया गया था। कोर्ट ने इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए जूनियर अफसर की सजा को संशोधित कर अनिवार्य सेवानिवृत्ति में बदल दिया।

खान ग्लोबल स्टडीज कोचिंग में फायर सेफ्टी डिपार्टमेंट टीम ने किया दोबारा निरीक्षण

पटना। खान ग्लोबल स्टडीज कोचिंग में फायर सेफ्टी डिपार्टमेंट की टीम शनिवार को दूसरी बार खान सर के अस्पताल में ऑडिट करने पहुंची। पिछली बार 7 जून को ऑडिट हुआ था, जिसमें कई खामियां पाई गई थी। इसके बाद विभाग ने कोचिंग और अस्पताल प्रबंधन को सुधार के लिए 7 से 10 दिन का समय दिया था। अब 14 दिन के बाद दूसरी बार अग्निशमन विभाग की टीम अस्पताल पहुंची। कितना अपग्रेड किया इसका निरीक्षण किया गया। फायर सेफ्टी विभाग ने स्पष्ट किया है कि यदि निर्धारित समय के भीतर कमियों को दूर नहीं किया गया तो नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक लोदीपुर अग्निशमन पदाधिकारी ने बताया कि पिछली बार खामियां पाई गई थी, जिसके आधार पर नोटिस दिया गया था। शनिवार को दूसरी बार संस्थान का ऑडिट किया गया। अभी भी बहुत सारी कमियां है, मानकों को पूरा नहीं किया गया है। कार्य में प्रगति है, उन्होंने बताया कि फायर स्टेयर बनाने का सुझाव दिया गया था, वो पूरा नहीं हुआ है।

हिमाचल के डीआईजी संजीव गांधी पर लगा 1.80 लाख रुपए का डैमेज चार्ज

शिमला,। हिमाचल पुलिस मुख्यालय ने डीआईजी ट्रैफिक, टूरिज्म एवं रेलवे (टीटीआर) संजीव गांधी को सरकारी आवास खाली न करने पर एक लाख 80 हजार रुपए का डैमेज चार्ज जमा करने का नोटिस भेजा है। यह आवास शिमला के एसपी के लिए तय था। डीजपी कार्यालय की ओर से जारी नोटिस के मुताबिक संजीव गांधी ने 7 फरवरी 2026 को शिमला एसपी का पदभार छोड़ दिया था। नियमों के तहत पद छोड़ने के बाद सरकारी आवास में रहने के लिए उन्हें 7 मार्च 2026 तक अनुमति थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नोटिस में दावा किया कि उन्हें 12 मई 2026 को आवास खाली करने के लिए नोटिस दिया था, लेकिन तय तारीख तक आवास खाली नहीं किया। इसके बाद डैमेज चार्ज लगाया गया है। आवास का क्षेत्रफल करीब 3568.88 वर्ग फीट है। नियमों के तहत 18 रुपए प्रति वर्ग फीट प्रति माह की दर से डैमेज चार्ज की गणना की गई। मार्च, अप्रैल और मई 2026 की अवधि के लिए कुल 1 लाख 80 हजार 286 रुपए जमा करने के निर्देश दिए हैं। नोटिस में बताया गया कि अप्रैल और मई के दो महीनों का डैमेज चार्ज 1 लाख 28 हजार 479.74 रुपए और 7 मार्च से 31 मार्च तक 25 दिनों का चार्ज 51 हजार 806.35 रुपए हैं।

डीजीपी कार्यालय ने निर्देश दिए कि यह राशि तुरंत डीजपी टीटीआर कार्यालय में जमा करवाई जाए। राशि जमा न करने पर इसे वेतन से वसूल किया जा सकता है। साथ ही 1 जून 2026 से आवास खाली होने तक अतिरिक्त डैमेज चार्ज भी लगाया जाता रहेगा। नोटिस में सरकारी आवास तत्काल खाली कर उसका कब्जा शिमला एसपी को सौंपने को कहा है। ऐसा न करने पर बेदखली की कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

वहीं डीआईजी संजीव गांधी ने नोटिस को लेकर कहा कि यह नोटिस अब तक उन्हें नहीं मिला। मीडिया के जरिए इसकी सूचना मिली है। यह डैफेमेटरी है, इसे चेलेंज किया जाएगा। उनकी छवि को खराब करने के लिए ऐसा किया जा रहा है और उन्हें ईमानदारी से काम करने की सजा दी जा रही है। उन्होंने कहा कि जीएडी की तरफ से उन्हें अकोमोडेशन नहीं मिली, इसलिए आवास खाली नहीं किया। बता दें संजीव गांधी पूर्व में शिमला के एसएसपी रहे हैं। उनके डीआईजी प्रमोट होने के बाद फरवरी में गौरव सिंह को एसएसपी शिमला बनाया। शिमला में एसपी के लिए ईयरमार्क्ड सरकारी आवास है।

क्रिप्टो की आड़ में 2,500 करोड़ का विदेशी धन ट्रांसफर नेटवर्क ध्वस्त

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने क्रिप्टो करेंसी के माध्यम से संचालित हो रहे विशाल अवैध विदेशी धन हस्तांतरण नेटवर्क का खुलासा किया है। जांच एजेंसी का दावा है कि कुछ कंपनियां भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मंजूरी के बिना चुपचाप विदेशों में पैसा भेजने और मंगाने के काम में लगी थीं, जिसमें शुरुआती जांच में 2,500 करोड़ रुपये से अधिक के फेमा (विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम) उल्लंघन का खुलासा हुआ है। इस मामले में ईडी के बेंगलुरु जोनल कार्यालय ने शहर के 6 ठिकानों पर बड़े पैमाने पर छापेमारी की।

ईडी की जांच के दायरे में ट्रांसैक टेक्नोलॉजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, कैरेटएक्स टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, मोक्शाग्ना टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, बायहाटके इंटरनेट प्राइवेट लिमिटेड और अभिभा टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड जैसी कई कंपनियां हैं। ईडी के मुताबिक, ये कंपनियां इंटरनेट पर विदेशी पैसे के लेन-देन का एक आसान तरीका बताकर विज्ञापन करती थीं, जबकि इनके पास अंतर्राष्ट्रीय मनी ट्रांसफर जैसी सेवाएं देने के लिए आरबीआई की कोई अनुमति नहीं थी। ग्राहक कुछ ही क्लिक में पैसा भेजने और हासिल करने में सक्षम थे, लेकिन इन सभी लेनदेन के पीछे नियामक नियमों की घोर अनदेखी हो रही थी।

ईडी की जांच में सामने आया है कि ग्राहक पहले प्लेटफॉर्म पर रजिस्ट्रेशन करते थे और अपने बैंक खाते से पैसा जमा करते थे। इसके बाद उस रकम से यूएसडीटी (यूएसटीडी) जैसे स्टेबलकॉइन खरीदते थे। फिर इन क्रिप्टो एसेट्स को अलग-अलग एक्सचेंजों और ओटीसी (ओवर-द-काउंटर) डील्स के द्वारा बेचकर पैसा दूसरे देशों या लाभार्थियों तक पहुंचाया जाता था। ईडी का आरोप है कि इस पूरी प्रक्रिया में विदेशी धन प्रेषण से जुड़े जरूरी दस्तावेजों और नियमों का पालन नहीं हुआ। जिससे यह पैसा नियामक निगरानी से काफी हद तक बाहर था।

जांच एजेंसी के अनुसार, मोक्शाग्ना टेक्नोलॉजीज खास तौर पर अमेरिका के ग्राहकों से धन जुटाकर उस पैसे को क्रिप्टो में बदलती थी। इसके बाद बड़े पैमाने पर ओटीसी ट्रेडिंग के जरिए नकदी में बदलकर भारत में लोगों तक पहुंचाया जाता था। ईडी का दावा है कि कंपनी का मुख्य संचालक अमेरिका में बैठकर भारत में मौजूद अपने परिवार के सदस्यों की मदद से पूरे नेटवर्क को संचालित कर रहा था। वहीं, ट्रांसैक टेक्नोलॉजी पर बिना आरबीआई की मंजूरी के ऑफ-रैम्प सेवाएं चलाने का आरोप है।

छापेमारी के दौरान ईडी को टैक्स हेवन देशों में बनी शेल कंपनियों, बड़े ओटीसी सौदों और विदेशी क्रिप्टो प्लेटफॉर्म्स के जरिए कथित अवैध धन हस्तांतरण के कई अहम सुराग मिले हैं। प्रारंभिक जांच में 2,500 करोड़ रुपये से ज्यादा के अनधिकृत सीमा-पार ट्रांसफर का पता चला है। ईडी ने कार्रवाई कर कुछ कंपनियों के बैंक खातों पर भी रोक लगा दी है, जिसमें करीब 6 करोड़ रुपये जमा पाए गए हैं। यह कार्रवाई क्रिप्टो स्पेस में बढ़ते वित्तीय अपराधों और नियामक उल्लंघन पर एक गंभीर चेतावनी है।

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

बालाघाट एक्सप्रेस
/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

नीट री-एग्जाम को लेकर बालाघाट में चाक-चौबंद व्यवस्था, विद्यार्थियों की मदद के लिए पुलिस की विशेष नीट वैन तैनात

8 परीक्षा केंद्रों पर तैयारियां पूरी, सीसीटीवी, जैमर, बायोमेट्रिक सत्यापन और सीआरपीएफ सुरक्षा के बीच होगी परीक्षा

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। जिले के 8 परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा, निगरानी और परीक्षार्थियों की सुविधा से जुड़ी सभी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दे दिया गया है। पिछले एक सप्ताह से जिला प्रशासन, पुलिस विभाग और अन्य संबंधित एजेंसियां परीक्षा की तैयारियों में जुटी हुई थीं। परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण स्वयं कलेक्टर मृणाल मीणा और पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया था। 20 जून तक सभी परीक्षा केंद्रों में सीसीटीवी कैमरे, जैमर, बायोमेट्रिक सत्यापन मशीनें और अन्य आवश्यक तकनीकी उपकरण स्थापित कर दिए गए हैं। परीक्षा के दौरान प्रत्येक गतिविधि पर नजर रखने के लिए विशेष निगरानी व्यवस्था बनाई गई है। प्रशासन का उद्देश्य परीक्षा प्रक्रिया को पूरी तरह निष्पक्ष और सुरक्षित बनाए रखना है। परीक्षार्थियों को केंद्र तक पहुंचने में किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए शहर में विशेष यातायात व्यवस्था लागू की गई है। अंबेडकर चौक मार्ग को वन-वे घोषित कर वहां वाहन पार्किंग की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इसके अलावा रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और अंबेडकर चौक पर पुलिस की विशेष सहायता वैन तैनात की गई है। यह वाहन उन परीक्षार्थियों की मदद करेंगे जिन्हें परीक्षा केंद्र तक पहुंचने में किसी प्रकार की कठिनाई का सामना करना पड़े। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। सभी परीक्षा केंद्रों पर जिला पुलिस बल के साथ सीआरपीएफ जवानों और अन्य सुरक्षा एजेंसियों की तैनाती 20 जून से ही कर दी गई है।

राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) पुनर्परीक्षा को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर नजर आ रहा है। 21 जून को आयोजित होने वाली परीक्षा के लिए जिले के सभी 8 परीक्षा केंद्रों पर तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। हाल ही में परीक्षा को लेकर सामने आए विवादों और अनियमितताओं को देखते हुए इस बार राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के निर्देशानुसार सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सख्त बनाया गया है। प्रशासन द्वारा सभी परीक्षा केंद्रों में सीसीटीवी कैमरे, बड़ी घड़ियां, बायोमेट्रिक सत्यापन मशीनें, फ्रिस्किंग व्यवस्था और जैमर लगाए गए हैं। परीक्षा केंद्रों की प्रत्येक गतिविधि पर नजर रखने के लिए सभी केंद्रों में वीडियोग्राफी भी कराई जाएगी। वहीं बिजली आपूर्ति बाधित होने की स्थिति से निपटने के लिए जनरेटर की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है। शनिवार को प्रशासनिक अधिकारियों ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कलेक्टर ने बताया कि परीक्षा की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया जा रहा है। जिन परीक्षा केंद्रों में छात्राओं की संख्या अधिक है, वहां अतिरिक्त बायोमेट्रिक मशीनें लगाने के निर्देश दिए गए हैं ताकि प्रवेश प्रक्रिया में किसी प्रकार की परेशानी न हो। परीक्षार्थियों के साथ आने वाले अभिभावकों और संरक्षकों की सुविधा का भी विशेष ध्यान रखा गया है। गर्मी और धूप को देखते हुए परीक्षा केंद्रों के बाहर पंडाल लगाने की व्यवस्था की जा रही है, जहां अभिभावक परीक्षा समाप्त होने तक बैठ सकेंगे। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग की टीम भी सभी प्रमुख केंद्रों के कंट्रोल रूम में ओआरएस, ग्लूकोज और प्राथमिक उपचार किट के साथ तैनात रहेगी। दिव्यांग परीक्षार्थियों के लिए भी एनटीए के दिशा-निर्देशों के अनुरूप विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इस बार प्रश्नपत्रों की सुरक्षा को पूरी तरह अभेद्य बनाने के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। स्ट्रांग रूम से परीक्षा केंद्रों तक प्रश्नपत्र सीआरपीएफ जवानों की सुरक्षा में पहुंचाए जाएंगे। प्रश्नपत्रों के साथ प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस बल का अतिरिक्त सुरक्षा वाहन भी रहेगा, जिससे किसी भी प्रकार की अनियमितता की संभावना को समाप्त किया जा सके। जिले में नीट पुनर्परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 5ः15 बजे तक आयोजित होगी। परीक्षा की अवधि 195 मिनट निर्धारित की गई है। परीक्षार्थियों को सुबह 11 बजे तक अपने निर्धारित परीक्षा केंद्र में पहुंचना अनिवार्य होगा। जिले के 8 परीक्षा केंद्रों में कुल 3112 परीक्षार्थियों के बैठने की व्यवस्था की गई है। जिला प्रशासन और पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हजारों विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़ी इस महत्वपूर्ण परीक्षा को निष्पक्ष, सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए हर स्तर पर निगरानी रखी जा रही है। सुरक्षा, स्वास्थ्य, यातायात और परीक्षा प्रबंधन से जुड़े सभी विभागों को विशेष जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं, जिससे परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न न हो। इस बार की तैयारियों को देखते हुए प्रशासन का दावा है कि परीक्षा पूरी तरह पारदर्शी और शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न होगी।

इन्हे बनाया गया हैं परीक्षा केंद्र

परीक्षा केंद्रों में सीएम राइज सांदीपनि विद्यालय बालाघाट में 600, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बूढ़ी में 232, कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय में 240, शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 480, शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज में 240, शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में 480, पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय भरवेली में 360 तथा जटाशंकर त्रिवेदी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 480 परीक्षार्थियों के बैठने की व्यवस्था की गई है।

परीक्षा के लिये विशेष प्लान तैयार किया है - यीना राहांगडाले

परीक्षा को लेकर यातायात पुलिस ने भी विशेष प्लान तैयार किया है। यातायात थाना प्रभारी यीना राहांगडाले ने बताया कि सुबह 8 बजे से अग्रिम आदेश तक शहर में नो-एंट्री लागू रहेगी। अंबेडकर चौक मार्ग पर परीक्षार्थियों के वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था की गई है तथा इस मार्ग को वन-वे किया गया है ताकि यातायात सुचारू बना रहे। विद्यार्थियों की सुविधा के लिए रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और अंबेडकर चौक पर पुलिस की विशेष 'नीट वैन' तैनात की गई हैं। यदि कोई परीक्षार्थी रास्ते में परेशानी में फंसता है या परीक्षा केंद्र तक पहुंचने में विलंब होने की संभावना होती है, तो ये वाहन उसे तत्काल परीक्षा केंद्र तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। इसके अलावा पुलिस के सरकारी वाहनों को भी इस कार्य के लिए तैयार रखा गया है।

न्यूज गैलरी

16 वर्षीय नाबालिक लड़की की फांसी लगाने से मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खैरलांजी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम मुरझ ? में इसी ग्राम की एक 16 वर्षीय नाबालिक लड़की जयश्री पिता महेंद्र भूरे की निर्माणाधीन मकान में फांसी लगाने मौत हो गई। यह घटना 19 जून की शाम 5ः00 हुई खैरलांजी पुलिस ने इस लड़की का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है।इस लड़की ने किस वजह से फांसी लगाई ।अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जयश्री अपने माता-पिता की इकलौती बेटी थी और उसने इस वर्ष कक्षा दसवीं की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली थी और प्रतिदिन साइकिल से ग्राम घुबड़गोंदी स्कूल आना जाना करती थी। बताया गया की जयश्री के माता-पिता मजदूरी करते हैं। जिनके द्वारा गांव में ही नये मकान का निर्माण करवाया जा रहा है। 8 जून को जय श्री के पिता महेंद्र भुरे मजदूरी करने के लिए महाराष्ट्र राज्य में गए हैं घर में जयश्री अपनी मां सरिता के साथ में ही रहती थी। 19 जून की शाम 4 बजे जयश्री अपने नए मकान में गई थी। 5ः00 बजे जब जयश्री की मां सरिता अपने नए मकान में गई तब उसने नए मकान के किचन वाले कमरे के स्लप की लकड़ी की म्याल में जयश्री को साड़ी के टुकड़े में फांसी पर लटकी हुई देखी। बाजू में खटिया रखी हुई थी। जय श्री को उसकी मां सरिता ने उसके गले में बंधे साड़ी के टुकड़े को छोड़ी और उसे नीचे उतारी और उसने परिवार वालों को बुलाई जयश्री को को नए मकान ले गये। जयश्री की मृत्यु हो चुकी थी। खैरलांजी पुलिस ने मौके पर पहुंच कर जयश्री का शव अपने कब्जे में लेकर खैरलांजी के अस्पताल में सुरक्षित रखवा दिए थे। 20 जून को शव पंचनामा कार्यवाई पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए। इस लड़की ने किस वजह से फांसी लगाई अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है।खैरलांजी पुलिस धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा सँहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच कर रही है।

चलती मोटरसाइकिल से गिरने से कृषक घायल -जिला अस्पताल में भर्ती

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रामपायली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मेंडकी के पास चलती मोटरसाइकिल से गिरने से एक व्यक्ति घायल हो गया। घायल व्यक्ति को विनोद पिता बानसिंह कुमरे 49 वर्ष ग्राम मंगेझरी मलंगटोला थाना वारासिवनी निवासी बताया गया है । जिसे जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार विनोद कुमरे अपने परिवार के साथ खेती किसानी का कार्य करते हैं। 20 जून को दोपहर करीब 12 बजे वे अपने चाचा प्रताप टेकाम के साथ मोटरसाइकिल से गांव से खाद लेने के लिए ग्राम मेड़की सोसायटी जा रहे थे। इसी दौरान ग्राम मेड़की के पास अचानक उनका संतुलन बिगड़ गया और वे चलती मोटरसाइकिल से नीचे गिर पड़े।बताया गया कि गिरने के बाद वे कुछ दूरी तक मोटरसाइकिल के साथ घिसटते चले गए। जिससे उनके सिर में गंभीर चोट आई। घटना के बाद उन्हें तत्काल वारासिवनी सिविल अस्पताल ले जाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल बालाघाट रेफर कर दिया गया। जाऊंगा उपचार किया जा रहा है।

ऑनलाइन दुकान जाने घर से निकली युवती लापता

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र के ग्राम हिर्री स्थित मटका टोला से एक 24 वर्षीय विवाहिता वंदना पति बाल कृष्णा पल्हारे संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई है। युवती घर से ऑनलाइन दुकान जाने की बात कहकर निकली थी लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। काफी खोजबीन के बाद भी कोई सुराग नहीं मिलने पर मामले की सूचना पुलिस को दी गई। यह युवती ग्राम मड़कापार थाना हट्टा निवासी है।किरनापुर पुलिस ने गुम इंसान कायम कर युवती की तलाश शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वंदना पल्हारे ग्राम मड़कापार थाना हट्टा निवासी पिछले डेढ़ माह से अपने मायके ग्राम हिर्री के मटका टोला में रह रही थी। उसके पिता नागपुर में ड्राइवरी का कार्य करते हैं। परिवार में चार बच्चे हैं। जिनमें वंदना सबसे बड़ी है। उसकी शादी वर्ष 2020 में सामाजिक रीति रिवाज के अनुसार ग्राम मड़कापार निवासी बालकृष्ण पल्हारे से हुई थी।बताया गया है कि 16 जून को वंदना के पिता और मम्मी खेत में काम करने गए हुए थे। घर पर वंदना अन्य परिजनों के साथ मौजूद थी। शाम करीब 4 बजे वंदना ने परिजनों से ऑनलाइन दुकान जाने की बात कही और घर से निकल गई। इसके बाद वह वापस नहीं लौटी।जब देर रात तक वंदना घर नहीं पहुंची तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू किये। रिश्तेदारों, परिचितों, मोहल्ले और आसपास के गांवों में खोजबीन की गई,लेकिन उसका कहीं कोई पता नहीं चल सका। इसके बाद परिजनों ने किरनापुर थाना पहुंचकर मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई।लापता युवती का हुलिया लंबा चेहरा, सांवला रंग, लगभग 5 फीट ऊंचाई बताया गया है। घर से निकलते समय उसने जामुनी रंग का सलवार-सूट पहन रखा था।किरनापुर पुलिस ने परिजनों की रिपोर्ट पर गुम ईसान क्रमांक 55/2026 कायम कर युवती की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने जिलेवासियों से अपील की है कि यदि किसी को उक्त युवती के संबंध में कोई जानकारी प्राप्त हो तो तत्काल निकटतम पुलिस थाना अथवा किरनापुर पुलिस को सूचित करें।

आवश्यकता है
फिल्ड कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है
संपर्क करें-पद्मेश सिटी केबल
काली पुतली चौक, बालाघाट

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट